@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 26 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 286 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी ने दिया जवाब, कहा-

दबाव कितना भी हो, झेलने की ताकत बढ़ाता जाएगा भारत

एजेंसी

अहमदाबाद पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में जनसभा में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के टैरिफ के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोला। टैरिफ को लेकर पीएम मोदी कहा दुनिया में आज आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है। सब कोई अपना फायदा करने में लगा है। हम सब कुछ देख रहे हैं। सरकार लघु उद्यमियों, किसानों, पशु पालकों का अहित नहीं होने देगी। दबाव कितना ही क्यों न हो, हम झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मानसून में गुजरात में कई इलाकों में भारी बारिश हुई। देश में भी एक के बाद एक आपदाएं आ रही हैं। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रकृति का यह प्रकोप पूरे देश, विश्व के लिए चुनौती बना है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ राहत, बचाव कार्य में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की धरती दो मोहन की धरती है एक सुदर्शन चक्र धारी द्वारिकाधीश और दूसरे चरखाधारी मोहन, हमारे महात्मा गांधी। भारत इन दोनों के दिखाए रास्ते पर चलकर सशक्त होता जा रहा है। श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि देश समाज की रक्षा कैसे करें। उन्होंने सुदर्शन चक्र को न्याय व सुरक्षा का कवच बनाया, जो दुश्मन को ढूंढकर उसे दंड देता है। यही भाव आज भारत के फैसलों में देश-दुनिया अनुभव कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि आज आतंकवादी और उनके आकाओं को हम छोड़ते नहीं हैं। चाहे वे कहीं भी छिपे हैं। पहलगाम का हमले का बदला हमने कैसे लिया दुनिया ने देखा है। 22 मिनट में सब साफ कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य और सुदर्शन चक्र धारी मोहन की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है।

गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है।

नरेंद्र मोदी ने 5400 करोड़ की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

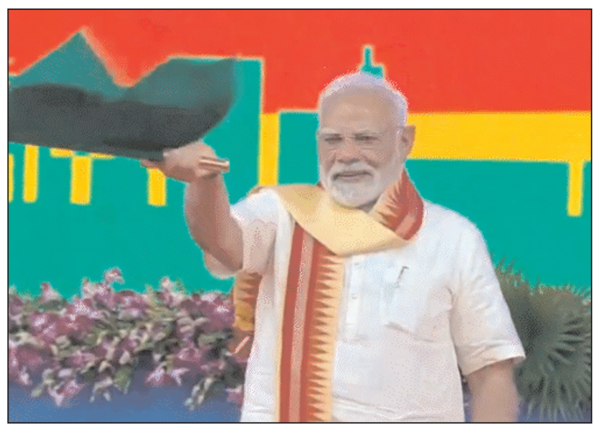

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 26 अगस्त को सुबह लगभग 10.30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है।

भारत को छेड़ने वाले को छोड़ेंगे नहीं : राजनाथ सिंह

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश विरोधी ताकतों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को छेड़ने वाले को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने वहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की थी, लेकिन हमारे जवानों ने आतंकियों को धर्म नहीं बल्कि कर्म देखकर मार गिराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सोमवार को यहां हनवंत आदर्श विद्यामंदिर लालसागर परिसर में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहें, तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया। राजनाथ सिंह ने लाल सागर स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में लालसागर परियोजना के तहत तैयार की गई आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है और जब इसमें खेल का भी समावेश होता है, तो यह और भी विशेष बन जाता है। उनके अनुसार यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे।

हमारे पास बजट की कमी नहीं, लेकिन लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि उनकी सरकार हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास चाहती है। सरकार के पास फंड की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अफसरों को आदेश जारी किए कि वे मुख्यमंत्री विकास फंड (सीएमडीएफ) से जुड़े कार्य, विधायक निधि से भेजे गए विकास कार्यों (एमएलए एलएडी) के अलावा अनिधकृत कॉलोनियों और अनुसूचित जाति व जनजाति बस्तियों में विकास की गति तेज करें और वहां शुरू हो रहे विकास कार्यों को समय पर पूरा करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल इन्हीं विषयों के विकास कार्यों को लेकर दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में मुख्य सचिव, दिल्ली नगर निगम के आयुक्त सहित शहरी विकास, योजना, वित्त, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्राप्त प्रस्तावों और उनकी प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विकास कार्यों को लेकर केवल औपचारिकता निभाने का रवैया बदलना होगा और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत बनाकर कार्यों को गति देनी होगी। रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री विकास निधि और विधायक निधि से संबंधित सभी कार्यों की स्टेटस रिपोर्ट नियमित रूप से उनके और विधायकों के पास भेजी जाए, ताकि यदि किसी स्तर पर कोई अड़चन आती है तो संबंधित विधायक उसकी तुरंत जानकारी प्राप्त कर उसका समाधान कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विधायक द्वारा भेजा गया प्रस्ताव नियमों के अनुसार नहीं पाया जाता है, तो उसकी जानकारी तत्काल विधायक को उपलब्ध कराई जाए, जिससे समय की बर्बादी न हो और कार्ययोजना पर जल्द से जल्द अमल हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों और अनुसूचित जाति/जनजाति बस्तियों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तेज किया जाए, क्योंकि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की अपेक्षाएं सबसे अधिक हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इन इलाकों में शुरू हो रहे कार्यों को निर्धारित समय-सीमा मंअ पूरा किया जाए और किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मानसून का मौसम अब समाप्ति की ओर है, इसलिए सभी विभाग आने वाले दिनों में विकास कार्यों की रफ्तार और तेज कर दें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पूरी दिल्ली में विकास कार्य जमीन पर उतरते हुए साफ दिखाई दें। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से यह भी कहा कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रस्तावों की विस्तृत सूची उनके कार्यालय को प्रस्तुत करें। अधिकारियों द्वारा तैयार प्रेजेंटेशन में कार्यों की प्रगति, बजट की स्थिति और निर्धारित समय-सीमा का स्पष्ट विवरण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता को सुनिश्चित करने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल चुनिंदा इलाकों का विकास करना नहीं, बल्कि पूरी राजधानी का संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सोच स्पष्ट है, दिल्ली का हर नागरिक यह महसूस करे कि विकास कार्य उसकी बस्ती, कॉलोनी और उसके मोहल्ले तक पहुंच रहा है। हमारी सरकार की यही सोच सही मायनों में एक विकसित दिल्ली का सपना पूरा करेगी।

धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में 56वीं आईआईटी काउंसिल बैठक संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को 56वीं आईआईटी काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा की गई और आगामी 25 वर्षों के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने पर चर्चा हुई। प्रधान ने कहा कि आईआईटी देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था के नगीने हैं और इन्हें अधिक समावेशी, अनुसंधान-प्रधान तथा 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर प्रस्तुत किए गए रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप, आईआईटी भारत को 2047 तक वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक प्रगति की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आईआईटी 'समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

जेल से सरकार चलाना लोकतंत्र के लिए अपमानजनक : केन्द्रीय गृह अमित शाह

कांग्रेस की नैतिकता चुनावी लाभ-हानि पर आधारित है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जेल से सरकार चलाना लोकतंत्र के लिए अपमानजनक है। देश में लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि कोई भी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल में रहकर शासन न चलाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं इस प्रावधान को 130वें संविधान संशोधन में शामिल कराया है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि सत्ता का कोई भी पद कानून से ऊपर नहीं है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, अमित शाह ने एक मीडिया संस्थान को दिए साक्षात्कार में विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि 130वें संविधान संशोधन विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री किसी गंभीर आरोप में गिरफ्तार होते हैं और उन्हें 30 दिनों तक जमानत नहीं मिलती है, तो वे स्वतः पदमुक्त हो जाएंगे। यदि बाद में जमानत मिलती है, तो वे पुनः शपथ लेकर पदभार संभाल सकते हैं। इस कानून का उद्देश्य लोकतांत्रिक मर्यादा और शासन की नैतिकता को बनाए रखना है। गृहमंत्री ने कहा कि संसद में किसी विधेयक या संविधान संशोधन पर असहमति दर्ज कराने का पूरा अधिकार विपक्ष को है, किंतु उसे सदन की कार्यवाही बाधित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, हमने इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने का प्रस्ताव दिया है, ताकि सभी दल अपने विचार और सुझाव रख सकें, लेकिन विपक्ष का रवैया यही रहा है कि स्वस्थ बहस ही न होने दी जाए। जनता यह सब देख रही है।शाह ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में कई नेता आरोप लगने पर नैतिकता के आधार पर इस्तीफ़ा देते रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, येदियुरप्पा, ईश्वरप्पा और हाल ही में हेमंत सोरेन जैसे नेताओं ने यही परंपरा निभाई, लेकिन हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने जेल में रहते हुए भी इस्तीफ़ा न देकर लोकतांत्रिक परंपरा को आघात पहुंचाया है। उन्होंने सवाल उठाया, क्या सचिव, मुख्य सचिव या डीजीपी जेल में जाकर आदेश लेंगे? क्या यह लोकतंत्र के लिए उचित होगा?उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून किसी एक दल या व्यक्ति के खिलाफ नहीं बल्कि सभी पर समान रूप से लागू होगा। विपक्ष का आरोप है कि यह विधेयक 'राजनीतिक हत्या' का औज़ार है। शाह ने जवाब दिया कि अदालतों की निगरानी में हर प्रक्रिया होती है और यदि आरोप फ़र्ज़ी होंगे तो उच्च न्यायालय या सुप्रीम कोर्ट राहत देंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई गहरे भ्रष्टाचार में फंसा है और 30 दिन तक जमानत नहीं मिलती, तो वह व्यक्ति पद से क्यों चिपका रहे? बाद में बेल मिल जाए तो वह फिर से पद संभाल सकता है।

प्रधानमंत्री की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआईसी का आदेश रद्द किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैचलर डिग्री से जुड़ी जानकारी उजागर करने संबंधी केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) का आदेश सोमवार को खारिज कर दिया। अदालत के इस फैसले से दिल्ली यूनिवर्सिटी को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस सचिन दत्ता ने यह फैसला यूनिवर्सिटी की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें CIC के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी। उस आदेश में 1978 में बीए परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड का निरीक्षण कराने की बात कही गई थी। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने भी उसी वर्ष बैचलर की डिग्री हासिल की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 जनवरी 2017 को CIC के आदेश पर रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान यूनिवर्सिटी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि यह आदेश गलत है और इसे निरस्त किया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि अदालत चाहे तो यूनिवर्सिटी अपना रिकॉर्ड कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने को तैयार है।

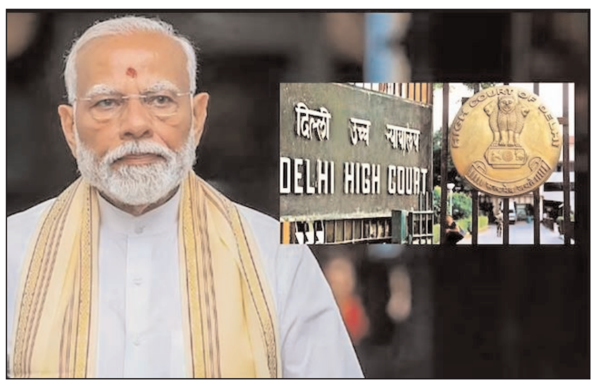

ऑपरेशन सिंदूर से एक्सपोज हुआ विपक्ष, एफआईआर पर फैला रहा भ्रमः अर्जुन राम मेघवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बिहार एसआईआर मामले पर जबरन भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर एक्सपोज हो चुका है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है। संवैधानिक संस्था पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। बातचीत में उन्होंने संसद के मानसून सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि 20 जुलाई को सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने मांग की थी कि मानसून सत्र में पहली चर्चा ऑपरेशन सिंदूर पर हो। उस बैठक में राहुल गांधी और उनकी पार्टी के सदस्य भी मौजूद थे। हमने वह मांग मान ली। हमने 16 घंटे लंबी बहस की उनकी मांग भी मान ली। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर बहस ने विपक्ष की पोल खोल दी, इसलिए उन्होंने रणनीति बदली और एसआईआर का मुद्दा उठाया, जो कि विपक्ष की रणनीति का हिस्सा नहीं था। एसआईआर का मुद्दा इसीलिए उठा रहे हैं क्योंकि वे ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर विफल हो गए। जनता ने विपक्ष का असली चेहरा देख लिया। एसआईआर का मुद्दा लेकर आए, जिससे साफ है कि उनके मन में खोट है। 130वें संविधान संशोधन में कांग्रेस को किस बात का डर है? क्या उन्हें अपने मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी की चिंता है? इस सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रगतिशील कानून है। अगर कोई मंत्री, मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री भी पद पर हैं और कोई जांच एजेंसी उन्हें दोषी साबित कर देती है, और अदालत उन्हें बिना जमानत दिए पांच साल या उससे ज्यादा की सजा सुना देती है, तो ऐसे व्यक्ति के लिए शासन करना संभव नहीं होगा।

दिल्ली में होगा रामलीला का अब तक का सबसे भव्य आयोजनः रविन्द्र इंद्राज

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 25 अगस्त। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी सेक्टर-23 स्थित डीडीए रामलीला ग्राउंड में रामलीला महोत्सव आयोजन को लेकर सनातन संस्कारम संस्था से जुड़े सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों के साथ बैठक की। इस बैठक में रामलीला की मंचन व्यवस्था और सरकार की ओर से किए गए महत्वपूर्ण फैसलों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस वर्ष रामलीला का आयोजन पहले से कहीं अधिक भव्य, आकर्षक और सुव्यवस्थित होगा। जन सहयोग से दिल्ली सरकार ने आयोजन को सुगम और सुविधापूर्ण बनाने के लिए इंतजाम किये हैं। इंद्राज ने कहा कि रामलीला आयोजन की अनुमतियों के लिए आयोजकों को भटकना नहीं प ?गा, माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर इस वर्ष पहली बार जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत सभी संबंधित विभागों की अनुमति एक ही स्थान पर समयबद्ध ढंग से मिल सकेगी। इस कदम से आयोजकों और स्थानीय संस्थाओं को राहत मिलेगी और आयोजन में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि रामलीला मंचन हेतु भूमि की सिक्योरिटी राशि को 20 रुपये प्रति वर्गमीटर से घटाकर 15 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दिया गया है। यह निर्णय आयोजक संस्थाओं पर आर्थिक बोझ को कम करेगा और अधिक से अधिक संस्थाओं को बड़े स्तर पर आयोजन के लिए प्रोत्साहित करेगा। साथ ही रामलीला मंचन के साथ बनने वाले मनोरंजन स्थलों का क्षेत्रफल, कुल उपलब्ध क्षेत्रफल का 40 प्रतिशत निर्धारित किया है। इससे रामलीला मैदानों में डांडिया समेत अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों का आयोजन भी सुगमता से किया जा सकेगा। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, रामलीला समिति के सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने दिल्ली सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया और भरोसा दिलाया कि सरकार के सहयोग से इस बार की रामलीला, राजधानी की अब तक की सबसे भव्य रामलीला होगी। श्री रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि रामलीला के माध्यम से हमें सत्य, धर्म और आदर्श जीवन मूल्यों का संदेश मिलता है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है कि राजधानी में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक आयोजन विश्वस्तरीय हों और नई पी ?यों तक नैतिक और सामाजिक मूल्यों का सन्देश पहुँचाएँ ।

कॉमेडिन समय रैना को सुप्रीम कोर्ट से फटकारज्ज्कमाई के लिए किसी का मजाक नहीं बना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि किसी को भी कमाई करने के मकसद से किसी का भी मजाक उड़ाने की आजादी नहीं मिल सकती है। इतना ही नहीं अभिव्यक्ति की आजादी के तहत किसी भी तरह का संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने मामले में तल्ख टिप्पणी की कि जब आप अपने भाषण का व्यवसायीकरण कर रहे हैं, तब आप इसके जरिए किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा सकते। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कॉमेडिन समय रैना और अन्य हास्य कलाकारों को विकलांग व्यक्तियों का मजाक उड़ाने वाले चुटकुलों के लिए कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हर व्यक्ति की गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए और यहीं हम कर रहे है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से प्रभावित मरीजों और परिवारों की मदद करता है। याचिका में विकलांग व्यक्तियों का मज़ाक उड़ाने वाले चुटकुलों की ओर अदालत का ध्यान दिलाया गया था। अदालत ने जिन हास्य कलाकारों की आलोचना की है, उसमें सबसे बड़ा नाम समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का शामिल हैं।

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 26 सितंबर को

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल की एक अदालत ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विवादित बयान मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की है। जानकारी के मुताबिक अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने निचली अदालत से रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण सुनवाई की अगली तारीख 26 सितंबर तय की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सगीर सैफी ने बताया कि अदालत ने इस मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड मांगा था, लेकिन आज तक अदालत में रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की गई। अदालत में याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, '15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा-आरएसएस से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट से है।' याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने कहा, '15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई केवल आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) और भाजपा से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट (भारत सरकार) से है। हिंदू शक्ति दल के प्रमुख ने कहा कि यह टिप्पणी देश के नागरिकों और लोकतंत्र के प्रति अनादर प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के बयान से देश भर के लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। मैंने पहले संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, मैंने 23 जनवरी को अदालत में मामला दायर किया।'

निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में दहेज की मांग को लेकर कथित तौर पर जिंदा जलाई गई 26 वर्षीय निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने हत्या के बाद से फरार चल रहे निक्की के ससुर सत्यवीर भाटी को भी सोमवार को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक यह चौथी गिरफ्तारी है। इसके पहले पुलिस ने निक्की के जेठ को भी सोमवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं उसकी सास और पति को रविवार को गिरफ्तार किया गया था। दहेज के लिए निक्की को जिंदा जलाकर मारने के आरोपी पति विपिन भाटी को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल होने के बाद गिरफ्तार किया था और आरोपी पति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतवीर भाटी (55) और रोहित भाटी (28) के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस ने एक गुप्त सूचना और मैन्युअल खुफिया जानकारी के आधार पर सिरसा टोल चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों गिरफ्तारियां अलग-अलग की गईं और दोनों के बीच कुछ समय का अंतर था। बेटी की मौत के बाद मृतका निक्की के परिजनों ने दावा किया कि 2016 में उसकी शादी के बाद से ही 36 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था, जबकि उन्होंने निक्की के ससुराल वालों की स्कॉर्पियो वाहन और बुलेट बाइक की मांग पूरी भी कर दी थी। निक्की के माता-पिता ने विपिन के पूरे परिवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाइक सवार चार किशोरों की मौत, कार ने मारी जोरदार टक्कर

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा पुस्ता रोड पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही वैगनआर कार ने बाइक सवार चार किशोरों को टक्कर मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हुए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर के रूप में हुई है। चारों की उम्र 16 से 18 वर्ष के बीच थी और वे दोस्त थे। चारों टीवीएस राइडर बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही वैगनआर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों किशोर सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और सभी को सेक्टर-39 जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

अमित शाह का दावा: सुदर्शन रेड्डी की वजह से देश में दो दशक तक चला नक्सलवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 9 सिंतबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसमें एनडीए और इंडिया गठबंधन ने अपने अपने उम्मीदवार खड़े किए है। वहीं संविधान संशोधन बिल भी देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। जेपीसी में शामिल होने को लेकर सपा और टीएमसी ने खुद को अलग कर लिया है। ऐसे में इस बिल पर क्या असर पड़ेगा। ऐसे कई सवालों को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने बतौर सुप्रीम कोर्ट जज सलवा जुडूम को खारिज कर आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया था। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चलाज्मेरा मानना ??है कि वामपंथी विचारधारा ही (सुदर्शन रेड्डी को चुनने का) मानदंड रही होगी।

जेपीसी शामिल हों या न हो काम तो होगा ही

शाह ने जोर देकर कहा कि सरकार ने विधेयक को जेपीसी को भेजकर एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है, ताकि सभी दलों की राय सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि विपक्ष इस चर्चा में शामिल हो और अपनी राय दे। लेकिन अगर वे बहिष्कार करते हैं तो सरकार क्या करे? यह विधेयक देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए है और हम इसे पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाएंगे। यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष ने 130वें संशोधन विधेयक को असंवैधानिक बताकर इसका विरोध किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों से अधिक जेल में रहता है और उसे जमानत नहीं मिलती, तो उसे अपने पद से हटना होगा। अमित शाह ने कहा कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक की जांच के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की एक संयुक्त समिति गठित की जाएगी, जिसमें सभी दलों के सदस्य शामिल होंगे। इस समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति करेंगे। शाह ने कहा कि यह समिति सभी पक्षों की राय सुनेगी और विधेयक पर चर्चा करेगी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इसमें शामिल नहीं होगा तब भी जेपीसी अपना काम करेगी।

आप का उदाहरण दिया कहा- विपक्ष का दोहरा रवैया

अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी जिक्र किया, जिन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि जेल जाने के बाद भी इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। शाह ने इसे विपक्ष के दोहरे रवैये का उदाहरण बताया। विपक्ष खासकर कांग्रेस पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। उन्होंने यूपीए सरकार के समय का जिक्र किया, जब मनमोहन सिंह सरकार ने सजायाफ्ता सांसदों को बचाने के लिए एक अध्यादेश लाया था। शाह ने कहा कि सत्येंद्र जैन (आप नेता) के मामले में उन्हें चार मामलों में जेल हुई और सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की। वे मुकदमे का सामना कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने भी ऐसा किया। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और लालू प्रसाद यादव को सजा हुई थी, तब यूपीए सरकार ने एक अध्यादेश लाया कि दो साल की सजा होने पर भी सांसद की सदस्यता तब तक रद्द नहीं होगी, जब तक अपील की प्रक्रिया पूरी न हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की जेड श्रेणी सुरक्षा मोदी सरकार ने ली वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे थे। केंद्र सरकार ने आनन-फानन में उन्हे जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करा दी थी। पर 24 घंटे भी नहीं हुए उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई। केंद्र ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को दी गई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 'जेडश्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। कुछ दिन पहले ही गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें यह सुरक्षा प्रदान की गई थी। इस घटना के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विशिष्ट व्यक्तियों को दी जाने वाली सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी विंग को केंद्र के जेड श्रेणी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली गई है और अब दिल्ली पुलिस ही फिर से मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा बढ़ाने का आदेश केंद्र द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया जाना था, लेकिन योजना में बदलाव हुआ और सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए गए। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री पर हमले की जांच के सिलसिले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी सकारिया भी शामिल है, जो गुजरात के राजकोट का निवासी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सुरक्षा का जिम्मा फिर से दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह सिविल लाइंस इलाके में स्थित उनके ऑफिस में 'जन सुनवाई'कार्यक्रम के दौरान गुजरात के राजकोट निवासी एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को उनकी हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया था।

स्पेस स्टेशन से लौटे शुभांशु का लखनऊ पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

-एयरपोर्ट पर उमड़ा जनसैलाब, तिरंगा लहरा भारत माता की जय के लगाए नारे

लखनऊ (एजेंसी)। स्पेस स्टेशन से लौटे देश के गौरव शुभांशु शुक्ला का लखनऊ एयरपोर्ट पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पत्नी और बेटे के साथ पहुंचे शुभांशु का उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित हजारों लखनऊवासियों ने तिरंगों और फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। एयरपोर्ट परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान सेना के बैंड की धुनों ने वातावरण को और अधिक रोमांचक बना दिया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से शुभांशु को अपने घर जाने की अनुमति नहीं दी गई है। उनका यह दौरा विशेष रूप से आयोजित विक्ट्री परेड तक ही सीमित रहेगा। परेड में शुभांशु विशेष कार में सवार होंगे, जबकि उनके परिवार के लिए अलग ओपन जीप की व्यवस्था की गई है। पुलिस का काफिला और सुरक्षा गाड़ियां पूरे कार्यक्रम के दौरान साथ रहेंगी। विक्ट्री परेड में स्कूली बच्चों का विशेष दल भी शामिल होगा, जो 'एस्ट्रोनॉट' की वेशभूषा में कदमताल करेगा। इस आयोजन को शुभांशु की ऐतिहासिक उपलब्धियों और भारत के अंतरिक्ष मिशन में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। परेड से पूर्व शुभांशु शुक्ला ने मीडिया से कहा, कि मैं बेहद उत्साहित हूं। अंतरिक्ष में बिताए हर पल ने मुझे यह एहसास कराया कि भारत अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मैंने स्पेस स्टेशन पर भारत की ताकत और वहां की जिंदगी के अनुभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी साझा किए।

रियल-मनी गेम में हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे... तभी मोदी सरकार लाई बिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। मोदी सरकार ने द प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पेश कर देश के युवाओं को नई दिशा देने का काम किया है। इससे एक ओर रियल-मनी गेम पर रोक लगेगी, दूसरी तरफ ई-स्पोर्ट्स और एजुकेशन प्लेटफॉर्म को बढ़ावा मिलेगा। अनुमान के मुताबिक, रियल-मनी गेम में करीब 45 करोड़ भारतीय हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे। यह कई सामाजिक समस्याओं का कारण बना रही है। इसमें कर्ज के कारण आत्महत्या और बच्चों द्वारा अनजाने में माता-पिता की पूरी सेविंग्स ऑनलाइन गेम में दांव पर लगाना जैसे अपराध शामिल था।

मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग बिल सभी पक्षकारों की सहमति से मिलकर बनाया है। संपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए वित्त, खेल और आईटी मंत्रालयों के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), बैंकों, अभिभावक संगठनों और गेमिंग उद्योग से भी जानकारी ली गई। इस बिल से देश में ऑनलाइन गेम के भविष्य को सही दिशा मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में मौजूदा समय में 48.8 करोड़ लोग ऑनलाइन गेम खेलते हैं। आंकड़ा 2025 के अंत तक 50 करोड़ के पार जा सकता है। वहीं, ई-स्पोर्ट्स की व्यूअरशिप 2025 के अंत तक 64 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है। 2024 में गेमिंग स्टार्टअप ने 3,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया था, जो कि 2025 में 5,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 पर इंडस्ट्री लीडर्स और लीगल जानकारों का कहना है कि इससे देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा।

जानकार ने कहा कि यह कानून न सिर्फ ई-स्पोर्ट्स को मान्यता देता है, बल्कि एडिक्शन, वित्तीय सुरक्षा, फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करता है। उन्होंने कहा कि यह कानून सभी प्रकार के रियल-मनी खेलों पर प्रतिबंध लगाकर

धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब भारत में बनेंगे तेजस एमके2 के जीई-इंजन, बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब भारतीय वायुसेना को और भी ज्यादा मजबूत करने के लिए काम कर रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अमेरिका की रक्षा दिग्गज जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस के बीच हुई डील के बाद अब भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-2 के लिए भारत में इंजन बनाने की बात शुरू हो गई है। इसके अलावा डीआरडीओ ने बेंगलुरु स्थित एक गैस टर्बाइन रिसर्च प्रतिष्ठान के साथ फ्रांस की कंपनी सफ्रान की डील को भी अंतिम रूप दे दिया है। यह दोनों मिलकर पांचवी पीढ़ी का उन्नत और मध्यम लड़ाकू विमान के इंजन बनाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का उद्देश्य अगले तीन महीनों में तेजस मार्क 2 के इंजन के लिए एचएएल और जीई के समझौते की बातचीत को अंतिम रूप देना है। ताकि इस समझौते के तहत जल्द से जल्द एफ414 इंजनों का उत्पादन भारत में होने लगे, जिनको तेजस मार्क 2 के लिए डिजाइन किया गया है। बता दें अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने लड़ाकू जेट विमानों के इंजनों के उत्पादन के लिए जून 2023 में एचएएल के साथ समझौता किया था। इस समझौते की घोषणा पीएम मोदी के अमेरीकी दौरे में की थी। हालांकि अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिलने के बाद आम शर्तों पर भी सहमति बन गई थी। उसके बाद भी यह डील ठंडे बस्ते में डाल दी गई। इस विषय के जानकारों का कहना है कि भारत सरकार और अमेरिका के बीच में इस इंजन को लेकर पिछले 10 सालों से बातचीत जारी है। जीई एयरोस्पेस इस इंजन की करीब 80 फीसदी तकनीक को भारत के साथ साझा करने को तैयार है। हालांकि इसमें कुछ अहम प्लाइंट्स को बाहर रखा गया है। बता दें शुरुआत में जीई केवल 58 फीसदी टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर के लिए तैयार हुआ था, लेकिन बाद में वह 80 फीसदी तकनीक के लिए तैयार है।

बिहार की वोटर लिस्ट में पाकिस्तानी महिला का नाम, गृह मंत्रालय की जांच के बाद हड़कंप

- मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवाल

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि गृह मंत्रालय की जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान से आईं दो महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में हैं। दरअसल बिहार के भागलपुर में दो पाकिस्तानी महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में पाए जाने के बाद बिहार में हड़कंप मच गया है। यह भी पता चला है कि दोनों महिलाओं के पास मतदाता पहचान पत्र हैं। भागलपुर में इस चौंकाने वाली घटना के सामने आने के बाद चुनाव आयोग और प्रशासन में हड़कंप मचा है। मिली जानकारी के अनुसार, गृह मंत्रालय वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों की जांच कर रहा है। गृह मंत्रालय को सूचना मिली थी कि भागलपुर में तीन पाकिस्तानी रह रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जांच के दौरान यह भी पता चला कि इमराना खानम उर्फ इमराना खातून और फिरदौसिया खानम के पास मतदाता पहचान पत्र है। ये दोनों महिलाएं भागलपुर के भीखनपुर गुमटी नंबर 3, टैंक लेन, इशाकचक में रहती है। इन दोनों पाकिस्तानी महिलाओं ने कभी भारतीय नागरिकता नहीं ली। फिर भी, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिए गए हैं। अभी तक उनका नाम सूची से नहीं हटाया गया है। इस संबंध में जांच की जा रही है। विशेष शाखा की इस चौंकाने वाली रिपोर्ट के बाद डीएम और एसएसपी को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि दोनों महिलाओं का नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया चल रही है। चौधरी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए भी जांच की जा रही है कि किसकी लापरवाही से यह गंभीर गलती हुई। इस मामले में फिरदौसिया खानम के बेटे ने और भी चौंकाने वाला दावा किया है। मोहम्मद गुलौज ने कहा कि उनकी मां का जन्म 1945 में हुआ था और वह यहीं रहती हैं। सभी दस्तावेज जमा करने के बावजूद रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई है। बहरहाल यह मामला सामने आने के बाद मतदाता सूची की विश्वसनीयता और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पीएम मोदी का शैक्षणिक रिकॉर्ड नहीं होगा सार्वजनिक, सीआईसी आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआईसी के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें पीएम मोदी की डिग्री को आरटीआई के तहत जानकारी साझा करने को कहा गया था। इसी के साथ अब प्रधानमंत्री मोदी के शैक्षणिक रिकॉर्ड का खुलासा नहीं किया जा सकेगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के लगभग आठ साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक याचिका के जवाब में पीएम मोदी की डिग्री की जानकारी साझा करने को कहा गया था। मालूम हो कि विश्वविद्यालय ने निजता संबंधी चिंता जाहिर करते हुए सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। यहां केंद्रीय सूचना आयोग का कहना था, कि किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति, खासकर प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति की शैक्षिक योग्यताएं पारदर्शी होनी चाहिए। सीआईसी ने यह भी कहा कि ऐसी जानकारी दर्ज किए जाने वाले रजिस्टर को एक सार्वजनिक दस्तावेज माना जाना चाहिए। विश्वविद्यालय की ओर से उच्च न्यायालय में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया। डीयू की ओर से तर्क दिया गया कि हजारों छात्रों का निजता का अधिकार जनता के सूचना के अधिकार से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

क्या है डिग्री से जुड़ा मामला?

यहां बताते चलें कि पीएम मोदी की डिग्री संबंधी मामला तब चर्चा में आ गया जबकि साल 2016 में एक आरटीआई आवेदक ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से कला स्नातक (बीए) पाठ्यक्रम के सभी छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक रिकॉर्ड 1978 में मांगे थे। दरअसल इसी वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्नातक उपाधि प्राप्त की। पीएम मोदी की डिग्री संबंधी यह मामला करीब एक दशक से चल रहा है।

जोधपुर में 5 सितंबर से आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय समिति की बैठक... आखिर क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 सितंबर 2025 से राजस्थान के जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय समिति की तीन दिवसीय बैठक होने वाली है। आरएसएस की ओर से जारी बयान में हर साल होने वाली बैठक बताया है। लेकिन, आरएसएस-बीजेपी के बीच संबंधों में आए बदलाव के बाद बैठक की अहमियत बढ़ गई है। 5 से 7 सितंबर तक संघ की बैठक में इसके तमाम बड़े पदाधिकारी और इसके अनेकों संगठनों से जुड़े लोग शामिल हो रहे है। आरएसएस की यह बैठक 2 अक्टूबर को इसकी स्थापना के सौ साल पूरे होने से ठीक एक महीने पहले आयोजित की जा रही है। संघ के लिए यह एक ऐसा दौर है, जिसमें बीजेपी के साथ इसकी ताल्लुकातों में अप्रत्याशित मोड़ आता नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त पर आरएसएस की जिस तरह से सराहना की है, वैसा अभी तक कभी नहीं हुआ था। एक तरह से इस तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संघ का जिक्र तक करने से परहेज करने की परंपरा सी बनी हुई थी। बीजेपी सरकार ने भी कभी इसकी कोशिश नहीं की थी। यही नहीं, इसके तुरंत बाद ही पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार तय किया, जो शुरू से संघ से जुड़े रहे हैं। इसतरह के मौके पर बीजेपी सहित संघ के तमाम संगठनों का जोधपुर में जुटना बहुत मायने रखता है।

बताया जा रहा हैं कि आरएसएस के कार्यक्रम में इसके राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य और कोऑर्डिनेटर पहुंचने वाले हैं। इसमें खुद आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी 6 सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेने वाले है। इसके अलावा बैठक में बीजेपी सहित संघ से जुड़े 32 संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहने वाले है। जिसमें राष्ट्र सेविका समिति, विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी),वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती और भारतीय मजदूर संघ शामिल हैं।

इतना ही नहीं इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होने वाले है। इसके अलावा बीएल संतोष भी मौजूद रहने वाले है। जो पार्टी के महासचिव (संगठन) हैं। यह पद बीजेपी में बहुत ही ज्यादा प्रभावशाली रहा है, क्योंकि इसपर बैठा व्यक्ति पार्टी में संघ का प्रतिनिधि माना जाता है और दोनों ही संगठनों के बीच कड़ी की जिम्मेदारी निभाता है। इनके अलावा बीजेपी नेता सुनील बंसल, शिवप्रकाश, सौदान सिंह और वी सतीश की मौजूदगी से भी अंदाजा लग जाता है कि पार्टी के लिए आरएसएस की यह बैठक कितनी महत्वपूर्ण है।

बीजेपी के लिए संघ की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि हाल ही में

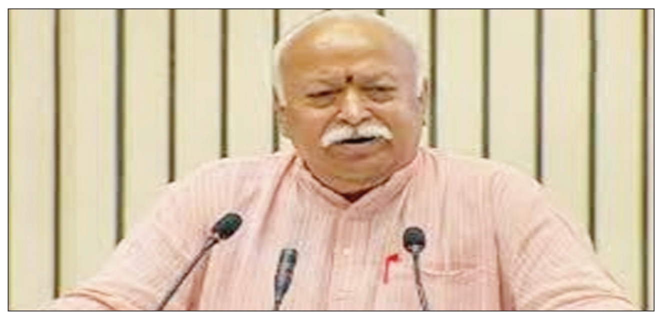

मोहन भागवत ने 75 साल की उम्र होने पर सार्वजनिक जीवन छोड़ने और नए लोगों को मौका देने की बात कह चुके हैं। राजनीतिक जगत में अटकलें हैं कि यह पीएम मोदी के लिए इशारा हो सकता है, जो इस साल 17 सितंबर को 75 वर्ष के होने वाले हैं। खुद भागवत भी 75 साल पूरे कर रहे हैं और संघ की परंपरा के मुताबिक उन्हें भी अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित करना है। वैसे यह घोषणा आरएसएस के शताब्दी वर्ष पूरे होने से पहले होने की संभावना नहीं है।

भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ मामले में 9 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट में 5 साल पुराने एक एक आपराधिक मामले में भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ शनिवार को सुनवाई हुई। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल की अदालत में गवाहों को बिना पूछताछ के जाने दिया। क्योंकि आरोपी के वकील ने इस आधार पर स्थगन की मांग की है कि वकील काम से विरत हैं। ऐसे में गवाह कांस्टेबल सोनू और वीर सिंह को संबंधित थाना प्रभारी के माध्यम से अगली तारीख 9 सितंबर को बुलाया गया है। चंदोलिया पर एक सरकारी कर्मचारी पर हमला करने का आरोप है। इस मामले में चंदोलिया के खिलाफ 2020 में दिल्ली के प्रसाद नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

जल्द पैसा कमाने के लिए डिलीवरी बॉय बना वाहन चोर

नई दिल्ली। जल्द पैसा कमाने के लिए डिलीवरी बॉय से वाहन चोर बने युवक को द्वारका जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान प्रवेश के रूप में हुई है। उसके पास से दो स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस बदमाश से पूछताछ कर अन्य वाहनों की बरामदगी का प्रयास कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि वाहन चोरी निरोधक शाखा लगातार वाहन चोरों पर निगरानी रखती है। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच करती है। फुटेज में दिख रहे बदमाशों की मुखबिरों से पहचान करने के बाद उनको धर पकड़ करते हैं। 20 अगस्त को वाहन चोरी निरोधक शाखा नजफगढ़ की टीम फिरनी रोड पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक युवक को बिना हेलमेट पहने स्कूटी चलाते देखा। पुलिस देखते ही युवक ने स्कूटी घुमाकर भागने की कोशिश की। जांच में पता चला कि प्रवेश ने मोहन गार्डन इलाके से स्कूटी चुराई थी। पुलिस पूछताछ में बदमाश ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि वह उत्तम नगर में डिलीवरी बॉय का काम करता था। आमदनी कम होने पर वह वाहन चोरी करने लगा।

भारत के लोकतंत्र की नींव बलिदान और संघर्ष पर टिकी है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 25 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि भारत के लोकतंत्र की नींव बलिदान और संघर्ष पर टिकी है और हर जनप्रतिनिधि का पहला संकल्प राष्ट्रहित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन जनता और राष्ट्रहित से जुड़े निर्णयों में सभी राजनैतिक दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। दिल्ली विधानसभा में आयोजित ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने मंच पर उपस्थित माननीय लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता सहित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन सभी राज्यों से आए स्पीकरों और डिप्टी स्पीकरों के लिए अपने दायित्व और प्रतिबद्धता को पुनः स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने महिला स्पीकर्स और डिप्टी स्पीकर्स की भागीदारी को विशेष रूप से प्रेरणादायक बताया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत की पहली केंद्रीय विधानसभा के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीयों द्वारा विधानसभा की अध्यक्षता संभालना देश के लोकतंत्र की वास्तविक शुरुआत थी। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को नमन करते हुए कहा कि आज जब हमें अपने संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ स्वतंत्र भारत का नेतृत्व करने का अवसर मिला है तो यह हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम उस आजादी की गरिमा को और मज़बूत करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों को हमेशा %राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, स्वयं अंतिम% (Nation First, Party Second, Self Last) के सिद्धांत पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन जनता और राष्ट्रहित से जुड़े निर्णयों में सभी दलों को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने महान स्वतंत्रता सेनानी विट्ठल भाई पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र और विधायी कार्यों के आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि आज सभी जनप्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सदनों में होने वाली बहस और चर्चा जनता के हित में हो तथा लोकतंत्र की गरिमा बढ़ाने वाली हो। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सदनों में देखता है तो उसे उम्मीद रहती है कि वे उसकी आवाज़ उठाएंगे और राष्ट्रहित में निर्णय लेंगे। वर्ष 2047 तक भारत की आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने पर आने वाले विज़न की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह समय सभी जनप्रतिनिधियों के लिए नई ऊर्जा और नए संकल्प का है। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना ही सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। और इसी विज़न के साथ सभी जनप्रतिनिधियों को देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

लड़की को गोद में बैठाकर लड़के ने दौड़ाई मोटरसाइकिल

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर स्थित रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के नौका विहार रोड का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक बाइक की टंकी पर लड़की को बैठाकर गाड़ी चला रहा है। युवती उससे लिपटी नजर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद गोरखपुर पुलिस ने बाइक का 2500 रुपये का चालान काटा है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को यूपी पुलिस के एक्स हैंडल को टैग करके एक रामग ?ताल थाना क्षेत्र के नौकायन का एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें एक युवक बाइक की टंकी पर एक ल ?की को बैठाया हुआ है। जो युवक से लिपटकर बैठी है। दोनों नौकायन रोड पर चलती बाइक पर लिपटे नजर आ रहे हैं। युवक ब ? आराम से बाइक चला रहा है। जबकि बाइक की टंकी पर बैठी ल ?की युवक से लिपटी हुई नजर आ रही है। वे दोनों एक दूसरे को देखकर हंसी मजाक भी कर रहे हैं। जबकि स ?क किनारे उन्हें देख रहे लोगों की जरा भी चिंता नहीं है। सड़क किनारे खड़े लोग ताल किनारे लगे रेलिंग पर ख ? होकर नजारा देख रहे हैं। जब बाइक उधर से गुजर रही है, तब सबकी नजर उस पर टिक जा रही है। लोग गर्दन घुमाकर बाइक सवार ल ?के और ल ?की को देख रहे हैं। एक्स पर वीडियो शेयर होते ही यूपी पुलिस ने गोरखपुर पुलिस को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। इसके बाद गोरखपुर पुलिस ने उस बाइक का 2500 रुपये का चालान कर दिया।

पांच हजार खूंखार कुत्तों को 6 हफ्ते में पकड़ना बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। कोर्ट ने सामान्य या स्वस्थ कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम में कैद करने के बजाय उनकी नसबंदी और टीकाकरण के बाद छोड़ने के निर्देश दिए। 11 अगस्त के आदेश में 8 हफ्ते में 5000 ऐसे कुत्तों को पकड़ने के आदेश में कोई परिवर्तन नहीं किया है। इस समय सीमा के दो सप्ताह बीत चुके हैं। ऐसे में एमसीडी के पास आदेश का क्रियान्वयन करने के लिए महज छह सप्ताह ही बचे हैं। इस चुनौती से पार पाना एमसीडी के लिए बेहद कठिन इम्तिहान साबित होगा। एमसीडी के अधिकारियों का कहना है कि इस आदेश के बाद रणनीति बदलनी पड़ी है। उसके पास खूंखार, आक्रामक और बीमार कुत्तों के बारे में रोजाना करीब 100 शिकायतें मिल रही हैं। हालांकि परेशानी यह है कि इनमें से कई शिकायतें बार-बार उन्हीं कुत्तों को लेकर आती हैं। यानी अलग-अलग जगह से नए-नए खूंखार कुत्तों का डेटा जुटाना कठिन हो जाएगा। इस वजह से 5000 की संख्या पूरी करना उनके लिए आसान नहीं है। एमसीडी ने अब वार्डवार विशेष टीमें बनाने का निर्णय लिया है। ये टीमें न सिर्फ शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करेंगी बल्कि अपने स्तर पर भी इलाके में सक्रिय कुत्तों का पता लगाकर उन्हें पकड़ेंगी। फोकस उन इलाकों पर रहेगा जहां से सबसे ज्यादा शिकायतें आ रही हैं। एमसीडी ने छह सप्ताह का एक खाका तैयार किया है। इसके तहत प्रत्येक वार्ड टीम को दैनिक लक्ष्य दिया जाएगा और उनकी प्रगति पर मुख्यालय नजर रखेगा। स्थानीय स्तर पर मोहल्ला समिति, आरडब्ल्यूए और एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय भी बढ़ाया जाएगा, ताकि शिकायतों की पुष्टि तुरंत हो सके और कार्रवाई में देरी न हो। एमसीडी के सामने चुनौती संख्या की नहीं, बल्कि प्रक्रिया की भी है। एक ओर नागरिक लगातार कुत्तों के हमलों से परेशान हैं, दूसरी ओर कोर्ट के आदेश के कारण एमसीडी को सीमित दायरे में ही कार्रवाई करनी है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि एमसीडी अपनी योजना को जमीनी स्तर पर किस तरह उतारती है। एमसीडी के अनुसार, उसके पास 750 कुत्ते हैं। इनमें से 100 कुत्तों को खतरनाक श्रेणी में रखा गया है और इन्हें शेल्टर में ही रखा जाएगा। बाकी 650 की नसबंदी हो चुकी है और इन्हें उनके पुराने इलाकों में वापस छोड़ा जाएगा। उन्हें खाना उपलब्ध कराने का स्थान रिहायशी इलाकों से कुछ दूरी पर बनाया जाएगा। राजधानी की सड़कों पर खुले घूम रहे लावारिस कुत्तों के मामलों में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का आदेश आते ही एमसीडी ने तुरंत नई रणनीति तैयार कर ली है। अब एमसीडी पहले उन कुत्तों को पकड़ेगा, जिन्हें लोग खूंखार, आक्रामक या बीमार मानकर शिकायत करते हैं। सामान्य लावारिस कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी करने का काम बाद में किया जाएगा। इन कुत्तों को उनके इलाके में ही छोड़ दिया जाएगा। उन्हें खाना उपलब्ध कराने के स्थान चिह्नित किए जाएंगे। इन कुत्तों को शेल्टर में रखा जाएगा। इसके लिए एमसीडी ने खाली परिसरों को चिन्हित कर लिया है और वहां जल्द शेल्टर बनाने का काम शुरू होगा।

निजी अस्पताल ईडब्ल्यूएस मरीज को जांच के लिए रहा भटका

नई दिल्ली। एक नामी निजी अस्पताल ईडब्ल्यूएस मरीज को जांच के लिए भटका रहा है। मरीज वैरिकोज वेंस नाम की बीमारी से जूझ रहा है। जिसकी सर्जरी होनी है। मगर, सीटी स्कैन और डॉपलर टेस्ट न होने से मरीज की सर्जरी अधर में लटक गई है। शास्त्री पार्क इलाके में रहने वाले राहुल जैन ने बताया, उनका पटपड़गंज स्थिति एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पहले तो अस्पताल में उपचार के लिए उन्हें परेशान होना पड़ा। अब जांच के लिए भटकाया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टर ने सीटी स्कैन और डॉपलर टेस्ट की सलाह दी है। इसके लिए 14 अगस्त को बुलाया गया था। जांच के लिए पर्चा भी जमा हो गया। एक सप्ताह बाद मैसेज मिला की जांच अब डेढ़ माह बाद अक्तूबर में होगी। पैरों में असहनीय दर्द है। जिसके कारण मेरा चलना-फिरना भी दूभर हो गया है। अस्पताल के डॉक्टर का कहना है कि जांच होने के तुरंत बाद सर्जरी हो जाएगी। मगर, अब अस्पताल जांच की तारीख के नाम पर भटका रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट फ्री बेड इंस्पेकशन कमेटी के सदस्य अशोक अग्रवाल ने कहा, उन्हें मरीज की तरफ से शिकायत प्राप्त हुई है। मरीज के उपचार के लिए प्रयास किया जा रहा है। यह मरीज के साथ भेदभाव है। साथ ही कोर्ट की अवमानना भी है। इस मामले में अस्पताल की जमीन को टेक ओवर ही नहीं बल्कि उसकी लीज को रद्द भी किया जा सकता है। अस्पताल ईडब्ल्यूएस मरीज की तुरंत जांच के लिए तारीख दें।

पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक ने मारी टक्कर, हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत; तीन गंभीर रूप से घायल

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र में पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ये लोग हरिद्वार से फरीदाबाद जा रहे थे। पुलिस आरोपी ट्रक चालक की तलाश में लगी है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कार सवार फरीदाबाद के खेड़ीपुर गांव निवासी लोकेश, छांयसा निवासी गौतम, हरविंदर, कुलदीप, कोसी कला के सुरवारी गांव निवासी गौरव और ललित हरिद्वार से फरीदाबाद लौट रहे थे। वह दादरी कोतवाली क्षेत्र में पहुंचे तो उनकी कार और ट्रक की टक्कर हो गई। कार को लोकेश चला रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन व हाइड्रा की मदद से कार को काटकर लोगों को बाहर निकाला। कार चालक लोकेश, गौरव और गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। हरविंदर, कुलदीप और ललित गंभीर रूप से घायल हो गए। लोकेश कैब चलाता था। गौरव आइसक्रीम कंपनी में और गौतम निजी कंपनी में नौकरी करता था। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने ट्रक और कार को कब्जे में ले लिया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश में लगी है।

NAME CHANGE
I, MANPREET D/O AJIT SINGH R/o H.NO. C-198, Bhagwati Vihar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to MANPREET KAUR permanently

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Satyanat Bhatt S/o Mr. Kamla Kar Bhatt is the owner of Freehold Residential Vacant Plot of Land area measuring 38.00 Sq. Yds. i.e. 31.768 Sq. Mtrs., out of Khasra no. 531, Situated in Village Chajjarsi Pargana & Tehsil Dadri Gautam Budh Nagar U.P. by virtue of Regd. GPA Blood Relation Dated 09.03.2022 As Doc no. 3031, Book no. 4, Vol no. 1922, on Page no. 35-52, on dated 09.03.2022 Sr. V Ghaziabad., in the chain Document below mentioned document not available i.e. Surviving Member Certificate of Late Mrs. Kiran Bhatt W/o Mr. K.K. Bhatt now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mrs. Manju Yadav & Mr. Vijay Kumar Yadav and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, KAUSHAL DEVI D/o PANNA LAL W/o Late LALIT MOHAN, R/o 68, Village Ghondli, Krishna Nagar, East Delhi, Delhi - 110051 have changed the name of my minor Son SARTHAK GAUTAM aged 13 years and he shall hereafter be known as SARTHAK SINGH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PANNA LAL S/o VIDDURAM, R/o C - 123, C - Block, Mangol Puri, Mangolpuri N Block, Dist: North West Delhi, Delhi-110083, declare that name of my Father has been wrongly written as BUDHU LAL in my PAN Card No. AYJPL 0091M. The actual name of my Father is VIDDURAM respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I HARINDER DAS S/o BITTAN DAS R/o E-255, Sahid Sukhdev Nagar, Wazir pur Indl Area, Ashok Vihar, North West Delh, Delhi – 110052 declare that the name of mine has been wrongly written as HARINAND DAS in my minor son namely RAHUL KUMAR aged 15 years in his school record. The actual name of mine is HARINDER DAS which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, T. SIVANRAJ S/O THANGAYAN Permanent R/o 27A, Ganth Nagar, Annimangalam Ariyalur, Annimangalam, Ariyalur, Aranmanaikurichi, Tamilnadu. 621851 and Present R/o Qtr No. P-40/02, New More Line CO's Pool Delhi Cantt - 110010 have change the name of my minor son S DHARMESHWARAN aged 03 years and he shall hereafter be known as S DHARMESH.

NAME CHANGE
I, RAJESH RAJ S/O KEDAR LAL residing at C-899 A, KH NO- 19/12, SANGAM VIHAR, KHANPUR, DELHI-110062 . have changed my name to RAJESH for all future purposes

NAME CHANGE
I, U.S CHAUHAN S/O RAMJEET CHAUHAN R/o H NO-1148, GALI NO-12, A-BLOCK, MAHIPALPUR, NEW DELHI-110037 have changed my name from U.S CHAUHAN to UGRASEN CHAUHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I MD SHAHID S/O MD JAHID R/O F-3/385 STREET NO 4 SANGAM VIHAR DEOLI PO PUSHPA BHAWAN DIST SOUTH DELHI-110062 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAHID

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Jhageer S/o Mohd Amirul R/o B-363, Indira kalyan Vihar, Okhla Industrial Area Phase-I, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi-110020 declare that name of mine has been wrongly written as Mohd Jahangir in my minor daughter Jaismine aged 13 years in her School Records. The actual name of mine is Jhageer.

NAME CHANGE
I, ZAMEER AHMED C/O SABBIR AHMED RESIDENT OF HOUSE NO.E. 330, GROUND FLOOR, BLOCK-E, JAITPUR, EXTN. PART-2, NEAR ALSHIFA POLY CLINIC, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 Have changed my name from ZAMIR to ZAMEER AHMED for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I BRIJ PAL S/O SOHAN LAL R/O B-24, T-CAMP BLOCK NO-B, KHICHDI PUR, EAST DELHI, DELHI-110091 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as BHOOMI in my daughter namely BHUMI aged 15 yeas in her school record. The actual name of my minor daughter is BHUMI which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I MOHD SHAKIL QURESHI S/O ABDUL HAMEED R/O H NO 6648 CHOWK AHATA KIDARA BARA HINDU RAO DELHI SADAR BAZAR DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHAKEEL QURESHI

NAME CHANGE
I ANWAR SADDIKI S/O KHALIQ AHMED R/O 289 BASTI KHWAJA MIR DARD TAGORE ROAD ZAKIR HUSSAIN COLLEGE DARYA GANJ 110002 HAVE CHANGE MY NAME TO ANWAR SADDIQ

NAME CHANGE
I FRIZIA ANWAR W/O ANWAR SADDIQ R/O 289 BASTI KHWAJA MIR DARD TAGORE ROAD ZAKIR HUSSAIN COLLEGE DARYA GANJ 110002 HAVE CHANGE MY NAME TO FAIZIYA SULTANA

NAME CHANGE
I, Pinki Sakalani W/O Deepu Prasad Sakalani R/O House No G-3562,Ram Park Vistar , Ilachipur , Loni , Haqiqatpur Urf Khudawas Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Pinki Saklani

NAME CHANGE
I, Pappu S/O Yameen R/O House No - 254, Rataul, Baghpat, Uttar Predesh 250101 Have changed my name to Ahmed Yameen Kareemuddin for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/O MURARI LAL AGGARWAL R/O WZ-3074/A F/F, MAHINDRA PARK SHAKUR BASTI NEW DELHI-110034,HAVE CHANGED MY NAME TO SUNIL KUMAR AGGARWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

नाम परिवर्तन
मैं साक्षी पत्नी आर्मी नंबर -15722830P, पद-लोकल हवलदार नाम-सुनील कुमार सिंह निवासी-विलेज-नई, पोस्ट -बिच्छी, तहसील - रॉबर्ट्सगंज , जिला-सोनभद्र, उत्तर प्रदेश - 231216, मैंने अपना नाम साक्षी से बदलकर साक्षी कुमारी कर लिया है, जो मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में है। भविष्य में मुझे साक्षी कुमारी के नाम से जाना जाये। दिल्ली के दिनांक-19/08/2025 के शपथ पत्र के माध्यम से।

NAME CHANGE
It is for general information that I, POORVA D/O SHEEL KUMAR R/O F-201 A, MANGAL BAZAAR, LAXMI NAGAR, SHAKAR PUR BARAMAD, SHAKARPUR, EAST DELHI, DELHI-110092, declare that name of my mother has been wrongly written as SANDHYA in my 10th and 12th class educational documents . The actual name of my mother is JOLLY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANITA GOSWAMI alias SUSHILA SHARMA D/O MOHINDER KUMAR SHARMA W/O KAILASH CHANDER GOSAWAMI R/O FLAT NO-201, TOWER-B, RAMA HEIGHTS, RAJ NAGAR EXTENSION, NEAR INDIAN OIL PETROL PUMP, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201017 have changed my name and shall hereafter be known as SUSHILA SHARMA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD IQBAL S/O SABBIR R/O 1818/5A, NEAR BILAL MAZID, ANAR KOTHI SOHAN GANJ SUBZI MANDI, MALKA GANJ S.O, NORTH DELHI, DELHI-110007 declare that name of mine has been wrongly written as IQBAL in my DRIVING LICENCE-DL01 19870048062. The actual name of mine is MOHD IQBAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NARENDER KUMAR KANTHWAL S/O KASHMIR SINGH R/O E-163, CHATTARPUR EXTENSION CHATTARPUR SOUTH DELHI, DELHI-110074, have changed my name and shall hereafter be known as NARENDER KANTHWAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KULDEEP Alias KULDEEP alias SHAYAM LAL S/O RAM KUMAR R/O J-23, SHAKUR PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110034, have changed my name and shall hereafter be known as KULDEEP.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD IRFAN S/o NOOR MOHAMMAD R/o H.No. C-38, Street No. 6, Jyoti Colony, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine has been wrongly written as MD IRFAN in my minor daughter namely TAMANNA KHAN aged 15 years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLR10165410 and name of my wife has been wrongly written as FARIDA in her School Records. The actual name of mine and my wife are MOHD IRFAN and FARIDA BEGUM respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD IRFAN S/o NOOR MOHAMMAD R/o H.No. C-38, Street No. 6, Jyoti Colony, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine has been wrongly written as MD IRFAN in my minor daughter namely TANZEELA KHAN aged 13 years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0111-004975955, and name of my wife has been wrongly written as FARIDA in her School Records. The actual name of mine and my wife are MOHD IRFAN and FARIDA BEGUM respectively.

NAME CHANGE
I, YASEEN S/O MEHBOOB resident of H NO-O-32, O-BLOCK, GALI NO-1, SUNDER NAGRI, DELHI-110093. have changed my name to MOHD YASEEN for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
"Be it known that my client Mrs. URMILA W/O SH. RAJENDAR AND SH. RAJENDAR S/O LATE DAYA RAM, BOTH R/O H No-Q-223, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059., have all relations with disowned/debarred and severed their all relations with their real son namely SH. MAHENDRA KUMAR aged about 29 Years and his wife SMT. KAJAL aged about 27 years and his children KARTIK aged about 2 years, from all their moveable and immoveable properties/assets and have cancelled all their relations from him in future as they are continuously harassing, torturing, abusing and quarreling with my clients and are completely out of their control. If anyone deals with them shall be doing at his/her own costs and risks and my client shall not held responsible of any kind of their acts and deeds.
(Juber Ahmad) Advocate
R-3/130, MOHAN GARDEN, NEW DELHI-110059.
Contact No:-9868573064

NAME CHANGE
I, No. 4096089L Rank-NK Name-GIRISH SINGH legal father RISHBHA SINGH RANA Residing at-VPO-GAIRI RAJPUTON KI, TEHSIL-PARTAP NAGAR, DISTT-TIHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249196, have changed my minor son's name from RISHBHA SINGH RANA to RISHAV SINGH RANA for all future purposes vide affidavit dated 25/08/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MAHESHWARI N Wife of No.16114740X Rank-HAV Name-MAILVANA M Residing at H. No.-220/7, KAVASAMPATTU ROAD, VILL-SEETHARAMANPET, POST & TEHSIL-K V KUPPAM, DISTT-VELLORE, TAMIL NADU-632201, have changed my name from MAHESHWARI N to MAHESWARI N for all future purposes vide Affidavit dated 25/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD TAHIR S/O MOHD RASHEED R/O H.NO.D-3A PART PLOT NO.3, DDA COLONY, NEW JAFRABAD, DELHI-110032, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD TAHIR ANSARI PERMANENTLY

NAME CHANGE
I, Vanshika W/O Raghav Sharma R/O H NO H-75, Upper ground Floor, Jagat Puri Street No-18 Krishna Nagar, Shahdara Delhi-110051 Have changed my name to Vanshika Saxena for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 13768611A Rank-HAV Name-SURESH KUMAR residing at-KOTLI, BHARGAON (29) MANDI, HIMACHAL PRADESH-175003, have changed my mother's name from HIMANCHALI DEVI to MANCHLI DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 28/03/1957 instead of her correct date of birth as 29/04/1966 vide Affidavit dated 25/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 13768611A Rank-HAV Name-SURESH KUMAR residing at-KOTLI, BHARGAON (29) MANDI, HIMACHAL PRADESH-175003, in my service records my father's (DINA NATH) date of birth wrongly mentioned as 28/03/1952 instead of his correct date of birth as 18/02/1961 vide Affidavit dated 25/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SACHIN JAIN S/o NARENDRA JAIN R/o F-10/25, Krishna Nagar, Krishna Nagar, PO: Kirhma Nagar, Dist East Delhi, Delhi-110051 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as PEEHU JAIN in my minor daughter namely AAROHI JAIN aged 13 years in her School Record. The actual name of my minor daughter is AAROHI JAIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GURPREET SINGH S/o JANAM SINGH R/o F-2/14, Sangam Vihar, Deoli, South Delhi, Delhi-110062, declare that name of my mother has been wrongly written as WEYANTA KAUR in my 10th and 12th educational documents. The actual name of my mother is BAYANT KAUR which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जानकारी हेतु यह है कि मैं, अरुण कुमार तिवारी, S/O पशुपति, निवासी एन-343, जे.जे. कॉलोनी, रघुबीर नगर, टैगोर गार्डन, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110027 घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे, मेरी पत्नी और मेरे नाबालिग पुत्र का नाम मेरे नाबालिग पुत्र वैभव तिवारी, उम्र 14 वर्ष, के स्कूल रिकॉर्ड में गलती से अरुण तिवारी, सुनीता देवी और वैभव लिख दिया गया है। मेरा, मेरी पत्नी और मेरे नाबालिग पुत्र का वास्तविक नाम अरुण कुमार तिवारी, सुनीता तिवारी और वैभव तिवारी है।

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client Mrs. Richa Nanda D/o Late Shri Satya Paul R/o Farm No. 7, OSHO Drive, Gadai Pur, South Delhi, Mehrauli Delhi-110030. who is the owner of Residential Apartment Bearing No. C-102 located on First Floor, Block-C, having a super area of 1813 Sq. Ft. Group housing called Park View City-1, Sector-48, Gurugram Haryana (hereinafter referred as property) and has lost Original Letter of Allotment dated 25.11.2005, Letter of Handing Over Possession dated 17.07.2008, Buyer's Agreement dated 24.11.2005, and 14 Payments Receipts in name of Mrs. Richa Nanda, in relation to the above property. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed. In case no response is received in 15 days, then it shall be assumed there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object.
DR. RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/43, Dilshad Colony, Delhi- 110095,
011-4587 5065
rlegaloan@gmail.com

NAME CHANGE
I, Indrani Mitra D/O Indrajit Mitra W/O Bodhisattwa Chatterjee R/O House no-2607 Sector-D Pocket-2 gate no-3, Vasant Kunj South West Delhi 110070 have changed my name to Indrani Chatterjee for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Radheshyam S/O RAM SHANKER, R/O B-604, SS PUBLIC SCHOOL, SANGAM VIHAR, Sangam Vihar, AIR FORCE STATION, Air Force Station Tugalkabad, South Delhi, Delhi-110062, declare that name of mine has been wrongly written as Radheishyam in my minor daughter namely Muskan Sharma aged 16 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is Radheshyam, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jagvir Singh S/O Harbansh Singh, R/O 41 A, Extn 1-C, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041,declare that name of mine and my father has been wrongly written as Jagbir Singh and Harbans Singh in my Pan card no ARZPS5766R.The actual name of mine and my father are JAGVIR SINGH AND HARBANSH SINGH which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, MADDURI SAMARA VENI Wife of No. 15420174F Rank-HAV Name-MADDURI SATHISH Presently residing at Q NO-350, 3rd ZONE, NEAR PALACHETTU, CHURCH FRONT LINE, PO-MANDAMARRI, DIST-MANCHERIAL, TELANGANA-504231, have changed my name from MADDURI SAMARA VENI to MADDURI SAMARAVENI for all future purposes vide Affidavit dated 25/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
ADITYA KUMAR SINGH F/O JAGLAL SINGH R/O E 1074 UPPER GROUND FLOOR PALAM EXTENSION SECTOR -7 DWARKA NEW DELHI 110077 I have changed my name to ADITYA SINGH Permanently

NAME CHANGE
I, TARUN KUMAR S/O SURENDER KUMAR R/O 642/11/7, DHANKO KA MAHOLPA, OPPOSITE MIANWALI COLONY, MAIN GATE, SUBHASH NAGAR, GURGAON HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME TO TARUN KUMAR VERMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Gaurav Sejwal S/o Late Mr. Kavinder Singh is the owner of Freehold Residential Built-up Entire Western Wing Upper Ground Floor (bearing Pvt. No. A-1) First Floor (bearing Pvt. No. B-1) and Second Floor (bearing Pvt. No.C-1) Third Floor (bearing Pvt. No. D-1) with its roof/ rights erected on Plot of Land area measuring 105 Sq. yds. Out of total area measuring 210 Sq. Yds. Built-on Plot No.98 Part of Khasra No.230 min, Situated within the extended Abadi of Village Bamnoli, New Delhi. by virtue of Sale Deed dated 03.07.2025, Vide Doc No.2025/16/I/8988, Book No.1, Volume No.15211, on Page Nos.81-100, Registered on 03.07.2025, in S.R-IX Delhi. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Third Floor (bearing Pvt. No. D-1) with its roof/ rights Sold too be Mrs. Grishika and same has been financed by AAVAS FINANCIERS LIMITED Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I SHAKEEL S/o MOHD FARID R/o 5 Nursari Masjid, LNJP Complex, Darya Ganj, LNJP Hospital, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi - 110002, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MOHD SHAKIL and AYSHA in my minor Daughter namely AREEBA aged 16 Years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLR0911 6496. The actual name of mine and my wife are SHAKEEL and SAJIDA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHAKEEL S/o MOHD FARID R/o 5 Nursari Masjid, LNJP Complex, Darya Ganj, LNJP Hospital, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi - 110002, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SHAKIL and AYESHA in my minor Son namely ABDULLAH aged 14 Years in his Birth Certificate Registration No. MCDOLIR - 0111- 004 961 004. The actual name of mine and my wife are SHAKEEL and SAJIDA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHAKEEL S/o MOHD FARID R/o 5 Nursari Masjid, LNJP Complex, Darya Ganj, LNJP Hospital, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi - 110002, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SHAKIL and AYESHA in my minor Daughter namely FARHEEN aged 14 Years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR -0111-004 961 016. The actual name of mine and my wife are SHAKEEL and SAJIDA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHAMMAD MEHTAB S/o NAZAR MOHD R/o 1083, Main Road Kamra Bangas, Delhi, Darya Ganj, NCT of Delhi - 110006, declare that name of mine has been wrongly written as MEHTAB KHAN in my minor son namely MOHD UBAID aged 14 Years in his School Record and name of mine and my minor son has been wrongly written as MEHTAB KHAN and UBAID KHAN in his Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0113-005876836. The actual name of mine and my minor son are MOHAMMAD MEHTAB and MOHD UBAID, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KAMLA PATI JOSHI S/O VASU DEV JOSHI R/O HOUSE NO-64, PLOT NO OLD PLOT NO-9, VIJAY VIHAR PHASE-2, GROUND FLOOR, BLOCK-C, ROHINI, PO: ROHINI SECTOR-7, DIST: NORTH WEST DELHI, DELHI-110085, have changed the name of my minor son DEEPANSHU aged 15 years and he shall hereafter be known as DEEPANSHU JOSHI.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल समीना खातून पत्नी नन्हे हसन निवासी बी-125 कंचन कुंज, मदनपुर खादर एक्सटेंशन, पार्ट-2, सरिता विहार, नई दिल्ली -110076, अपने बेटे वसीम उसकी पत्नी तराना खातून एवं उनके पुत्र को दिसंबर 2024 से अपनी सभी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हैं, तथा संबंध विच्छेद करती हैं। यदि कोई भी इन दोनों के साथ लेनदेन केस मुकदमा अन्यथा किसी प्रकार का कोई भी घटना होती है, तो वो दोनों स्वयं ही जिम्मेदार होंगे, तथा मेरे मुवक्किल समीना खातून एवं उनके पति नन्हे हसन किसी भी प्रकार से जिम्मेवार नहीं होंगे।
NIRAJA SINGH Advocate
Chamber No. 505 Saket Court DELHI

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि सुश्री अनु, श्री केतन कुमार शाह से संपत्ति क्रय करना चाहती हैं, जो संपत्ति संख्या 7/13, क्षेत्रफल 496 वर्ग मीटर, सेक्टर-2, टी.एच.ए., राजेन्द्र नगर नामक आवासीय कॉलोनी, साहिबाबाद, तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल आवंटी श्री वकील चंद जैन थे, जिन्हें गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा 29.01.1982 को निष्पादित लीज़ डीड के आधार पर यह संपत्ति आवंटित की गई थी। तत्पश्चात, श्री वकील चंद जैन ने उक्त संपत्ति को 17.12.1987 को ट्रांसफ़र डीड (लीज़होल्ड अधिकार) के माध्यम से श्री सतीश कुमार को हस्तांतरित किया। उसके बाद, श्री सतीश कुमार ने 29.12.1990 को ट्रांसफ़र डीड (लीज़होल्ड अधिकार) द्वारा उक्त संपत्ति श्रीमती चन्द्रिका शाह को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती चन्द्रिका शाह ने 15.11.1991 को ट्रांसफ़र डीड (लीज़होल्ड अधिकार) के माध्यम से यह संपत्ति श्री सुरेश चन्द्र शाह को हस्तांतरित की। इसके उपरांत, श्री सुरेश चन्द्र शाह ने 07.07.1998 को गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण से फ्रीहोल्ड डीड के माध्यम से उक्त संपत्ति को फ्रीहोल्ड में परिवर्तित किया। उन्होंने 09.04.2012 को पंजीकृत वसीयत के द्वारा उक्त संपत्ति श्री केतन कुमार शाह (उक्त संपत्ति के संबंध में) एवं डॉ. राजेश कुमार शाह (अन्य संपत्ति के संबंध में) के पक्ष में वसीयत की। दुर्भाग्यवश, श्री सुरेश चन्द्र शाह का निधन हो गया और उनके पीछे केवल दो वैधानिक वारिस — श्री केतन कुमार शाह एवं डॉ. राजेश कुमार शाह — रह गए, जैसा कि 21.03.2016 को जारी उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र में दर्ज है। तत्पश्चात, 03.05.2025 को गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण के अभिलेखों में श्री केतन कुमार शाह का नाम म्यूटेशन प्रमाण पत्र के माध्यम से दर्ज कर दिया गया। अतः, श्री केतन कुमार शाह अब उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं, और यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, ग्रहणाधिकार, शुल्क या दावों से मुक्त है। यह संपत्ति वर्तमान में आरबीएल बैंक, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश से वित्तपोषित की जा रही है।यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पलवल में खेल मंत्री गौरव गौतम की जनसुनवाई

पलवल। खेल राज्य मंत्री एवं पलवल विधायक गौरव गौतम ने अपने निजी आवास पर जनसुनवाई आयोजित की, जिसमें क्षेत्रवासियों ने खराब सड़कों, जलभराव और बिजली आपूर्ति जैसे मुद्दे उठाए। मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पलवल विधानसभा क्षेत्र की जनता को किसी भी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए वह स्वयं हर सप्ताह जनसुनवाई आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से जुड़ी किसी भी समस्या में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रशासन को चाहिए कि वह पूरी ईमानदारी से संवेदनशीलता से कार्य करे। जनसुनवाई में उपस्थित नागरिकों ने मंत्री की जनभागीदारी और सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से जनता को अपनी बात सीधे सरकार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है।

आर्य समाज संस्कार, राष्ट्रवाद और मानवता का जनक: सांसद जांगड़ा

सोनीपत। सोनीपत की काठ मंडी स्थित आर्य समाज का स्वर्ण जयंती समारोह बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर 50 वें स्थापना दिवस में समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। समारोह में राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती अच्छे संस्कारों की है। जिस व्यक्ति के जीवन में संस्कार नहीं हैं, वह न तो अपनी संस्कृति से जुड़ा रह पाता है और न ही राष्ट्रवाद एवं मानवता का समझ पाता है। उन्होंने कहा कि अच्छे संस्कारों के निर्माण में केवल आर्य समाज ही सक्षम है। महर्षि दयानंद सरस्वती के उपदेश और उनकी रचनाएं जीवन को सही दिशा देती हैं। जांगड़ा ने स्पष्ट कहा कि पाश्चात्य सभ्यता किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है, जबकि वैदिक संस्कृति को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। उन्होंने महर्षि दयानंद को भारत का पथप्रदर्शक बताते हुए कहा कि उनके कारण ही समाज पतन की ओर जाने से बच पाया। उन्होंने आर्य स्कूलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ वैदिक संस्कृति पर आधारित शिक्षा का समावेश ही आने वाली पीढ़ियों को सशक्त बनाएगा। समारोह की अध्यक्षता आर्य समाज के पूर्व प्रधान ज्ञानचंद आर्य और हिन्दी आंदोलन के सत्याग्रही वेदप्रकाश मलिक ने की।

दादी प्रकाशमणि की स्मृति में 76 रक्तदाताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं होता। जरूरतमंद मरीज की जान बचाने का एकमात्र साधन रक्तदान ही है। वे गांव नांगल कलां स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर प्रांगण में दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। इस शिविर में 76 लोगों ने रक्तदान कर दिवंगत दादी प्रकाशमणि को श्रद्धांजलि दी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया गया और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। मेयर ने कहा कि रक्तदान समाज सेवा का सर्वोत्तम रूप है। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों, ऑपरेशन से गुजर रहे लोगों तथा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए रक्त की उपलब्धता जीवनदान साबित होती है। यह जरूरत केवल नियमित रक्तदान से ही पूरी हो सकती है। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह में सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों से बचें, क्योंकि रक्तदान के बाद शरीर में कमजोरी नहीं आती, बल्कि रक्त पुनः बन जाता है। शिविर में सतीश भाई, पवन शर्मा, जोगेंद्र आंतिल, इंद्रपाल, बी के कशिका, बी के साक्षी, विजेंद्र, मनु, दीपक शर्मा, जयदीप, विजय नारंग और डॉक्टर भानुप्रताप शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुरुग्राम नगर निगम कार्यालय में चलाया गया विशेष सफाई अभियान

गुरुग्राम। स्वच्छता की दिशा में नगर निगम गुरुग्राम ने अपने सेक्टर-34 कार्यालय परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर निगमायुक्त प्रदीप दहिया एवं अतिरिक्त निगमायुक्त रविन्द्र यादव ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छ गुरुग्राम का संदेश दिया। अभियान के दौरान निगमायुक्त और अन्य अधिकारियों ने एमसीजी कार्यालय के विभिन्न हिस्सों की सफाई की और कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प दिलाया। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि साफ-सुथरे सार्वजनिक स्थल ही एक स्वच्छ शहर की पहचान होते हैं। स्वच्छता केवल एक सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। निगम की ओर से समय-समय पर विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़े और आमजन इसमें सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र अब स्वच्छता में बनेगा देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र अब स्वच्छता में देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनेगा। इस गीता स्थली को स्वच्छ बनाने के लिए 11 सप्ताह का एक मिशन निर्धारित किया गया है। इस मिशन के तहत 24 अगस्त से 7 नवंबर तक 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र-मेरा कुरुक्षेत्र-मेरा अभिमान' हर गली, हर कौने के साथ स्वच्छ हरियाणा की पहचान बनेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गीता ज्ञान संस्थानम, कुरुक्षेत्र में जिला प्रशासन की तरफ से 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र-मेरा कुरुक्षेत्र-मेरा अभिमान'कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, हरियाणा के पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने जिला प्रशासन की तरफ से 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र-मेरा कुरुक्षेत्र-मेरा अभिमान' पोस्टर का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के नागरिकों व अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई और विधिवत रूप से 24अगस्त से 7 नवंबर तक 11 सप्ताह के स्वच्छता मिशन का शंखनाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत कुरुक्षेत्र के हर गली, मोहल्ले को स्वच्छ बनाने के लिए एक जन आंदोलन चलाया जाएगा। इस मिशन को पूरा करने के लिए थानेसर नगर परिषद के 32 वार्डों में कमेटियों का गठन कर दिया गया है। इस मिशन को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने योजना तैयार कर ली है। सभी अधिकारी इस 11 सप्ताह में दिन रात एक करके कुरुक्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे ताकि कुरुक्षेत्र देश का सबसे स्वच्छ व सुंदर शहर बन सके। यह तभी संभव हो सकेगा जब कुरुक्षेत्र का प्रत्येक नागरिक स्वेच्छा के साथ सरकार और प्रशासन का सहयोग करेगा। जब सभी मिलकर स्वच्छता मिशन को आगे बढाएंगे तो निश्चित ही स्वच्छ कुरुक्षेत्र का मिशन सफल होगा।

हरियाणा के स्कूलों में विद्यार्थियों को 26 को खिलाई जाएंगी एलबेंडाजोल की गोलियां

एजेंसी

चंडीगढ़। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पहल पर एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत राजकीय व निजी स्कूलों में विद्यार्थियों को 26 अगस्त को एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाएंगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारी और मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) के तहत 1-19 वर्षों के सभी आयु वर्ग के बच्चों में एनीमिया को कम करने के लिए एलबेंडाजोल की गोलियां खिलानी अनिवार्य है। वर्ष में दो बार एडीडी दिवस के अंतर्गत बच्चों को गोलियां खिलाई जाती हैं, ताकि बच्चों के सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान को मजबूत किया जा सके। यह कार्यक्रम 26 अगस्त और 2 सितंबर को आयोजित होगा। निदेशालय की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि पहले चरण में 26 अगस्त को बच्चों को गोलियां खिलाई जाएंगी, जो बच्चे छूट जाएंगे उन्हें 2 सितंबर को यह दवाई दी जाएगी।

विद्यार्थियों को एलबेंडाजोल की गोलियां प्रदान की जाएंगी जो कि खाना खाने के बाद चबाकर खाई जानी हैं। अतः मिड डे मील बाकी दिनों की अपेक्षा एक घंटा पहले बनवाया जाना है। इसके अतिरिक्त विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को नंगे पैर न घूमने की सलाह भी दी जाए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विद्यालयों (राजकीय तथा प्राइवेट) को निर्देशित करें कि वे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों द्वारा इस दवाई का उपयोग करें।

कैबिनेट मंत्री ने सीवरेज पाइप लाइन कार्य का किया शिलान्यास

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि इलाके की जनता द्वारा दिया जनसमर्थन पांच साल तक जन सेवा और विकास के प्रति समर्पित रहेगा। नरवाना विधानसभा के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की एक-एक समस्या का समाधान होगा और भविष्य में क्षेत्र प्रगति की राह पर दौड़ता नजर आएगा। क्षेत्रवासियों के हितों की ईमानदारी से पैरवी तथा वकालत मेरी प्राथमिकता रहेगी। जनता द्वारा जताएं विश्वास पर खरा उतरूंगा और सच्चे जनप्रतिनिधि के फर्ज को पूरी निष्ठा के साथ निभाने की कोशिश करूंगा। तरक्की के मामले में नरवाना को प्रदेश के अन्य इलाकों से पीछे नहीं रहने दूंगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शहर की चमेला कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर चार करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से होने वाले सीवरेज पाइप लाइन के कार्य का शिलान्यास किया। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा बिछाई जाने

वाली 10 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन से चमेला कॉलोनी के अलावा सुभाष नगर, बड़बस्ती टोहाना रोड, लक्ष्मी नगर, शास्त्री नगर सहित वार्ड नंबर 14 व 15 की अन्य कॉलोनी के निवासियों को भी दुरुस्त सीवरेज व्यवस्था की सुविधा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि वार्ड नंबर 14 लक्ष्मी नगर में गलियों के निर्माण की भी जल्द ही शुरुआत होगी। इसके लिए विभाग द्वारा दो करोड़ रुपये का टेंडर किया गया है। उन्होंने शहर वासियों को विश्वास दिलाया कि सीवरेज, पेयजल, सड़क व गालियों जैसी शहर की एक-एक मुख्य समस्या का समाधान करवाया जाएगा। इसके लिए शहरवासी और नगर पार्षद आपसी तालमेल के साथ सहयोग दें। कैबिनेट मंत्री ने गत 17 अगस्त को मुख्यमंत्री की धन्यवाद रैली को सफल बनाने के लिए भी क्षेत्र वासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन से नरवाना में विकास के नए अध्याय की शुरुआत हो चुकी है। चमेला कॉलोनी सहित आधा दर्जन बस्तियों में बिछने वाली साढ़े चार करोड़ की सीवरेज पाइप लाइन रैली की बानगी है। कैबिनेट मंत्री ने यह भी कहा कि मौजूदा राज्य सरकार आमजन की सरकार है और सरकार द्वारा क्रियान्वित जनकल्याणकारी नीतियों का सभी वर्गों के लोगों को बराबर फायदा मिल रहा है।

कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले अपने शासन को याद करें : मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष के पास आज कोई ठोस मुद्दा नहीं है। जो लोग कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं, वे जानते हैं कि उनके शासनकाल में कानून-व्यवस्था का दिवालिया पिटा हुआ था। उस समय यदि किसी बेटी के साथ कोई घटना हो जाती थी तो एफआईआर तक भी दर्ज नहीं की जाती थी। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार के समय में पुलिस गति से काम कर रही है। यदि किसी व्यक्ति ने कोई अपराध किया है तो पुलिस उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री डबवाली में यूथ मैराथन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 27 अगस्त तक चलेगा, जिसमें विभिन्न विधेयक लाए जाएंगे और विधायी कार्य होंगे। विपक्ष की ओर से ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी दिए गए हैं, जिनका सरकार जवाब देगी। संसद में लाए गए विधेयक के संबंध में नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार का प्रयास है कि समाज में पारदर्शिता

आए और जनता को राजनीतिक दलों व नेताओं पर विश्वास हो। अन्यथा स्थिति यह हो जाती थी कि लोग जेल के भीतर से भी चुनाव जीत जाते हैं। इसी कारण केंद्र सरकार यह विधेयक लेकर आई है ताकि लोकतंत्र में पारदर्शिता और विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। डबवाली क्षेत्र में कालूआना खरीफ चैनल में घग्गर का पानी पहुंचाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे नहरों के रिमॉडलिंग का कार्य हो या पानी पहुंचाने की बात हो, सरकार इस संबंध में गति से कार्य कर रही है। पंजाब से पानी को लेकर कुछ दिक्कतें आई थी, जिसके बारे केंद्र सरकार को भी अवगत करवाया गया। केंद्र सरकार द्वारा अब तक दो बैठकें भी की गई हैं। निश्चित तौर पर इसका कोई न कोई समाधान अवश्य निकलेगा।

अगला अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 12-14 सितंबर को इंडोनेशिया में होगा: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले कई वर्षों से विदेशों में भी अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, इसी कड़ी में इस बार अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 12 से 14 सितंबर को इंडोनेशिया के बाली में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान संस्थानम् में आयोजित 'कृष्ण-कश्यप कुरुक्षेत्र तीर्थाटन-धर्मयात्रा' के अवसर पर प्रबुद्धजनों को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने की। मुख्यमंत्री ने गीता पूजन के साथ विधिवत रूप से समारोह की शुरुआत की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ अपनी समृद्ध संस्कृति को बचाने और बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है। इस दिशा में युवाओं को आगे लाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वह अपनी संस्कृति से जुड़ें और अपनी संस्कृति रीति-नीति को और

आगे लेकर जाएं। यह सम्मेलन कश्मीर की समृद्ध विरासत को संजोता है, जो भारत की आत्मा से जुड़ा है। कुरुक्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण ने गीता का अमर संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर ने कई विस्थापनों की पीड़ा झेली, फिर भी कश्मीरी हिंदुओं ने कर्म नहीं छोड़ा। 1990 में लाखों कश्मीरी हिंदू विस्थापित हुए, लेकिन उनकी विद्या और दृढ़ता ने उन्हें वैश्विक मंच पर स्थापित किया। यह उनके सामर्थ्य की ताकत को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीरी हिंदुओं की वेदना को समझा और विस्थापितों के लिए अभूतपूर्व योजनाएं बनाई । कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर और कुरुक्षेत्र का आध्यात्मिक संबंध भारतीय संस्कृति की एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 और धारा 35-ए हटाकर अखंड भारत का सपना पूरा किया, जिससे कश्मीरी महिलाओं को संपत्ति का अधिकार मिला।

करीब 2 लाख कश्मीरी हरियाणा में रह रहे हैं और विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। हरियाणा में विस्थापित कश्मीरी परिवारों के लिए शिक्षा में आरक्षण और हेरिटेज संरक्षण पर कार्य हो रहा है। उन्होंने कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा को इस आयोजन के लिए बधाई दी और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को नमन करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से गीता ज्ञान संस्थानम् पूरी दुनिया में गीता का संदेश फैला रहा है।

औद्योगिक कालोनियों को नियमित करेगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब आवासीय कालोनियों की तर्ज पर औद्योगिक कालोनियों को भी नियमित करने जा रही है। इसके लिए विधानसभा में हरियाणा नगरपालिका क्षेत्र से बाहर नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की कमी वाले क्षेत्रों के प्रबंधन के लिए संशोधन विधेयक 2025 पेश किया जाएगा। मानसून सत्र के लिए बिल को सूचीबद्ध कर दिया गया है। पिछले 10 साल के कार्यकाल में 2145 अनियमित कालोनियों को नियमित किया गया है, जबकि 684 अनियमित कालोनियां ऐसी हैं, जो शहरी निकाय क्षेत्रों से बाहर मौजूद थी, मगर उन्हें शहरी निकाय क्षेत्र मानकर नियमित करते हुए तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसी आधार पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने औद्योगिक अनाधिकृत कालोनियों को भी नियमित करने की प्रक्रिया चालू करने के आदेश अधिकारियों को दिए थे। एचएसआइआइडीसी के अधिकारियों ने पूरे राज्य में ऐसी अनधिकृत औद्योगिक कालोनियों का सर्वे कराया। हरियाणा सरकार द्वारा विधानसभा में लाए जा रहे इस बिल के पेश होते ही अनधिकृत औद्योगिक कालोनियों को सभी संबंधित विभागों द्वारा तब तक वैध कालोनियां मानकर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जब तक उन पर उद्यमियों के आवेदन पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता। इस बिल के तहत ऐसी सभी अनधिकृत औद्योगिक कालोनियां नियमित हो सकेंगी, जहां कम से कम 50 उद्यमी अपना कारोबार करते हैं और उनकी इकाइयों का क्षेत्रफल कम से कम 10 एकड़ तक है। अधिकतम संख्या कितनी भी हो सकती है। इन सभी उद्यमियों को सामूहिक रूप से राज्य सरकार के पोर्टल पर औद्योगिक अनियमित कालोनी को नियमित करने के लिए आवेदन करना होगा। मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए जाने वाले संशोधन विधेयक के मुताबिक हरियाणा सरकार ने जिस तरह से अवैध कालोनियों को नियमित किया था।

मुख्यमंत्री ने स्वयं दौड़ लगाकर युवाओं का बढ़ाया हौसला

सिरसा के डबवाली में यूथ मैराथन का आयोजन

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत सिरसा के डबवाली में यूथ मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन में भारी संख्या में क्षेत्र के नागरिकों विशेषकर युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं भी यूथ मैराथन में दौड़ लगाकर युवाओं को प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो समाज को खोखला करने के साथ-साथ हमारे भविष्य को भी निगल जाती है। मां-बाप के सपने बिखर जाते हैं। इसलिए नशे का जड़-मूल से नाश करने के लिए केंद्र व हरियाणा सरकार ने नशा मुक्त अभियान को जन आंदोलन बनाया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से फिट इंडिया मूवमेंट जैसा महत्वाकांक्षी अभियान चलाया गया है, वहीं हरियाणा में भी राहगिरी, साइक्लोथॉन, मैराथन तथा धाकड़ जैसे अनूठे कार्यक्रम शुरू करके नशे पर कड़ा प्रहार किया है।

हरियाणा उदय कार्यक्रम अब तक का सबसे बड़ा आउटरीच कार्यक्रम है। युवाओं के मानसिक व

शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए अब तक प्रदेश भर में 2482 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में 16 लाख 50 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की है। नशे के जड़ से खात्मे के लिए जिला रेंज और राज्य स्तर पर एंटी नारकोटिक्स सेल के माध्यम से बड़े नशा सप्लायरों पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नशे की जद में आ चुके युवाओं को नशे की लत से निजात दिलाने के लिए कई कार्यक्रम शुरु किए गए हैं। प्रदेश में 162 नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी नशा मुक्ति वार्ड स्थापित किए गए हैं, इसके अलावा 13 जिलों के नागरिक अस्पतालों में नशा मुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन सभी प्रयासों के फलस्वरूप अभी तक 3350 गांव और शहरों के 876 वार्ड को नशा मुक्त घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को ड्रग फ्री हरियाणा की शपथ भी दिलवाई। इस दौरान यूथ मैराथन में क्षेत्र के 35 से अधिक सरपंचों ने भी भागीदारी की और मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान देसी रॉक स्टार के नाम से मशहूर गायक एमडी तथा सुभाष फौजी ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे की बुराई के बारे में युवाओं को जागरूक किया। केएल थियेटर द्वारा नशा एक अभिशाप विषय पर नाटक की प्रस्तुति दी गई। इसी प्रकार से स्कूली बच्चों ने भी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने यूथ मैराथन के विजेताओं को मेडल, सर्टिफिकेट व चेक देकर सम्मानित किया। 21.1 किलोमीटर स्पर्धा के प्रथम विजेता को प्रथम पुरस्कार के रुप में 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

कांग्रेस 'वोट चोरी' के आरोप में हरियाणा में पैदल मार्च करेगी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अब वोट चोरी का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस ने हरियाणा में वोट चोरी के मुद्दे पर पैदल मार्च का ऐलान कर दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हालही में दिल्ली में एक पत्रकार वार्ता के दौरान देश के अन्य राज्यों की तरह हरियाणा में भी विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया गया था। राहुल ने कहा था कि 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आठ सीटों पर महज 22 हजार 779 वोट से पूरा प्रदेश हार गई। हरियाणा के एक विधानसभा क्षेत्र में एक लाख वोट बढ़ गए। ऐसे में आप सोच सकते हैं कि यहां कितना फर्जीवाड़ा हुआ। एक विधानसभा क्षेत्र में ही 12 से 15 प्रतिशत वोट बढ़ गए और यह वोट तब और अहमियत रखते हैं जब चुनाव में जीत-हार का अंतर दो से चार प्रतिशत के वोटों के बीच का हो। कांग्रेस की तरफ से जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान तथा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सभी विधायक विधानसभा की तरफ जाने वाले रास्ते के पहले चैक पोस्ट पर एकत्र होंगे।

गुरुग्राम में शुरू हुआ 11 सप्ताह का हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार के 11 सप्ताह के शहर स्वच्छता अभियान की शुरुआत गुरुग्राम से हुई। डीसी अजय कुमार के नेतृत्व में लघु सचिवालय परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह सात बजे आरंभ हुए इस कार्यक्रम में लघु सचिवालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। लगभग तीन घंटे तक चले इस अभियान के दौरान परिसर की सड़कों, पार्किंग स्थल और कार्यालय कक्षों की सफाई की गई तथा अनावश्यक सामान का निस्तारण किया गया। सभी विभागों ने अपने-अपने कार्यालयों को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान के दौरान डीसी अजय कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आज से 11 सप्ताह का हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान आरंभ किया गया है। जिसमें स्वच्छता संकल्प के तहत शहर के सौंदर्यीकरण के लिए जिला स्तरीय हितधारक बैठकें आयोजित की

जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सभी सरकारी/निजी कार्यालयों में सफाई अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके साथ साथ सभी सरकारी/निजी भवनों, पर्यटन और धार्मिक स्थलों की सफेदी और रंगाई का कार्य भी प्राथमिकता के साथ पूरा करवाया जाएगा। इसी तरह 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक प्रदेश भर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में देश भर में प्रोत्साहन प्राप्त कर चुकी भिवानी जिला के दुल्हेड़ी गांव की युवा स्वच्छता जन सेवा समिति ने भी इस श्रमदान कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। समिति से जुड़े पवन सैनी के नेतृत्व में लगभग 50 युवा सुबह से ही लघु सचिवालय परिसर में पहुंचे और सफाई अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हुए। डीसी अजय कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि इसे हमें अपनी आदत और जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 हुआ शुरू, हर मौहल्ला, हरी गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचान रखी थीम- डॉ. वैशाली शर्मा

करनाल। स्वच्छता को लेकर देशभर में हरियाणा प्रदेश की अलग पहचान बने, इसे लेकर प्रदेश सरकार की ओर से हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 शुरू किया गया है। यह अभियान 24 अगस्त से शुरू होकर 7 नवंबर 2025 यानि 11 सप्ताह तक चलेगा। अभियान की मुख्य थीम हर मौहल्ला, हरी गली, हर मकान-स्वच्छ हरियाणा की पहचान रखी गई है। इस अभियान में करनाल शहर प्रथम स्थान पर आए, इसे लेकर नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने निगम कार्यालय के सभागार में सफाई अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दरौगाओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर उचित दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा तथा जोन इंचार्ज मौजूद रहे।

यह रहेगी अभियान की रूपरेखा- बैठक में 11 सप्ताह तक चलने वाले अभियान की पावर पॉयट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से रूपरेखा बताई गई। इसमें 11 अलग-अलग थीम व प्रमुख गतिविधियां निर्धारित की गई है, जिन पर कार्य किए जाने हैं। इनमें स्वच्छता संकल्प, सार्वजनिक स्थान और बुनियादी ढांचा की साफ-सफाई व मरम्मत, जन भागीदारी और जागरूकता, हरा-भरा और स्वच्छ हरियाणा, जल निकायों की सफाई, सफाई मित्र सम्मान अभियान, स्वच्छ सडक़े-स्वस्थ भोजन व स्वच्छ बाजार अभियान, आवारा पशुओं को स्थानांतरित और सार्वजनिक स्वच्छता अभियान, स्वच्छता संदेश, स्वच्छता उत्सव अभियान तथा भव्य स्वच्छता पुरस्कार और मान्यता दिवस जैसी थीम निर्धारित की गई हैं। निगमायुक्त ने कहा कि 11 सप्ताह के अभियान में शहर के प्रत्येक सरकारी विभाग, कार्यालय, संस्थान व बैंक तथा निजी कार्यालय भी बढ़-चढ़ हिस्सा लें और अपने कार्यालय में विशेष सफाई अभियान चलाएं। इसके साथ-साथ सभी विभागाध्यक्ष अपने कार्यालय को जीरो वेस्ट कार्यालय बनाकर इसकी घोषणा करेंगे। उन्होंने जोन इंचार्ज व दरौगाओं को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र व बीट में गंदगी न दिखाई दे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। दरौगा अपनी बीट को मॉडल बीट बनाएं, जिसमें निगरानी के साथ-साथ नागरिकों में जागरूकता व उनका सहयोग लिया जाए।

सेबी ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में पब्लिक शेयरहोल्डर माना, सख्त शर्तें भी लगाईं

एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिली

नई दिल्ली।

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में अपनी बची हुई हिस्सेदारी के साथ पब्लिक शेयरहोल्डर के रूप में दोबारा शामिल होने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी बैंक के रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी गई है। आईडीबीआई बैंक ने इस संबंध में बीएसई को जानकारी दी है और बताया कि निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सेबी के इस फैसले की सूचना दी है। सेबी ने एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा एलआईसी को बैंक के मामलों में सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह का नियंत्रण रखने की अनुमति नहीं होगी। एलआईसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में न तो कोई प्रतिनिधि भेज सकेगी और न ही कोई नॉमिनी रख सकेगी। साथ ही एलआईसी को बैंक के साथ कोई विशेष अधिकार, जैसे शेयरहोल्डर समझौते या अन्य सुविधाएं, नहीं दी जाएंगी। यदि एलआईसी इन शर्तों का पालन नहीं करती है, तो उसका पब्लिक शेयरहोल्डर का

दर्जा समाप्त हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी शर्त लगाई है कि एलआईसी को अपनी बची हुई हिस्सेदारी दो साल के अंदर 15 फीसदी या उससे कम करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में लगभग 95 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, जिसमें से 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी गई है।

आईडीबीआई ञ्बैंक ने बताया है कि योग्य खरीदारों ने ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो सितंबर तक पूरी होने की संभावना है।

जीएसटी कटौती की अटकलों से वाहन बिक्री पर ब्रेक, त्योहारी सीजन पर संकट

- अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहन बुकिंग में 25 फीसदी तक गिरावट

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले वाहन उद्योग को झटका लगा है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहनों की बुकिंग और ग्राहक पूछताछ में लगभग 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डीलरों का कहना है कि जीएसटी दरों में संभावित कटौती के चलते ग्राहक फिलहाल अपनी खरीद टाल रहे हैं, जिससे बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के प्रतिनिधियों ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और जीएसटी को लेकर फैली अनिश्चितता के कारण व्यापार में आ रही सुस्ती पर चिंता जताई। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उन्होंने मंत्री से अपील की है कि सरकार जल्द स्थिति स्पष्ट करे, ताकि त्योहारी सीजन में डीलरों को भारी नुकसान न उठाना पड़े। इस बीच, बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां और डीलर 1.5 से 2 लाख रुपये तक की छूट और फाइनैंस ऑफर दे रहे हैं। टाटा मोटर्स जैसे ब्रांड ओणम बुकिंग पर विशेष लाभ दे रहे हैं। फिर भी डीलरों का कहना है कि गणेश चतुर्थी और ओणम सीजन का उत्साह फीका रहा, और कुछ स्थानों पर बिक्री 10-15 फीसदी तक घट गई है।

जीएसटी परिषद की बैठक 3 सितंबर को प्रस्तावित है। यदि दीवाली से पहले जीएसटी में कटौती लागू होती है, तो उद्योग को राहत मिल सकती है। हालांकि, तब तक अगस्त और सितंबर की बिक्री पर असर पड़ना तय माना जा रहा है।

एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

- कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली ।

बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की न्यूक्लियर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने ब्लूमवर्ग एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए। एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के

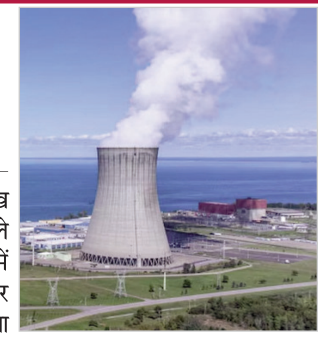

अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी स्थापित करने की योजना बना रहा है। परियोजना की पहली यूनिट 2031 तक चालू होने की उम्मीद है, जबकि पूरा प्लांट 2036 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए पिछले बजट में लगभग 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। एनटीपीसी कई बड़े तकनीकी और सेवा प्रदाताओं जैसे टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, रोसाटॉम और होल्टेक के साथ साझेदारी कर रहा है। वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,800 मेगावाट है, जिसे सरकार 2047 तक बढ़ाकर 200 गीगावाट करने का लक्ष्य रखती है। एनटीपीसी का यह कदम देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विकास का संकेत है और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

अमेरिका ने ली चिप कंपनी में 10 फीसदी हिस्सेदारी, 8.9 अरब डॉलर का किया निवेश

नई दिल्ली। अमेरिका सरकार ने टैरिफ के बीच एक बड़ी डील की है। यह डील दिग्गज चिप मेकर कंपनी इंटेल और यूएस सरकार के बीच हुई है। अमेरिकी सरकार ने संघर्षरत चिप निर्माता कंपनी इंटेल में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी ले ली है और इसमें 8.9 अरब डॉलर का निवेश किया है। यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप और इंटेल ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से की है। इस समझौते को लेकर ट्रंप ने कहा- इट्स ए ग्रेट डील।

बता दें इंटेल ने 2025 में 25,000 नौकरियों में कटौती की योजना बनाई है। जुलाई में नए सीईओ लिप-बू टैन ने चेतावनी दी थी कि अब कोई खाली चेक नहीं है। ट्रंप ने इस समझौते की घोषणा करते हुए ट्रुथ सोशल पर घोषणा पर लिखा- मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब इंटेल के 10 फीसदी हिस्से का पूर्ण स्वामित्व और नियंत्रण रखता है, जो एक महान अमेरिकी कंपनी है और जिसका भविष्य और भी शानदार है। इसमें टैक्स प्रेयर का कोई खर्च नहीं आया। उन्होंने लिखा- अमेरिका ने इन शेयरों के लिए कुछ भी भुगतान नहीं किया और अब इन शेयरों का मूल्य करीब 11 अरब डॉलर है। यह अमेरिका के लिए और इंटेल के लिए भी एक बड़ा सौदा है।

अमेरिकी सरकार को यह हिस्सेदारी पहले जारी किए गए 11.1 अरब डॉलर के फंड और गिरवी रखे गए शेयरों के ट्रांसफर के जरिए मिल रही है। कुल मिलाकर ट्रंप सरकार को 433.3 मिलियन गैर-वोटिंग शेयर मिल रहे हैं। इन शेयरों की कीमत जिनकी कीमत 20.47 डॉलर प्रति शेयर है। शुक्रवार को बाजार बंद भाव 24.80 डॉलर से कम है। अमेरिकी सरकार को पहले ही 1.9 अरब डॉलर का लाभ हो चुका है।

बता दें इस घटनाक्रम के कारण अमेरिकी सरकार इंटेल के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक बन गई है, जबकि सांता क्लारा, कैलिफोर्निया स्थित यह कंपनी विभिन्न सीईओ के कार्यकाल में वर्षों से चली आ रही गलतियों से उबरने के अपने नवीनतम प्रयास के तहत 25000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया में है।

अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिएः आरबीआई गवर्नर

- केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉरपोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए।

वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है।

इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा।

आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 87.56 पर बंद हुआ। सकारात्मक घरेलू संकेतों के बीच आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे मजबूत होकर 87.34 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 87.34 प्रति डॉलर पर आ गया। यह शुक्रवार के बंद भाव 87.52 से 18 पैसे की मजबूती दिखाता है। इस मजबूती का प्रमुख कारण घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंकों की बढ़त के साथ 81,592.47 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 91.25 अंकों की तेजी के साथ 24,961.35 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर सूचकांक भी 0.15 फीसदी बढ़कर 97.86 पर आ गया, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखी गई। ब्रेंट क्रूड 0.10 फीसदी चढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वुडनस्ट्रीट ने यू निकॉमर्स से मिलाया हाथ

मुंबई । वुडनस्ट्रीट ने अपने ऑर्डर और वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम को यू निकॉमर्स के प्रमुख प्लेटफॉर्म यू निवेयर के साथ इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह साझेदारी वुडनस्ट्रीट को ऑर्डर को नजदीकी वेयरहाउस में असाइन कर डिलीवरी समय और लागत को कम करने में मदद करेगी। यू निवेयर की मल्टी-पार्ट शिपमेंट सुविधा से एक ही ऑर्डर को कई शिपमेंट में बांटना संभव होगा, जिससे तेजी से डिलीवरी होगी। साथ ही यू निकॉमर्स का मार्केटप्लेस रिकंसिलिएशन टूल यू निरेको पेमेंट और रिटर्न प्रबंधन को ऑटोमेट करेगा, जिससे रेवेन्यू का सटीक ट्रैकिंग संभव होगा। वुडनस्ट्रीट के एक अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी उनकी ऑनलाइन ऑपरेशंस की दक्षता बढ़ाएगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, नया रिकॉर्ड 695.10 अरब डॉलर पर पहुंचा

- वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की वित्तीय स्थिरता में आई मजबूती

नई दिल्ली । अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.48 अरब डॉलर बढ़कर 695.10 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग और आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है। हालांकि इस सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 2.16 अरब डॉलर घटकर 585.90 अरब डॉलर रह गईं। इसके विपरीत विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 41 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.782 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 15 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.754 अरब डॉलर पर पहुंच गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में बताया कि वर्तमान भंडार देश के लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है, जो एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा का संकेत है। पिछले वर्ष 2024 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई थी, जबकि वर्ष 2025 में अब तक कुल 53 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। यह विदेशी निवेशकों के लिए विश्वास का संकेत है और रुपये को स्थिर रखने में सहायक है।

यूनिसन मेटल्स का बड़ा फैसला, शेयर होंगे 10 हिस्सों में

- स्टॉक स्प्लिट के जरिए यूनिसन मेटल्स निवेशकों को देगी अधिक लिक्विडिटी का लाभ

नई दिल्ली । आयरन और स्टील उत्पाद बनाने वाली कंपनी यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 10~1 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया है। कंपनी ने एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी। इस फैसले के तहत यूनिसन मेटल्स के 10 रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में विभाजित हो जाएंगे। यानी हर एक पुराने शेयर के बदले अब निवेशकों को दस नए शेयर मिलेंगे। कंपनी का यह फैसला शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने और छोटे निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से लिया गया है। गौरतलब है कि यूनिसन मेटल्स ने इससे पहले 2021 में बोनस शेयर भी जारी किए थे। उस समय निवेशकों को 1 के बदले 4 बोनस शेयर दिए गए थे। हालांकि, कंपनी ने अब तक कभी भी डिविडेंड का भुगतान नहीं किया है। सोमवार को बाजार खुलने पर यूनिसन मेटल्स के शेयर में हल्की तेजी देखी गई और यह 24.74 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा। साल 2025 में अब तक यह स्टॉक करीब 17 फीसदी गिर चुका है, जबकि पिछले एक वर्ष में भी इसमें 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले 5 वर्षों में स्टॉक ने 132 फीसदी रिटर्न दिया है, जो सेंसेक्स के 111.55 फीसदी से बेहतर है।

जून में कोयला आयात बढ़ा, घरेलू उत्पादन में गिरावट

- सरकार ने आपूर्ति सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

मुंबई । टाटा स्टील और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयुक्त उपक्रम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार जून 2025 में भारत का कोयला आयात बढ़कर 2.39 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष जून में 2.29 करोड़ टन था। इसमें गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 57.8 लाख टन रहा। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का कुल आयात 4.90 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.91 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 1.63 करोड़ टन हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 1.54 करोड़ टन था। दूसरी ओर, कोल इंडिया लिमिटेड का कोयला उत्पादन जून में 8.5 फीसदी घटकर 5.78 करोड़ टन रह गया, जबकि जून 2024 में यह 6.31 करोड़ टन था। हालांकि कंपनी ने उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया, लेकिन उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि **मानसून के कारण खदानों में कार्य बाधित होता है जिससे उत्पादन घटता है। इस स्थिति को देखते हुए कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि देश को कोयले की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र सहित सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

मुंबई।

अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी की शेयरों में भारी खरीदारी हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 492.21 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 81,799.06 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

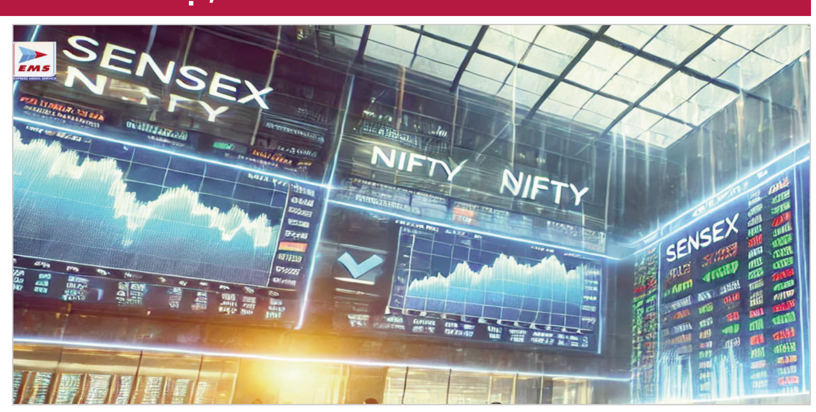

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.89 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट 1.88 प्रतिशत और एसएंडपी 500 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

फेड ब्याज दरों में कटौती का असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10 साल की ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई। अनुकूल वैश्विक धारणा से उत्साहित होकर आईटी सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे कहा कि उपभोग मांग को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू स्तर पर सकारात्मक रुख बना हुआ है। अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में काम आ सकता है।

सोने की चमक हुई फीकी, चांदी भी लुढ़की

- 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए, चांदी 1,16,002 प्रति किलो

नई दिल्ली।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक (यूएस फेड) की ओर से ब्याज दरों में कटौती के संकेत के बाद वैश्विक स्तर पर निवेश धारणा में बदलाव आया है। जहां एशियाई और भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है, वहीं सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाने वाले सोने और चांदी की मांग में गिरावट आई है। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत में 57 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अब 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए पर कारोबार कर रहा है, जबकि शुक्रवार को यह 1,00,384 रुपए पर था। इसके साथ ही इंडियन बुलियन एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को सोने का भाव 99,360 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। (एमसीएक्स) पर यह 1,16,002 प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जो शुक्रवार के 1,16,236 से 234 रुपए कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉलर-रुपया विनिमय दर, वैश्विक आर्थिक संकेत, आयात शुल्क, जीएसटी और घरेलू मांग जैसे कारक सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। भारत में त्योहारी और वैवाहिक सीजन में सोने की मांग बढ़ती है, जिससे कीमतें ऊपर जाती हैं। लेकिन फिलहाल बाजार में निवेशकों का रुझान इक्विटी जैसे जोखिम वाले निवेश की ओर बढ़ा है। अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता होने पर सोने को निवेश का सुरक्षित विकल्प माना जाता है, लेकिन जब बाजार स्थिर और मुनाफे की ओर होता है, तब लोग सोने से दूरी बना लेते हैं और यही मौजूदा गिरावट का मुख्य कारण माना जा रहा है।

त्योहारों से पहले फ्लिपकार्ट देगी 2.2 लाख नौकरियां

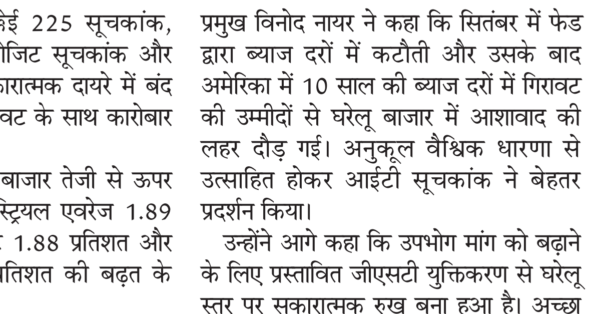

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी फ्लिपकार्ट ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर देशभर में 2.2 लाख से अधिक रोजगार देने की घोषणा की है। ये नौकरियां आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और अंतिम छोर तक डिलीवरी से जुड़ी होंगी। कंपनी का कहना है कि वह 28 राज्यों में भर्ती कर रही है और साथ ही छोटे व मझोले शहरों में 650 नए त्योहारी आपूर्ति केंद्र भी खोलेगी। इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करना और ग्राहकों को तेज़ व समय पर डिलीवरी देना है। फ्लिपकार्ट के इस कदम से स्थानीय युवाओं को रोजगार और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। इसके साथ ही ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा। यह घोषणा त्योहारों से पहले ई-कॉमर्स क्षेत्र में बड़ी हलचल का संकेत है।

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध? अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

यह महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदीझजेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है।

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और 'यह युद्ध का युग नहीं है' की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की 'शांत डिप्लोमेसी', जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

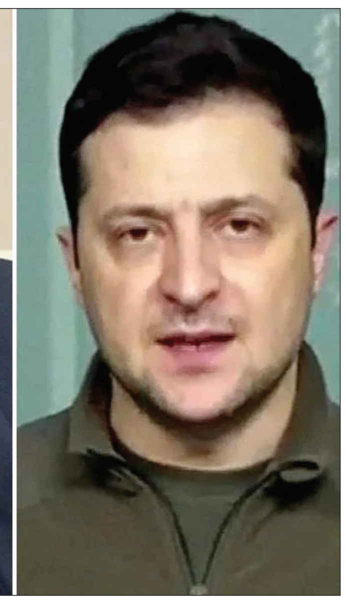

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्खियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक जमीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी 'विश्वसनीय संवाद' की संभावना को कमजोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरूआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार 'संवाद और कूटनीति' की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की 'Special and Privileged Strategic Partnership' दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने जेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे 'सच्चा मध्यस्थ' बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा जरूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की 'शांति संरचना' में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की 'लीडर-टू-लीडर' डिप्लोमेसी– चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या जेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक 'तटस्थ लेकिन प्रभावशाली' नेता के रूप में उभरे हैं। यदि जेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संपादकीय

दृढ़ता है जरूरी

देश मंत्री जयशंकर ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा, अमेरिका के साथ व्यापार बातचीत में अड़चन को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि आपको भारत से तेल या रिफाइंड़ उत्पाद खरीदने में दिक्कत है तो न खरीदें। यूक्रेन संघर्ष पर दिल्ली का रोख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा हम रूस-युक्रेन मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश नीति की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को याद दिलाया कि ओबामाकाल में वाशिंगटन ने चीन के साथ जी2 ढांचे का विचार पेश किया था। वह पहले भी स्पष्ट कह चुके हैं कि अमेरिका ही कह रहा है कि हम विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने हर संभव प्रयास करने चाहिए जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है।

चूंकि हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं इसलिए आपके (अमेरिका) तर्क से उलझन में हैं। भारत-रूस व्यापार पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ा है। 2021 में 13 बिलियन ड़ॉलर था, जो अब 2024-25 में बढ़ कर 68 बिलियन ड़ॉलर पहुंच चुका है जिसका बड़ा हिस्सा हाइड्रो कॉर्बन भी है। यह ट्रंप की आंख की किरकिरी बन रहा है। हालांकि भारत ने कूटनीतिक-आर्थिक बदलाव लाते हुए अपने सख्त तेवर दिखाए और अमेरिका के साथ ही यूरोपीय यूनियन की आलोचना करते हुए दोनों के रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर प्रक्रिया दी। भारत ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने को भी अविवेकपूर्ण ठहराया। विदेश मंत्री के तेवरों से स्पष्ट है कि सरकार अमेरिका की धमकियों के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इससे अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर उसे अपनी प्रतिष्ठा पर धब्बा लगता प्रतीत हो सकता है। रूसी आयात पर लगाम लगाने की बजाय भारत इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात व सऊदी अरब के साथ भी आयात विस्तार का विचार कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारत अमेरिका को घुड़की देने मात्र के लिए अपने निर्णय पर अड़ा है, बल्कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के प्रति दृढ़ संकल्प भी है। रूस से तेल खरीद के चलते देश को 2025 में ही 3.8 अरब ड़ॉलर की अतिरिक्त बचत हो चुकी है। ट्रंप के इस टैरिफ टैरर से अमेरिकी अर्थशा्त्रियों से लेकर राजनेता व विशेषज्ञ भी खासे नाराज हैं। वे मान रहे हैं, यह अमेरिका के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकता है। भारत सरकार ने विचारपूर्ण तरीके से ही अपना रुख सख्त रखा है। वह अब किसी दबाव के आगे नतमस्तक होते नहीं नजर आना चाहती।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया।

मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दा: नेताओं पर कम क्यों हो रहा भरोसा

डॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जिस तरह जनसुनवाई के दौरान राजेश भाई खीमजी भाई सकरिया नाम के व्यक्ति ने हमला किया, अपशब्दों का प्रयोग किया एवं पेशीय बल का प्रयोग किया वह चिंता का सबब है, और खतरनाक संकेत है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में नहीं जा रहा। बेशक, ऐसी घटनाएं घोर निंदनीय हैं, लेकिन कई प्रश्न भी खड़े करती हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इस तरह की घटना घटी हो।

राजनीति की खासियत रही है कि सत्ता पर कब्जे की लड़ाई में हर दल व नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में कोई भी कसर नहीं छोड़ता। सत्ता की लालसा के चलते दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अक्सर राजनीतिक प्रदूषण का वीभत्स रूप बार-बार सामने आता रहा है। खूबियां व विपक्षी की कमियां गिनाना भी गलत नहीं है लेकिन इन सबके बीच जो गरिमा का पतन हो रहा है, जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कहां तक जायज हैं? एक समय था जब शालीन तरीके से आलोचना करके, गद्दी हासिल की जाती थी पर अब तो बदमिजाजी, बदजुबानी व घटियापने की सारी हदें पार हो गई हैं। छुटभैये ही नहीं बड़े से बड़े नेताओं की जुबान पर भी गरिमाहीन शब्द चढ़ गए हैं। हर एक का मंतव्य एक ही कि जैसे भी हो बस चुनावी जंग जीत लो। अब जीते कोई भी पर भविष्य में लोकतंत्र के बहुत ही खतरनाक दौर का संकेत है यह। इससे पूर्व लोक सभा चुनावों में भी ऐसी ही बानगी देखने को मिली थी।

वैसे यह गंदगी अभी की बात नहीं है। यह तो काफी पहले ही जन्म ले चुकी थी। कुछ अति वाचाल नेता अससंदीय व अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, और ऐसे शब्द बाण चलाते रहे हैं, जो कदाचित सभ्य समाज को अस्वीकार्य होंगे। ठीक है, आक्रामक होना आपका अधिकार हो सकता है पर सर्वाजनिक जीवन में मयार्दाएं तार-तार करने का किसी का भी हक नहीं है, यह अब हमारे नेताओं को सिखाने की जरूरत हो गई है। नेताओं की भाषा या उस पर चुनाव आयोग की कार्यवाही के औचित्य पर टिप्पणी की बजाय आइए देखें कि कैसे भारतीय राजनीति में मयार्दा का स्थान जूतों, स्याही, कालिख, अंडे टमाटरों, थप्पड़ों, गालियों व असहिष्णु शब्दों ने ले लिया है।

बीफ पार्टी देने पर विधायक राशिद की पिटाई हुई, उनके मुंह पर कालिख पोती गई, एक पाकिस्तानी किताब का विमोचन करवाने के दोषी सुधीर कुलकर्णी का मुंह काला किया गया, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल और यहां तक कि बहुत ही विनम्र ड़ॉ. मनमोहन सिंह पर भी पर जूता उछला, चिदंबरम पर चप्पल फेंकी गई, प्रशांत भूषण पिटे, अन्ना पर भी वार हुआ, दिग्विजय को गालियां मिलीं, केजरीवाल को चप्पल, थप्पड़ व स्याही मिले, गोपाल यादव का मुंह काला किया गया और भी ऐसे कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।

आखिर, हम कर क्या रहे हैं? किस युग में जी रहे हैं? और किस अंधयुग की तरफ जा रहे हैं? किसी भी तर्क का सहारा लेकर जूतों, थप्पड़ों, गालियों को लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता परंतु सोचने वाली बात यह भी है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों हैं, गहरी छानबीन की जरूरत है।

यदि समस्या की जड़ में जाने से बच कर विपक्षी की जलालत पर हम हंसते रहे तो फिर लोकतंत्र की तस्वीर भयावह होने जा रही है। लोकतंत्र में सबको अपने-अपने तरीके से रहने, बोलने, सोचने व खाने-पीने की छूट तो है पर किसी की भावनाओं से खिलवाड़ करने का हक लोकतंत्र नहीं देता, यह बात जहां नेताओं को आम जन को समझानी चाहिए वहीं वे खुद ही ऐसा करके माहौल खराब करते रहे हैं। क्या अब नहीं मान लेना चाहिए कि सत्ता की भूख कुछ भी नैतिक-अनैतिक नहीं देख पाती। इसलिए भावनाएं भड़का कर सत्ता सुख लूटने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, और खेद का विषय है कि एक भी दल इससे बच नहीं पा रहा है। जनतंत्र में मतभेद स्वाभाविक है।

देश का आम जन और वोटर अभी तक भी नहीं जान पाया है कि चुनावों के हसीन सपने अलग बात हैं पर सत्ता में आने पर सेवा, जनकल्याण व समस्या निवारण कहने की बातें रह गई हैं। सत्ता के ईद गिर्द शायद कहीं कुछ ऐसा है जो कुछ सार्थक करने नहीं देता। वह क्या है? जब सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी ओढ़े तटस्थ होने का ढोंग बुद्धिजीवी करते हैं तो लगता है जैसे वे भी इस पाप में शामिल हैं। बुद्धिजीवी लोकतंत्र को एक अंधेरे गड्ढे में जाते हुए चुपचाप देखते हैं, तो फिर भविष्य कैसा होगा, सोचा जा सकता है। पावर, पॉलिटिक्स व पैसों का खेल अब बेलगाम हो गया है। सरकारें भले ही बदलें, चेहरे भले ही बदलें पर प्रवृत्ति नहीं बदल रही। कालिखों, जूतों, गालियों का होना लोकतंत्र में सही नहीं है पर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, इस पर भी छानबीन की जरूरत है। भविष्य में लोकतंत्र के लिए खतरनाक दौर का संकेत है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

गाजा में इजरायल के भीषण हमले जारी, हवाई हमले में 33 फलस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में बेघर और भूखे-प्यासे फलस्तीनियों पर इजरायली हमले जारी हैं। टेंट में रह रहे और खाना लेने गए लोगों पर हवाई हमले और फायरिंग में शनिवार को 33 लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सबसे बड़े शहर गाजा सिटी और उसके आसपास के इलाके को अकालग्रस्त घोषित किए जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की है।

हवाई हमले में 17 लोग मारे गए

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने गाजा पर कार्रवाई को लेकर इजरायल पर प्रतिबंध लगाने में सरकार के विफल रहने के बाद इस्तीफा दे दिया है। शनिवार तड़के खान यूनिस शहर के बाहर लगे विस्थापितों के टेंट पर हुए हवाई हमले में 17 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। मारे गए लोगों में आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

मारे गए दो बच्चों के चाचा अवाद अबू अगला ने कहा कि गाजा में कोई भी जगह और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। सभी जगह बमबारी हो रही है। जबकि उत्तरी गाजा में जिकिम क्रासिंग के निकट खाना लेने गए लोगों पर फायरिंग में पांच लोग मारे गए हैं। अन्य स्थानों पर हुए इजरायली हमलों में 11 लोग मारे गए हैं।

इजरायली सेना ने जारी किया बयान

इजरायली सेना ने कहा है कि सैनिकों के लिए खतरा पैदा होने पर हवाई फायरिंग की गई थी। किसी को निशाना बनाकर गोली नहीं चलाई गई। कुछ वर्षों पहले इजरायल को मान्यता देने वाले अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाजा की स्थिति और वेस्ट बैंक को बांटने की इजरायली योजना की कड़ी निंदा की है।

इजरायल पर हाउती का ड्रोन हमला, कई घायल

शनिवार तड़के यमन के ड्रोन हमले में इजरायली शहर तेल अवीव में कई लोग लोग घायल हुए और हजारों लोगों को कई घंटे तक भूमिगत सुरक्षित स्थलों में रहना पड़ा। इस हमले के चलते शहर के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का आवागमन घंटों बाधित रहा।

शनिवार रात हवाई अड्डे पर यातायात सामान्य हो सका। इजरायली सेना ने दावा किया है कि यमनी हवाई हमले को रोकने की कई कोशिशों के बाद ड्रोनों को गिराया जा सका। इससे कुछ अव्यवस्था पैदा हुई। विदित हो कि यमन के हाउती संगठन ने दो हजार किलोमीटर दूरी से यह हमला किया था।

एमीन एर्दोगन ने मेलानिया से गाजा के लिए आवाज उठाने को कहा

तुर्किये की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया को पत्र लिखकर गाजा के बच्चों और महिलाओं के लिए भी आवाज उठाने का अनुरोध किया है। मेलानिया ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पति ट्रंप के जरिये पत्र देकर यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द युद्ध खत्म करने का अनुरोध किया था।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाए भारत, यूक्रेनी राजदूत बोले- बातचीत के जरिये समस्याओं का निकले हल

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए, क्योंकि यूक्रेन शांति वार्ता में भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। रूस का पुराना सहयोगी होने के चलते भारत यह कार्य कर सकता है। यह बात भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कही है। यूक्रेन के नेशनल फ्लैग डे पर साक्षात्कार में पोलिशचुक ने कहा कि भारत के साथ उनके देश की बातचीत 2023 से बढ़ी है। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत तटस्थ नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत के जरिये समस्याओं को सुलझाने का समर्थन करता है। भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद यूक्रेन ने युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना और अब शांति वार्ता में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। इस बीच युद्ध में शनिवार को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश की। इसके चलते मॉस्को और उसके आसपास के शहरों का हवाई यातायात कई घंटे रुका रहा। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को पहुंचने से पहले इन ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के तेल आपूर्ति तंत्र पर गुरुवार रात यूक्रेन के हमले से हंगरी और स्लोवाकिया की तेल आपूर्ति कम से कम पांच दिनों के लिए ठप हो गई। यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस में भीषण आग लग गई है जिसे तेल आपूर्ति बंद करके नियंत्रित किया जा रहा है। यूक्रेन ने रूस की द्रुज्बा तेल पाइपलाइन और कुछ अन्य स्थानों पर हमले किए हैं। जबकि रूस ने भी यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले किए हैं जिससे आने वाले सर्दी के मौसम में यूक्रेनी नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद 2022 से रूस से तेल और गैस की आपूर्ति काफी कम कर दी है। उनकी योजना 2027 तक इस आपूर्ति को शून्य कर देनी है। लेकिन यूरोपीय संघ के सदस्य हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस से अपने रिश्ते बनाए रखे हैं। उन्होंने रूस पर लगाए प्रतिबंधों का भी विरोध किया है। दोनों देशों ने द्रुज्बा पाइपलाइन से होने वाली तेल आपूर्ति रोकने के प्रयास की निंदा की है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के पुराने मामलों में निर्वासन का खतरा, ट्रंप प्रशासन ने डीयूआई एक्ट का समर्थन किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एचआर.875 या प्रोटेक्ट आवर कम्युनिटीज फ्रॉम डीयूआई एक्ट का समर्थन करने से अप्रवासी समुदाय, खासकर भारतीय प्रवासियों के लिए खतरा बढ़ गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने (डीयूआई-ड्राइव अंडर इन्फ्लूएंस) के पुराने मामलों में अब अमेरिका में निर्वासन के खतरे की घंटी से ग्रीन कार्ड व वीजा धारकों की चिंता बढ़ गई है। यह विधेयक हाउस में पास हो चुका है और अब इसे सीनेट में समर्थन मिल रहा है, जिसे व्हाइट हाउस का भी समर्थन प्राप्त है। अभी तक, कम गंभीर डीयूआई अपराधों के कारण आमतौर पर निर्वासन या अमेरिका में प्रवेश पर रोक नहीं लगती थी। लेकिन, विल के कानून बनने से स्थिति बदल जाएगी। आप्रवासन वकील जोसेफ त्सांग ने कहा, कानून बना तो किसी भी गैर अमेरिकी नागरिक को सिर्फ एक पुराने डीयूआई रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिका से बाहर निकाला जा सकता है या उसे वापस आने से रोका जा सकता है। इस खतरे को देखते हुए, आप्रवासन वकील उन सभी ग्रीन कार्ड धारकों को सलाह दे रहे हैं जो नागरिकता के लिए पात्र हैं कि वे तुरंत इस प्रक्रिया को शुरू करें। इसके अलावा, जिन लोगों के पास डीयूआई का रिकॉर्ड है, उन्हें जल्द से जल्द कानूनी सलाह लेने और अपनी रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाने की सलाह दी गई है। इस बिल का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि इसमें दोषी ठहराए जाने की भी जरूरत नहीं है। एक लॉ फर्म, लैंडरहोम इमिग्रेशन, के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति ने कभी शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकार भी की होगी तो उसको अमेरिका में रहने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह नियम तब भी लागू होगा जब आरोप हटा दिए गए हों या घटना कई साल पहले हुई हो। यह एक बेहद कठोर और व्यापक मानक है। त्सांग ने कहा, इसमें कोई दो राय नहीं कि डीयूआई गंभीर है क्योंकि यह जान ले लेती है और दर्द देती है। इसका उद्देश्य हमारे समुदायों को सुरक्षित बनाना है और यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे हम सभी साझा करते हैं। लेकिन इस बिल के मामले में मुद्दा आनुपातिकता और प्रक्रिया का है। यह विधेयक व्यक्ति के संदर्भ या सुधार की संभावना पर विचार नहीं करता। जैसे दस वर्ष पुराने डीयूआई रिकॉर्ड वाला ग्रीन कार्ड धारक के विदेश जाने पर बिल उसके वापस लौटने से पहले कानून बनता है, तो उसे देश में प्रवेश से रोका जा सकता है।

फटेहाल पाकिस्तान में फैक्ट्रियों से ज्यादा हैं मस्जिद और मदरसे, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में हाल ही में पहली बार आर्थिक जनगणना का आंकड़ा जारी हुआ है। इस रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है, क्योंकि पाकिस्तान में मस्जिदों और मदरसों की संख्या उद्योग-कारखानों से कहीं ज्यादा है। पाक के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने यह रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में करीब 6 लाख मस्जिदें हैं जबकि सिर्फ 23 हजार फैक्ट्रियां चल रही हैं। इतना ही नहीं, 36 हजार धार्मिक मदरसे भी दर्ज किए गए हैं जो फिर से उद्योग से ज्यादा है।

हालांकि, छोटे उत्पादन यूनिट की संख्या 6.43 लाख बताई गई है। यह आंकड़ा पाकिस्तान की जनगणना से इकट्ठा किया गया और 21 अगस्त को आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) से 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दूसरी समीक्षा पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसों और मस्जिदों की सबसे ज्यादा संख्या पंजाब प्रांत में है। डेटा के अनुसार, पाकिस्तान में 4 करोड़ स्थायी यूनिट मौजूद हैं। इनमें से 72 लाख रोजगार वाले ढांचे हैं, जहां साल 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। सबसे ज्यादा लोग सर्विस सेक्टर में काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट जारी करते हुए अहसान इकबाल ने कहा, विश्वसनीय आंकड़े ही स्थायी विकास की रीढ़ हैं। इससे नीतियां सही तरह से बनती हैं और फैसले लेने में आसानी होती है।

हसीना के पतन का असर: बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकी बढ़ी, 13 साल बाद ढाका पहुंचे पाक विदेश मंत्री

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। यह 2012 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई इतना बड़ा अधिकारी बांग्लादेश गया है। बीते 72 घंटों में दोनों देशों के कई बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों की मुलाकातें हो चुकी हैं। डार ने कहा कि वह बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौता होने की उम्मीद है।

भारत पर नजर : विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत-बांग्लादेश रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अप्रैल के पहलगाम हमले और मई में हुए सैन्य संघर्ष के बाद बेहद नाजुक हो गए हैं। अमेरिकी विश्लेषक माइकल कूगलमान के मुताबिक, बांग्लादेश कभी भारत का सबसे करीबी साझेदार रहा है, लेकिन अब वह भारत के प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है।

बदलती विदेश नीति : शेख हसीना को भारत में शरण मिलने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ समुद्री व्यापार शुरू किया। फरवरी 2025 में दोनों देशों ने सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ाने का ऐलान किया।

पिछले हफ्ते पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान ने ढाका में निवेश बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमीशन बनाने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडर भी मिले।

1971 की छाया और नई राजनीति : बांग्लादेश कभी पाकिस्तान का हिस्सा रहा है और 1971 में अलग होकर स्वतंत्र हुआ था। आज भी ढाका के कई लोग पाकिस्तान से उस दौर की हत्याओं और अत्याचारों के लिए माफी की मांग करते हैं.। लेकिन मौजूदा अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस का रुख अलग है। वे भारत पर आरोप लगाते हैं कि उसने शेख हसीना को गंभीर अपराधों से बचाया। हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का आरोप है। यही आंदोलन इतना बड़ा हुआ कि उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा।

थॉमस कीन (इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप) का कहना है, हसीना का पतन भारत के लिए रणनीतिक झटका था, और बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकियां उसी का नतीजा हैं। फिलहाल, बांग्लादेश ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है और फरवरी 2026 में चुनाव होंगे। ढाका का आरोप है कि भारत अब भी आवामी लीग का समर्थन कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि उसकी जमीन किसी भी विदेशी राजनीतिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं होती।

विदेश में गुपचुप दूसरी शादी रचाना पड़ा महंगा, भारतीय शख्स अब भुगत रहा जेल, कैसे खुली पोल

सिंगापुर, एजेंसी। एक भारतीय शख्स को विदेश में गुपचुप शादी रचाना काफी महंगा पड़ गया। अब दो शादियां रचाने के आरोप में इस व्यक्ति को जेल की सजा हो गई है। आरोपी की पहचान 49 वर्षीय वैथियालिंगम मुथुकुमार के रूप में हुई है। इस व्यक्ति ने 15 साल पहले पहला विवाह रचाया था। गौरतलब है कि सिंगापुर में दो शादियां रचाना कानूनन अपराध है। मुथुकुमार को तीन महीने और तीन हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई है।

सहकर्मी के साथ अफेयर : मुथुकुमार की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। साल 2011 में सिंगापुर में उनका अपनी सहकर्मी के साथ अफेयर शुरू हो गया। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला, सलमा बी अब्दुल रज्जाक के साथ मुथुकुमार का अफेयर था, उसे पता था कि वह शादीशुदा हैं। इसके बावजूद वह सिंगापुरी महिला मुथुकुमार के शादी रचाने के लिए तैयार हो गई। बताया जाता है मुथुकुमार ने उसके ऊपर शादी के लिए काफी दबाव डाला था। मुथुकुमार ने कहा था कि उसे एक बच्चा चाहिए। इतना ही नहीं, उसने सलमा से यह भी वादा किया था कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

ऐसे खुली पोल : अगस्त 2022 में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाज से शादी कर ली। एक भारतीय मुस्लिम धर्मगुरु ने दोनों की शादी रजिस्टर कराई। रिपोर्ट के मुताबिक शादी के बाद दोनों वापस सिंगापुर पहुंच गए।

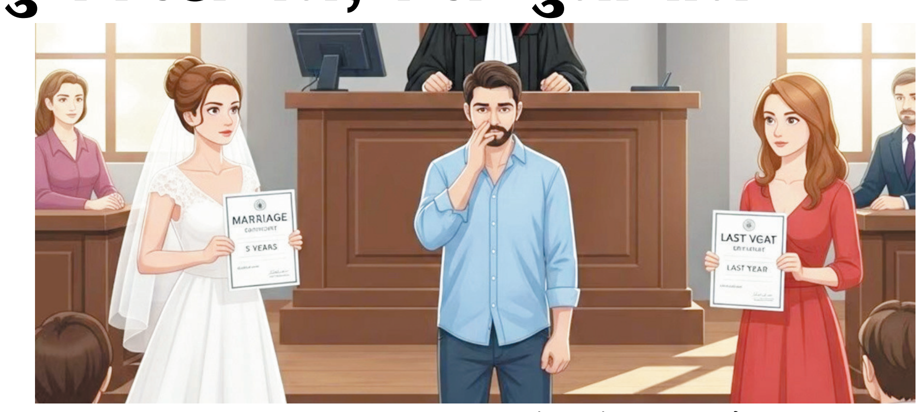

यहां पर मुथुकुमार अपनी पहली पत्नी के साथ ही रहता था। हालांकि बीच-बीच में समय निकालकर वह सलमा से मिलने जाया करता था। 14 सितंबर 2023 को सलमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसी समय मुथुकुमार की पोल खुल गई। असल में मुथु की पहली पत्नी उसी अस्पताल में काम करती थी, जहां सलमा के बच्चे का जन्म हुआ था। जब उसने मुथु को डिलीवरी सुइट से बाहर आते देखा तो उसे शक हुआ। उसे पता था कि यह सुइट किसी आने-जाने वाले के लिए नहीं खोला जाता। ऐसे में उसने मुथु से पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद मुथु ने उसे अपनी दूसरी शादी और बच्चे के जन्म के बारे में बताया।

रिजेक्ट हो गया अप्लीकेशन : इसके बाद मुथुकुमार ने सिंगापुर में स्थायी निवास के लिए अप्लाई किया। कानूनी दस्तावेजों में उसने झूठ बोला कि उसकी दूसरी कोई शादी नहीं हुई है। हालांकि एक महीने बाद सलमा ने मंत्रालय को बता दिया कि मुथु ने दो शादियां की हैं। इसके बाद उसका अप्लीकेशन रिजेक्ट हो गया। इसके बाद मामला शीर्ष अधिकारियों तक पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि उसने अपनी दोनों पत्नियों को धोखा दिया है। जहां उसने पहली पत्नी को दूसरी शादी की बात नहीं बताई। वहीं, दूसरी पत्नी से यह कहकर विवाह रचाया कि वह पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

अफगानिस्तान से जाते वक्त अमेरिका छोड़ गया था हथियार, अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा तालिबान

काबुल , एजेंसी। पाकिस्तान ने अमेरिका से कहा है कि वह अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार वापस ले। ये हथियार आतंकवादियों के हाथों में जा रहे हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। अफगानिस्तान से वापसी के दौरान बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार वहीं छूट गए थे।

पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अमेरिकी हथियारों का अनियंत्रित प्रसार पाकिस्तान की स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन द्वारा अनुमानित सात अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी हथियारों के भंडार में बख्तरबंद वाहन, उन्नत आग्नेयास्त्र, बायोमीट्रिक सिस्टम और अन्य संवेदनशील उपकरण शामिल हैं।

माना जाता है कि इनमें से कई हथियार पाकिस्तानी तालिबान द्वारा जब्त कर लिए गए और अब पाकिस्तान सेना के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं। खोस्त और पक्तिका जैसे अफगान के ब्लैक मार्केट में अमेरिका निर्मित हथियारों की कीमतें आसमान छू रही हैं। एक एम4 राइफल 4,200 डॉलर से अधिक में बिकती है, जबकि एक एम16 राइफल 1,400 डॉलर में बिकती है।चीनी राइफलें कम दामों पर उपलब्ध हैं, लेकिन आतंकी अमेरिकी मॉडलों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को ज्यादा पसंद करते हैं। द वाशिंगटन पोस्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि नाटो द्वारा आपूर्ति किए गए 4,00,000 हथियार तालिबान के नियंत्रण में हो सकते हैं।

तीन अस्पताल, 460 महिलाओं की गुप्त वीडियो ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर पर गंभीर आरोप

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई अस्पतालों के शौचालयों में गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने के आरोपी प्रशिक्षु सर्जन को शुक्रवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। विक्टोरिया राज्य के सर्वोच्च न्यायालय के दस्तावेजों में पुलिस ने आरोप लगाया है कि 28 वर्षीय रयान चो पर लगभग 500 आरोप लग सकते हैं, जो 2021 से मेलबर्न के तीन अस्पतालों के स्टाफ शौचालयों में फोन से गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए गए 4,500 अंतरंग वीडियो से संबंधित हैं।

सशर्त जमानत पर रिहाई का आदेश : न्यायमूर्ति जेम्स इलियट ने फैसला सुनाया कि जूनियर डॉक्टर को इस शर्त पर रिहा किया जाए कि वह अपने माता-पिता के साथ रहे, जो अपने बेटे की रिहाई की उम्मीद में सिंगापुर से मेलबर्न आए थे। उनके माता-पिता को 50000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32000 अमेरिकी डॉलर) की जमानत देनी होगी। दूसरी ओर अभियोजक ने तर्क दिया कि आरोप लगने के बाद चो ने भागने की कोशिश की थी। नौकरी से निलंबित होने के बाद ऑस्ट्रेलिया से उसका कोई मजबूत संबंध नहीं था।

हैमिल ने कहा कि चो अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया का स्थायी निवासी बन गया था, लेकिन अगर उसे दोषी ठहराया गया और 12 महीने या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई गई, तो उसे निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। जज ने कहा कि चो ने अपना सिंगापुर पासपोर्ट जमा कर दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ने में उसकी कोई आपराधिक भूमिका नहीं थी।

460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करने का आरोप : पुलिस का आरोप है कि चो ने कम से कम 460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड कीं। जज ने कहा कि चो पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने का कोई आरोप नहीं है। चो को जुलाई में ऑस्टिन अस्पताल के शौचालय में एक जालीदार बैग के अंदर से रिकॉर्डिंग करते हुए फोन मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का आरोप है कि उसने पीटर मैक्कलम कैंसर सेंटर और रॉयल मेलबर्न अस्पताल के शौचालयों में भी रिकॉर्डिंग की थी।

दूसरी ओर चो के वकील जूलियन मैकमोहन ने अभियोजकों की इस आशंका को खारिज कर दिया कि रिहाई के बाद चो गवाहों के काम में दखल दे सकता है। मैकमोहन ने कहा कि ऐसे अपराधों के लिए सैकड़ों गवाह होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह धारणा है कि अगर मेरा मुवक्किल गवाहों के काम में दखल देने के आपराधिक कृत्य में शामिल होता है, तो इससे मामले के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

2017 में ऑस्ट्रेलिया आया चो : चो पर शुरू में छह अपराधों का आरोप लगाया गया था, लेकिन गुरुवार को 127 और आरोप जोड़े गए, जिनमें बिना अनुमति के जानबूझकर अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करना शामिल है। मैकमोहन ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि आरोपों पर मुकदमा चलेगा या नहीं। चो ने अभी तक कोई दलील नहीं दी है। चो 2017 में एक छात्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया आया और मेलबर्न के मोनाश विश्वविद्यालय में डॉक्टर की पढ़ाई की।

पुतिन से मुलाकात के बाद बदले ट्रंप के तेवर, दो हफ्ते में रूस पर लगेगा प्रतिबंध? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिए बड़े संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दो हफ्ते में उन्हें पता चल जाएगा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के उनके प्रयास में प्रगति संभव है या नहीं। उन्होंने फिर रूस पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों के किसी भी पहलू से वह खुश नहीं हैं। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता की थी। वह अभी तक उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए सहमत नहीं कर पाए हैं।

ट्रंप ने कहा, उनमें बहुत अधिक नफरत है। लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। मुझे लगता है कि दो हफ्ते में हमें पता चल जाएगा कि मैं किस राह पर जा रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह तभी तय करेंगे कि बड़े प्रतिबंध लगाने हैं या कुछ नहीं करना है और उनसे कहना है कि यह आपकी लड़ाई है।

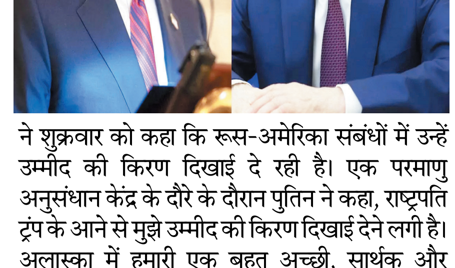

पुतिन को रूस-अमेरिका संबंधों में दिख रही उम्मीद की किरण : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस-अमेरिका संबंधों में उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। एक परमाणु अनुसंधान केंद्र के दौरे के दौरान पुतिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के आने से मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। अलास्का में हमारी एक बहुत अच्छी, सार्थक और स्पष्टवादी बैठक हुई। आगे के कदम अब अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व के गुण इस बात की गारंटी हैं कि संबंध बहाल होंगे।

सुझाव

काजल लगाते समय अपनाएं ये 5 टिप्स

ठहर जाएंगी सबकी नजरें आप पर

अच्छे आई मेकअप के बगैर आपका लुक कंप्लीट नहीं होगा। आई मेकअप की बात करें तो सबसे पहले बात काजल लगाने की आती है। काजल लगाना भी एक आर्ट है जो सबके बस की बात नहीं। ज्यादातर महिलाएं काजल को साधारण तरीके से ही लगाती हैं। पर इन टिप्स को अपना कर आपके आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

टोनर से साफ करें चेहरा

काजल लगाने से पहले बहुत जरूरी है कि आप अपना चेहरा टोनर से साफ कर लें। इससे त्वचा पर मौजूद तेल साफ हो जाएगा और काजल नहीं फैलेगा। पसीने से बचने के लिए चेहरे और आंखों के आसपास बर्फ भी रगड़ सकती हैं।

काजल को करें सेट

काजल को फैलने से बचाने के लिए उसे सेट कर लें। इसके ब्लैक आईशैडो पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल का आप रोजाना यूज करती हैं तो आंखों के नीचे ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। इससे काजल लंबे समय तक टिका रहेगा।

बाहरी कोनों पर लगाएं पाउडर

लंबे समय तक काजल टिकी रहे इसके लिए अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर अच्छी तरह पाउडर लगाएं। इससे आंखों के बाहरी कोने ड्राई हो जाएंगे। अब काजल लगाएं। काजल लगाने के बाद आइलिड पर जरा सा न्यूट्रल कलर का आईशैडो ब्रश से फैला लें। इससे काजल जल्दी सूख जाएगा और टिका रहेगा।

लॉंग स्टे काजल लगाएं

अगर आंखों की खूबसूरती बरकरार रखनी है तो लंबे समय तक टिके रहने वाले काजल लगाएं। इससे आप जो भी आई मेकअप करेंगी, उसमें आपका लुक निखरकर सामने आएगा। काजल हमेशा अच्छी कंपनी का ही लगाएं।

काजल लगाने के बाद आईशैडो लगाएं

काजल लगाने के बाद वाटर लाइन के बाहर हल्का सा आईशैडो लगाएं। आईशैडो ब्रश से इसे हल्का सा मर्ज कर लें। इससे काजल फैलेगा नहीं और आंखें बहुत खूबसूरत दिखेंगी।

माताओं की नींद उड़ा देता है

निकालें खुद के लिए भी वक्त

मां बनें सुपर मॉम नहीं

दुनिया में एक नई जिंदगी लाने की खुशी अतुलनीय है, लेकिन नई जिंदगी को निखारना-संवारना-सहेजना 24 घंटे की नौकरी जैसा है। इसमें अभिभावक, खासतौर पर नई मां, थककर चूर हो जाती हैं। इसी साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि बच्चा जब रोते, पैर पटकते इस दुनिया में कदम रखता है तो दोनों अभिभावकों, खासतौर पर मां के लिए यह एक मुश्किल भरा दौर होता है।

अध्ययन में पाया गया कि बच्चे के जन्म के बाद दोनों अभिभावकों की नींद की अवधि कम हो जाती है। अध्ययन के मुताबिक, मां तो हर रात एक घंटे की नींद खोती है। यह सिलसिला बच्चे के तीन माह का होने तक चलता रहता है।

फिर वह बच्चे को स्तनपान कराती हो या नहीं कराती हो। इसकी तुलना में पिता की हर रात की 15 मिनट की ही नींद कम होती है। शिशु की देखभाल एक बहुत ही मुश्किल काम है। लेकिन जब आपकी नींद भी पूरी न हो पा रही तो यह चुनौती और बढ़ी लगने लगती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं में कार्डियो वेस्कुलर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है सो अलग।

कुछ चतुराई भरे रचनात्मक विकल्प इन नई मम्मियों को नींद को पूरा करने में और स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप नई मां बनी हैं तो इस बात को समझने की कोशिश कीजिए कि आप बच्चे की नींद के वक्त, अवधि पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं। बच्चों का आधी रात को उठकर रोना और उन्हें भूख लगना, बार-बार पेशाब करना बिलकुल कुदरती प्रक्रिया है। मदद लीजिए और जब आपके भरोसे के लोगों से मिल रही हो तो बेहिचक उसका स्वागत कीजिए। अपने साथी या परिवार के अन्य सदस्यों से बच्चे का कुछ देर खयाल रखने के लिए कहिए ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें।

उपाय

सुबह की हवा खाइए: बच्चे की देखभाल का एक मतलब होता है आप अपना भी खयाल रखें। हमेशा चौकन्ने और सक्रिय रहें। अपने वॉकिंग शूज को आराम का मौका मत दीजिए। सुबह उठकर उन्हें पहनें और सैर के लिए निकल पड़े। कुछ चलिए, कुछ स्ट्रेचिंग कीजिए, सूरज की धूप और सुबह की ताजी हवा का मजा लीजिए। इससे आपको सुकून मिलेगा और तनाव कम होगा।

खुद के लिए वक्त निकालिए: अपनी बेहद पसंदीदा शौक की और लौटिए। बच्चे का खयाल रखते हुए भी आप इसे पूरा कर सकती हैं। अगर आप काम से मातृत्व अवकाश पर हैं तो किसी नए कौशल को सीखने या नई किताबों को पढ़कर खुद को व्यस्त रखिए। निश्चित तौर पर इसका यह मतलब नहीं है कि आपको बहुत खाली वक्त मिल रहा है।

बच्चे के भोजन और डाइपर बदलने में वक्त पंख लगाकर उड़ने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बीच के वक्त में आप खुद के लिए कम से कम 20 मिनट का वक्त तो निकाल ही लीजिए। ऐसा आपको बच्चे के भोजन, नैपी बदलने के बीच कम के कम तीन बार करना चाहिए। वक्त सिर्फ अकेले के लिए।

सोइए जब बच्चा सोए: बच्चा आपकी जरूरतों के मुताबिक एडजस्ट नहीं करेगा, आपको ही उसकी दिनचर्या के साथ तालमेल बिठाना होगा। इसलिए कामकाज की लिस्ट को कुछ देर के लिए परे रख दीजिए। जब बच्चा सो रहा हो तो आप भी नींद ले लीजिए।

15-30 मिनट्स की यह छोटी झपकियां आपको दिनभर तरोताजा रखेंगी। निश्चित ही यह रात के वक्त की आपकी नींद की कीमत पर नहीं किया जाना है। आपका साथी या परिवार का कोई अन्य सदस्य भी डायपर्स बदल सकता है। और अगर आप बिस्तर में जाने से पहले बच्चे को बोतल से दूध पिलाती हैं तो दूसरे भी ऐसा कर सकते हैं।

कैफीन से तौबा कीजिए: कुछ सुस्ताने के लिए कॉफी या चाय का एक गरमा-गरम प्याला एक अच्छा विकल्प लग सकता है। लेकिन बेहतर होगा यदि आप इसे केवल एक कप तक ही सीमित रखें। कॉफी में बहुत ज्यादा मात्रा में कैफीन होता है और कैफीन आपकी नींद उड़ा देता है। कॉफी के अतिरिक्त घूंट आपको आपकी बेशकीमती नींद से वंचित कर सकते हैं।

सेहत

बदलते मौसम में त्वचा की चमक रखेंगे बरकरार लहसुन के ये 5 उपाय

लगभग हर भारतीय रसोई में लहसुन मौजूद होता है। लहसुन के लाभ किसी औषधि से कम नहीं हैं। हालांकि कुछ लोग इसकी तीखी महक की वजह से खाने में इसका इस्तेमाल करने से बचते हैं, जबकि लहसुन में मौजूद कई एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मधुमेह, हृदय रोग, पेट के संक्रमण के साथ त्वचा संबंधी कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। आयुर्वेद में तो त्वचा की रंगत निखारने के लिए लहसुन के हजारों उपयोग बताए गए हैं। लहसुन को अपने ब्यूटी रुटिन का हिस्सा बनाकर आप भी त्वचा और बालों से जुड़ी अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

सौंदर्य निखारने के लिए अपनाएं लहसुन के ये 5 उपाय

- त्वचा में खाज-खुजली, जलन और लाल रैशेज होना आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को आए दिन परेशान करती हैं। अगर आप इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दवा का उपयोग नहीं करना चाहती है तो लहसुन का प्रयोग कर सकती हैं। त्वचा में जहां भी आपको ऐसी समस्या हो रही है, वहां पर लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर लगा लें। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को दूध या मलाई में मिलाकर लगाने से भी त्वचा की हर तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है।

- पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लहसुन का उपाय बेहद कारगर है। इसके लिए आपको सफेद सिरके में लहसुन का पेस्ट डालकर उसे अच्छी तरह से मिलाना है। अब इस पेस्ट को एक्ने पर लगाकर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इसके अलावा एक कच्चे लहसुन की कली चबाएं और एक गिलास ठंडा पानी पी लें। ऐसा करने से आपको काफी लाभ होगा।
- लहसुन का उपाय आपको एंटी एजिंग और झुर्रियों से बचाए रखने में भी मदद करता है। लहसुन में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो झुर्रियों से लड़ने में काफी मदद करते हैं। इससे बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कच्ची कली नियमित रू प से खाकर भी बढ़ती उम्र को जवां रखा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को किसी भी फल के रस या गुलाब जल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से भी झुर्रियां दूर होती हैं।
- लड़कियां ही नहीं लड़के भी कई बार ब्लैकहेड और वाइटहेड की समस्या से परेशान रहते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हफ्ते में 2 बार अपने स्क्रब में लहसुन का पेस्ट या फिर उसका रस मिलाकर स्क्रब करेंगी तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। इसेक अलावा संतरे के छिलके के पाउडर में लहसुन का पेस्ट मिलाकर लगाने से भी ब्लैकहेड और वाइटहेड दूर होते हैं।
- त्वचा के बाद अगर बात बालों की करें तो उनका समय से पहले सफेद होना आजकल हर दूसरे व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे बचने के लिए लहसुन के पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर गर्म कर लें और जब तक धुआं न निकले, गैस बंद न करें। अब इस पेस्ट को ठंडा कर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। सफेद बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2568

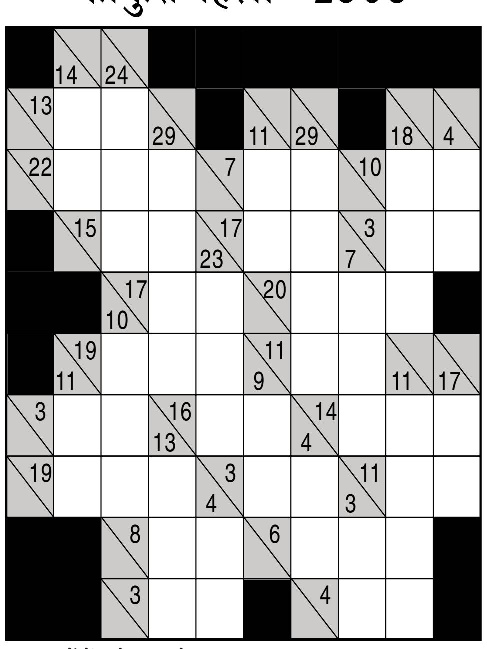

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2567 का हल

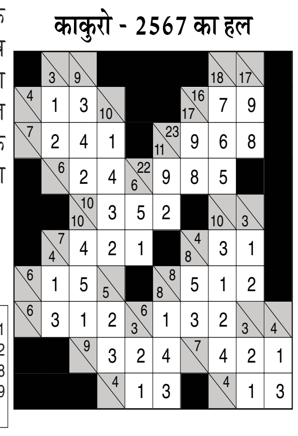

लॉफिंग ज़ोन

एक सूटबूटधारी सज्जन एक व्यस्त बाजार में कारो के बीच हाथ-पैर फैलाए लेटा हुआ था. सिपाही ने देखा तो पूछा- क्या हुआ? दौरा-वौरा पड़ गया या चक्कर आ गए?

सज्जन बोले - नहीं जी दरअसल मेरी बीवी कार लेकर यहां पहुंचने वाली है और मैं इस व्यस्त बाजार में कार पार्क करने की जगह घेरे हुए हूं.

☺ ☺ ☺

रोहित (राहुल से) - तुम स्विटरजरलैड में कहां रहे?

राहुल (रोहित से) - 'जानहेग' कस्बे में.

रोहित (राहुल से) - तुम्हे मालूम होना चाहिए कि स्विस भाषा में 'जे' का उगारण 'एच' होता है. वह 'जानहेग' नहीं 'हानहेग' है. वैसे आप वहां कब तक रहे?

राहुल (रोहित से) - हून-हुलाई तक.

☺ ☺ ☺

एक युवक पायलट के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा. इंटरव्यू में उससे पूछा गया - आपका दिल कहीं कमजोर तो नहीं?

युवक - जी मेरा दिल तो इतना मजबूत है कि पिछले तीन सालों में मुझे तीन-तीन दिल के दौरे पड़े फिर भी मै जिंदा हूं.

युवक से फिर पूछा गया- दौरे तुम्हें कब-कब पड़े?

युवक - जी जब श्रीदेवी, माधुरी और काजोल की शादी हुई थी तब.

फिल्म वर्ग पहेली- 2568

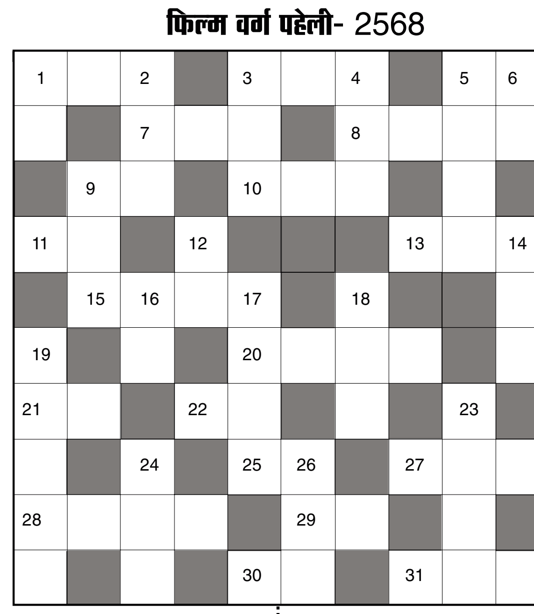

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2567

सूडोकु -2568

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2567 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2568

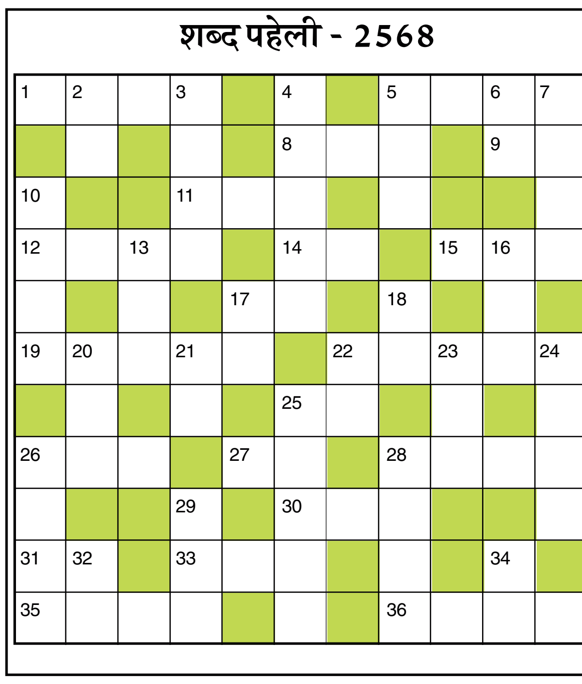

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -2567 का हल

वोटर अधिकार यात्रा : अररिया में राहुल और तेजस्वी ने केंद्र व चुनाव आयोग पर साधा निशाना

एजेंसी

अररिया। बिहार में जारी कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा'अररिया पहुंची। यहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यको को साधने का प्रयास भी किया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का काफिला पूर्णिया से अररिया के जीरो माइल पहुंचा, जहां महागठबंधन दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश में दो विचारधाराएं चल रही हैं। एक संविधान के अनुरूप है, जबकि दूसरी भेदभाव वाली। भाजपा चाहती है कि दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यकों की आवाज दबी रहे। राहुल गांधी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान की किताब को दिखाते हुए कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। संविधान कहता है कि हिन्दुस्तान में प्रत्येक नागरिक को एक वोट मिलेगा। वह अंबानी का बेटा हो या किसी गरीब का बेटा। एक वोट देने का अधिकार संविधान ने हम सभी को दिया है। लेकिन महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी किए। बिहार में भी मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

पंजाब के एसबीएस नगर हत्याकांड में लक्की पटियाल-दविंदर बंबीहा गैंग के दो शूटर मुंबई से गिरफ्तार

चंडीगढ़। काउंटर इंटेलिजेंस की जालंधर टीम ने एसबीएस नगर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में लक्की पटियाल-दविंदर बंबीहा गैंग के दो शूटरों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। दोनों शूटरों पर पिछले महीने एसबीएस नगर के पोजेवाल गांव में हुए हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि एसबीएस नगर के गांव कुलपुर (पोजेवाल) में 2 जुलाई को कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने हरदीप सिंह उर्फ दीपा कुलपुरिया की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस का जांच-पड़ताल में पता चला कि होशियारपुर जिले के गांव रोड मजारा निवासी करने गेंगर (25) और जिला होशियारपुर के गांव रामगढ़ झुंगियां, थाना गढ़शंकर निवासी जसकरनदीप सिंह उर्फ कल्लू (23) ने निजी रंजिश के चलते इस हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। डीजीपी यादव ने बताया कि जांच में यह भी पता चला कि दोनों शूटर दविंदर बंबीहा गैंग के लक्की पटियाल के सहयोगी हैं और अमेरिका में बैठे जसकरन सिंह उर्फ कन्नू के इशारे पर यह हत्या की है। एसबीएस नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (नगर) मेहताब सिंह ने कहा कि हत्या के बाद पूरे मामले की जांच के लिए एसपी इन्वेस्टिगेशन की अगुवाई में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया था।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने गर्भगृह के द्वार से भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना की और मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर ध्यान किया। इस दौरान उन्होंने अपने राज्य के नागरिकों की सभी सुख-समृद्धि की कामना की। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे रविवार सुबह उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। मंदिर के पुजारियों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। शिंदे ने सभामंडप में विराजित भगवान वीरभद्र के भी दर्शन किए। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष कलवाड़िया ने उन्हें प्रसाद भेंट किया और दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान महाकाल के दर्शन करने के बाद बहुत ही आनंद प्राप्त हुआ है। यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और भगवान का आशीर्वाद लेकर खुशी-खुशी अपने घर लौटते हैं। यहां पर आने पर एक ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है, यहां पर आने के बाद एक सेवाभाव हर कोई लेकर जाता है। आज हमारे सभी लोगों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए।

पंचतत्व में विलीन हुए राजा अयोध्या विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य और अयोध्या राजवंश के मुखिया राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र पप्पू भैया पंचतत्व में विलीन हो गए। रविवार की शाम को उनका अंतिम संस्कार सरयू नदी के तट पर स्थित बैकुंठ धाम में किया गया। उनके पुत्र यतींद्र मिश्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। अयोध्या के राजा विमलेंद्र प्रताप की अंतिम यात्रा स्थानीय राज सदन से निकली। अयोध्या वासियों ने उन्हें गमगीन माहौल में अंतिम विदाई दी।अंतिम यात्रा में जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व प्रदेश सचिव अवनीश अवस्थी, अयोध्या सांसद अवधेश दास, राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे समेत कई भाजपा नेता, संत-महंत व अयोध्यावासी सम्मिलित हुए। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया।

विट्ठलभाई ने विधाई परंपराओं की नींव डालकर भारत के लोकतंत्र को बनाने का काम किया: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता सेनानी विठ्ठलभाई पटेल 100 वर्ष पहले इसी दिन केंद्रीय विधानसभा का स्पीकर बने थे। इस ऐतिहासिक दिन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली विधानसभा में विशेष आयोजन हुआ, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज के ही दिन महान स्वतंत्रता सेनानी विठ्ठलभाई पटेल, केंद्रीय विधानसभा के स्पीकर बने थे। विठ्ठलभाई पटेल के स्पीकर बनने के 100 साल पूरे होने के कारण आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक है। विधानसभा में कई महान अध्यक्ष रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि देश के सभी सदनों में देश के सभी महान विधानसभा अध्यक्षों की कही बातों को वहां की लाइब्रेरी में लगाना चाहिए। आज विठ्ठलभाई पटेल को लेकर जो प्रदर्शनी लगी थी,

वैसी प्रदर्शनी देश के सभी विधानसभा में लगनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'भारत की आजादी के आंदोलन में सदन से कई गणमान्य वरिष्ठ नेताओं ने अपना योगदान दिया है। गोपाल कृष्ण गोखले, लाला लाजपत राय, चितरंजन दास, मालवीय जी और कई बड़ी हस्तियां इस सदन में रही हैं। गुजरात ने ऐसे दो भाई दिए, जिसमें एक सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दिन-रात एक कर दिया और दूसरे भाई विठ्ठलभाई पटेल ने भारत की विधाई परंपराओं की नींव डालकर आज के लोकतंत्र को बनाने का काम किया।' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन की कार्यवाही को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, 'यह दो दिन का सत्र है, बेहद उपयोगी सत्र रहने वाला है। जो महान व्यक्ति हैं, जिन्होंने देश के लिए नींव रखी है, उनके बारे में समझाना और सोचना हम लोगों की जिम्मेदारी है। आज सदन की कार्रवाई को ऑनलाइन देखने का मौका मिलता है। कुछ सदन बहुत अच्छी तरीके से चलते हैं। सबसे अच्छा कौन चलता है, यह कहना मुश्किल है। इस संदर्भ में कोई नंबर देना सही नहीं होगा।' उन्होंने कहा, 'हाउस की प्रोसिडिंग किस तरह से चलती है, इसको लेकर सभी विधानसभाओं की अलग-अलग परंपरा रही है। सभी विधानसभा नियमित रूप से अपनी परंपराओं को कायम रखे हुए हैं। अगर संसद और विधानसभा सही नहीं चलेगा तो लोकतंत्र पर सवाल खड़ा होगा।

राजनाथ सिंह ने जम्मू में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

जम्मू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू के राजभवन में अधिकारियों के साथ बैठक की और किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना के बाद राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की, जिसमें 65 लोगों की जान चली गई। जम्मू अस्पताल का दौरा करने के बाद राजनाथ सिंह ने क्षेत्र में बाढ़ की समग्र स्थिति की समीक्षा के लिए जम्मू के राजभवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, सेना और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने चल रहे राहत कार्यों का मूल्यांकन किया और बचाव एवं पुनर्वास प्रयासों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में हाल ही में हुए बादल फटने से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने में जम्मू और कश्मीर सरकार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। खराब मौसम के कारण सिंह बादल फटने से प्रभावित

स्थल का प्रत्यक्ष दौरा नहीं कर सके। इसके बजाय, वह जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) गए जहां उन्होंने इलाज के लिए भर्ती कई बचे हुए लोगों से मुलाकात की। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने उनकी चिकित्सा स्थिति और अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा उन्हें दी जा रही देखभाल के बारे में पूछताछ की।

गणपति उत्सव के लिए मध्य रेलवे ने कसी कमर, चलाई जाएंगी 306 स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी

मुंबई। मध्य रेलवे गणपति उत्सव के दौरान यात्रियों के लिए आरामदायक और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम कर रहा है। भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अब तक 380 गणपति स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है, जिनमें से मध्य रेलवे सबसे अधिक 306 ट्रेनें संचालित कर रहा है। ये ट्रेनें महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र के प्रमुख गंतव्यों जैसे मडगांव, सावंतवाड़ी रोड, रत्नागिरी, खेड़, चिपलून, पुणे, नागपुर आदि के लिए चलाई जा रही हैं, जहां त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। गणपति उत्सव के लिए विशेष ट्रेनें 22 अगस्त से शुरू हो चुकी हैं। मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्टेशनों पर विशेष व्यवस्थाएं की हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), दादर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी), ठाणे और पनवेल स्टेशनों पर अधिकारियों और वाणिज्यिक निरीक्षकों की तैनाती की गई है ताकि भीड़ प्रबंधन प्रभावी ढंग से हो सके। इसके अलावा, इन स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के लिए लगभग 180 टिकट जांच कर्मचारी को चौबीसों घंटे तैनात किया गया है। चिंचपोकली और करी रोड स्टेशनों पर भी अतिरिक्त टिकट जांच कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। टिकट सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए मध्य रेलवे ने चिंचपोकली, करी रोड, बायकुला, परेल, दादर, कॉटन ग्रीन, वडाला रोड, ठाणे और पनवेल स्टेशनों पर 30 मोबाइल-यूटीएस (अनारक्षित टिकट प्रणाली) सिस्टम वितरित किए हैं। इसके साथ ही, 27 अगस्त से दस दिनों के लिए चिंचपोकली, करी रोड, बायकुला, परेल, दादर और कॉटन ग्रीन स्टेशनों पर मोबाइल-यूटीएस और यूटीएस ऐप प्रमोशन

टीम तैनात की जाएगी। चिंचपोकली और करी रोड स्टेशनों पर 27 अगस्त से दो-दो अतिरिक्त यूटीएस खिड़कियां भी खोली जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए चिंचपोकली, करी रोड, बायकुला, परेल, दादर और कॉटन ग्रीन स्टेशनों पर अतिरिक्त सुविधादाताओं की तैनाती की जाएगी। मध्य रेलवे ने गणपति स्पेशल ट्रेनों की जानकारी यात्रियों तक पहुंचाने के लिए सीएसएमटी, दादर, ठाणे, एलटीटी, दिवा, कल्याण और पनवेल स्टेशनों पर बैनर और स्टैंड लगाए हैं। इसके अलावा, प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से इन विशेष ट्रेनों का व्यापक प्रचार किया जा रहा है।

संगरूर में शिक्षकों का सीएम भगवंत मान के घर के बाहर प्रदर्शन, नियमित किए जाने की मांग

एजेंसी

संगरूर। पंजाब के संगरूर में शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के घर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार से उन्हें अब तक सिर्फ आश्वासन मिले हैं, ठोस कार्रवाई कुछ नहीं हुई। प्रदर्शनकारी शिक्षक जब मुख्यमंत्री से मिलने उनके निवास की ओर बढ़े, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिससे मौके पर हल्का तनाव पैदा हो गया और धक्का-मुक्की भी हुई। शिक्षकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे सिर्फ शांतिपूर्वक अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहते थे। शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि उन्हें भी अन्य सरकारी शिक्षकों की तरह नियमित किया जाए और स्थायी नियुक्ति दी जाए। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, तब उन्हें उम्मीद थी कि वर्षों से लंबित यह मुद्दा हल किया जाएगा, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। एक शिक्षक ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार को सत्ता में आए ढाई साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन हमारी स्थिति जस की तस है। सुनवाई नहीं होती है तो इंसान मजबूर हो जाता है। सालों से हम अपनी मांग को उठा रहे हैं। शिक्षा मंत्री के साथ कई बार मुलाकात कर चुके हैं। मुख्यमंत्री

शिक्षक ने आरोप लगाए कि आम आदमी पार्टी के 'शिक्षा क्रांति' के दावे बिल्कुल झूठे हैं। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र को लेकर सिर्फ फ्रॉड किया है। शिक्षक ने कहा कि न शिक्षा मंत्री और न मुख्यमंत्री, कोई बात नहीं सुन रहा है। प्रदर्शन कर रही एक महिला शिक्षक ने कहा कि जब किसी भी स्तर पर राज्य के स्कूलों के प्रेसिडेंट हैं। नियमों के अनुसार उन्हें शिक्षकों के साथ मीटिंग करनी होती है, लेकिन एक भी मीटिंग नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार कहती है कि जनता के लिए दरवाजे खुले हैं, लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं है। हम मुख्यमंत्री से मिले बगैर यहां से नहीं जाएंगे।

माफिया प्रवृत्ति को प्रदेश से जड़मूल उखाड़ दिया गया - मुख्यमंत्री

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ वर्ष पूर्व तक कोई सोच भी नहीं सकता था कि उत्तर प्रदेश दंगामुक्त और माफियामुक्त होगा। आज दंगामुक्त, माफियामुक्त उत्तर प्रदेश हकीकत है। अब यूपी में माफिया प्रवृत्ति हावी नहीं हो सकती। माफिया प्रवृत्ति को जड़मूल से उखाड़ दिया गया है। अब गुंडे यहां बहन, बेटियों और व्यापारियों के लिए खतरा नहीं बन सकते। अब यूपी का आमजन परेशान नहीं होता और न ही यहां के नौजवानों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर में दो कल्याण मंडपम (मानबेला व राप्तीनगर विस्तार योजना) का लोकार्पण करने के बाद मानबेला में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। दोनों कल्याण मंडपम का निर्माण गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा क्रमशः 2 करोड़ 65 लाख तथा 85 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। मानबेला में बने कल्याण मंडपम के लिए मुख्यमंत्री ने अपनी विधायक निधि से

धनराशि दी है। कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सकारात्मक बदलाव इसलिए आया है कि 2017 से जनता ने अच्छी सरकार चुनी। अच्छी सरकारें अच्छे के लिए सोचती हैं। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच कुछ सवाल रखे और फिर उसका जवाब भी दिया। कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश, फोरलेन कनेक्टिविटी, बंद खाद कारखाने को दोबारा चलाने, नए उद्योग लगवाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। पर, आज देश में सबसे ज्यादा निवेश यूपी में हो रहा है। बड़े-बड़े उद्योग लग रहे हैं। हर तरफ फोरलेन सड़कों की कनेक्टिविटी हो रही है। गोरखपुर का बंद खाद कारखाना दोबारा चालू हो गया है। मुख्यमंत्री ने मानबेला के जिस क्षेत्र में कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया, वह क्षेत्र 2017 तक इंसेफेलाइटिस की चपेट वाला माना जाता था। इंसेफेलाइटिस के इलाज और उन्मूलन के लिए सांसद के रूप में लंबा संघर्ष करने वाले सीएम योगी को यह बात याद है। इसका उल्लेख भी उन्होंने अपने संबोधन में किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले इंसेफेलाइटिस का समाधान सोचना भी मुश्किल लगता था, लेकिन आज इसका समाधान डबल इंजन सरकार द्वारा तय लक्ष्य से पहले हो गया है। सीएम ने कहा कि आठ वर्ष पूर्व इस सीजन में हर मां के चेहरे पर दहशत होती थी कि न जाने कौन सा बच्चा इंसेफेलाइटिस की चपेट में आ जाएगा।

सिंधिया ने मप्र के गुना जिले में बाढ़ग्रस्त ग्रामों का किया भ्रमण, कहा-हर संकट की स्थिति में हमेशा आपके साथ हूं

एजेंसी

गुना। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने मध्य प्रदेश के चौथे दिन गुना जिले के बमोरी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्रामों कलोरा, तुमड़ा एवं बंधा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर संकट की स्थिति में मैं हमेशा आपके साथ हूं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने ग्राम कलोरा पहुंचकर खुद ही ट्रैक्टर चलाकर डैम स्थल पर जाकर निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने तुमड़ा एवं बंधा गांवों में प्रशासन एवं राज्य सरकार द्वारा किए गए राहत कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ से क्षेत्र के निवासियों को कठिनाई का सामना करना पड़ा है। इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में प्रशासन एवं भारतीय सेना ने तत्परता से राहत एवं बचाव कार्य करते हुए हजारों ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न, भोजन पैकेट एवं अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि गुना जिले में अब तक लगभग 7,500 प्रभावितों को 4,000 क्विंटल खाद्यान्न का वितरण किया गया है। किसानों से संबंधित मुद्दे पर उन्होंने बीमा कंपनियों से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया, ताकि किसानों को उनके अधिकार का लाभ बिना किसी देरी के मिल सके। इसके अतिरिक्त, कलोरा बांध में हुई क्षति के शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए और इस संबंध में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सीएम सैनी का कांग्रेस पर तंज : संविधान खत्म नहीं हुआ, जनता ने कांग्रेस को ही खत्म कर दिया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष ने संविधान को सिर पर उठाकर यह भ्रम फैलाया कि अगर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो संविधान खत्म कर देंगे, लेकिन संविधान तो खत्म नहीं हुआ, बल्कि जनता ने देश से कांग्रेस को ही खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र के गांव पटाक माजरा में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे झूठ फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हारने के बाद कांग्रेस ईवीएम पर दोष मढ़ती है, जबकि यह एक पारदर्शी व्यवस्था है।

पुलिस भर्ती जल्द, मेरिट पर मिलेगी नौकरी: मुख्यमंत्री ने युवाओं को खुशखबरी देते हुए घोषणा की कि हरियाणा में जल्द ही पुलिस विभाग में सिपाही के पदों पर भर्ती निकाली जाएगी। उन्होंने युवाओं से मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर होंगी।

गांव के विकास के लिए 21 लाख की घोषणा: सीएम सैनी ने गांव पटाक माजरा के विकास के

लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की और ग्रामीणों द्वारा रखी गई सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य केवल राजनीतिक दिखावा करना नहीं, बल्कि हर गांव और हर कस्बे तक विकास पहुंचाना है।

सरकार की उपलब्धियां गिनाईः सीएम ने सरकार की कई उपलब्धियां भी गिनाईं, जिनमें युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी, सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा, पंचायती भूमि पर बने मकानों का मालिकाना हक, और किसानों को एमएसपी पर सभी फसलें खरीदने वाला पहला राज्य बनना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधानसभा चुनाव में किए गए 217 वादों में से 41 पूरे कर लिए हैं और इस साल के अंत तक 90 और वादे पूरे हो जाएंगे।

संघ की समन्वय बैठक 5 से 7 सितम्बर तक जोधपुर में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (रा.स्व.संघ) की अखिल भारतीय समन्वय बैठक आगामी 05 से 07 सितम्बर तक जोधपुर (राजस्थान) में आयोजित होगी। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं सरकार्यवाह दत्तात्रेय

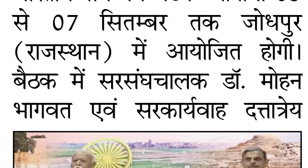

होसबाले सहित सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि रा.स्व.संघ प्रतिवर्ष तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक आयोजित करता है। गत वर्ष यह बैठक सितंबर, 2024 में पालक्काड (केरल) में संपन्न हुई थी। संघ की इस अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के चयनित पदाधिकारी ही सहभागी होते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश से हाहाकार, कांगड़ा के कई इलाके जलमग्न, 482 सड़कें बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। शिमला सहित कई इलाकों में बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से तबाही मची है। चंबा में बादल फटने और लाहौल-स्पीति की चोटियों पर बर्फबारी से पहाड़ों में ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग ने 30 अगस्त तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

''पिछले 24 घंटों में भारी बारिश और 30 अगस्त तक यलो अलर्ट''

बीते 24 घंटे में मंडी जिले के पंडोह में सबसे ज्यादा 123 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा सोलन के कसौली में 105 मिमी, जोत में 104 मिमी, मंडी और करसोग में 68-68 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। 25 अगस्त को उना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा और मंडी जिलों में, 26 अगस्त को इनमें शिमला और सिरमौर जिले भी शामिल होंगे। 27 अगस्त को मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में और 28 अगस्त को कुल्लू व मंडी जिलों में

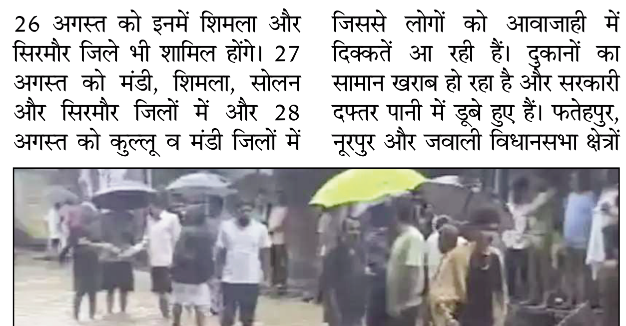

भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी रहेगा। 29 व 30 अगस्त को भी येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कांगड़ा के इंदौरा और जसूर में बाढ़ से बिगड़े हालात

कांगड़ा जिले के इंदौरा उपमंडल में जलभराव से नया सीडीपीओ ऑफिस और बाजार जलमग्न हो गए हैं। यहां पानी घुटनों तक भर गया है, जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं। दुकानों का सामान खराब हो रहा है और सरकारी दफ्तर पानी में डूबे हुए हैं। फतेहपुर, नूरपुर और जवाली विधानसभा क्षेत्रों के कई हिस्से भी जलमग्न हैं। जिला के जसूर में गरेली खड्ड उफान पर है, जिससे रेलवे और बस पुल के पास पानी बह रहा है। पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे के बौड़ क्षेत्र में नदी लबालब भर गई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के किनारे न जाने और सतर्क रहने की अपील की है।

चंबा में बादल फटने और भूस्खलन से नुकसान, मणिमहेश यात्रा पर रोक

चंबा जिले के तलाई और महल के पास बादल फटने से नाले उफान पर आ गए हैं, जिससे गंदा पानी और दलदल घरों में घुस गया है। भारी बारिश के कारण कई बड़े पेड़ पानी के बहाव से नीचे आ गिरे हैं। बाथरी के पास दिल्ली से आ रही एचआरटीसी की वॉल्वो बस भूस्खलन से बची, जिसमें बस को थोड़ा नुकसान हुआ पर सभी यात्री सुरक्षित हैं। भटियात क्षेत्र के ग्राम पंचायत मेल के गांव तेई में भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ, जिसमें दो घर क्षतिग्रस्त हो गए और छह अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रभावित लोग एक सरकारी स्कूल में शरण लिए हुए हैं। प्रशासन ने मणीमहेश यात्रा पर रोक लगा दी है और यात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। चंबा जिले की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी के कारण साच दर्रे का मार्ग भी बंद हो गया है।

आपदा पीड़ितों से मिलने थराली पहुंचे मुख्यमंत्री, प्रभावितों को सौंपे पांच-पांच लाख के चेक, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

एजेंसी

गोपेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्र थराली के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने थराली आपदा पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक भी वितरित किए और उनको हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री धामी आपदा प्रभावित क्षेत्र थराली पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके दर्दको सुना। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस आपदा ने कई परिवारों को अपार दुःख दिया है, हम उनकी पीड़ा को समझते हैं। संकट की इस घडी में हमारी सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों को चौबीस घंटे लगातार राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार के स्तर पर राहत व बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने थराली क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा के बाद चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री धामी कुलसारी में बने राहत शिविर भी पहुंचे और व्यवस्थाओं व सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से व्यवस्थाओं और यहां पर मिल रही सुविधाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहयोग किया जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रभावित गांवों तक राहत और सहायता पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित राहत शिवरों में ठहराया गया है और उनको नियमित रूप से भोजन और रुकने की उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि राहत शिविर राजकीय पॉलिटेक्निक कुलसारी में 12, प्राथमिक विद्यालय चेपड़ो में 36 और थराली अपर बाजार के प्राथमिक विद्यालय में 20 लोगों को ठहराया गया है।

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में किया रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि , 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने इस तरह से 48 किग्रा में सफल वापसी की। उन्होंने इसी वजन वर्ग में अपना विश्व चैम्पियनशिप खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों में दो पदक जीते लेकिन 2018 के बाद वह 49किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रही थी।

सौम्या दलवी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप: 25मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर, जूनियरों ने मारी बाजी

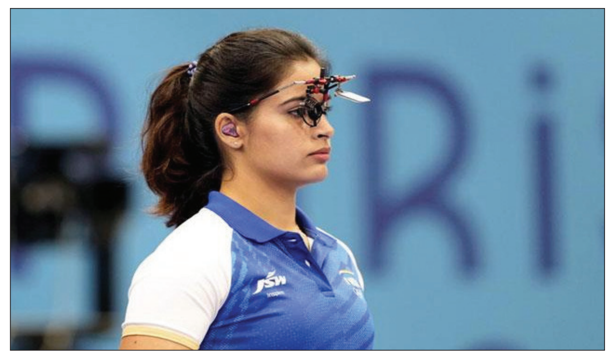

शिमकेंट (एजेंसी)। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गई और चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया।

कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालीफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन ने शतक जड़ा, मुहम्मद आशिक ने रोमांचक मैच में दिलाई जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। संजू सैमसन ने 51 गेंदों पर 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर बिकी रात को रोशन कर दिया, लेकिन मुहम्मद आशिक के वाह-वाही लूटने में कामयाब रहे क्योंकि जब कोच्चि ब्लू टाइगर्स को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी तो उन्होंने सिक्सर लगाकर रोमांचक जीत दिलाई और एरीज कोल्लम सेलर्स को चार विकेट से हरा दिया। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना विजयी अभियान जारी रखा जो अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। वहीं एरीज कोल्लम सेलर्स एक जीत और दो हार के साथ चौथे स्थान पर है। 237 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। मुहम्मद आशिक ने पहली दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर मुकाबले को जीवंत रखा। लेकिन गेंदबाज शराफुद्दीन ने अगली तीन गेंदों पर संयम बनाए रखा और सिर्फ एक बाई रन दिया, जबकि अल्फी फ्रांसिस जॉन रन आउट हो गए। आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थे, ऐसे में मुहम्मद आशिक ने सिक्स लगाकर अपनी टीम के लिए मैच जीत लिया। वह 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले संजू सैमसन ने साबित किया कि एशिया कप के लिए उन्हें चुनकर कोई गलती नहीं की है। सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 121 रनों की

तूफानी पारी खेलकर गेंदबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरीज कोल्लम सेलर्स ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद (41 गेंदों पर 94) और सचिन बेबी (44 गेंदों पर 91) ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 143 रनों की शानदार साझेदारी की।

ड्रीम 11 के हटने के बाद नए स्पोंसर की तलाश में बीसीसीआई, जानें एशिया कप से पहले नया प्रायोजक मिलेगा या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैंटेसी स्पोटर्स कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पोंसर नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और BCCI विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा, 'हमारा रूख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद BCCI ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'BCCI अपने प्रायोजक ही परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। यह एक सरकारी नियम है और इसका पूरा पालन जरूरी है और मौजूदा हालात में उनके कारोबार पर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड के लाभ पर भी कुछ समय के लिए असर होगा लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।' अधिकारी ने यह भी कहा कि UAE में एशिया कप में भारत के पहले मैच में सिर्फ 15 दिन बचे है लिहाजा नया प्रायोजक उससे पहले तलाशना कठिन है। उन्होंने कहा, 'प्रक्रिया चल रही है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के करार के लिए विज्ञापन देना है।

एशिया कप में भारत को विराट, रोहित की कमी खलेगी : बाजिद

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बाजिद खान ने कहा है कि एशिया के लिए भारतीय टीम काफी अच्छी है पर उसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की कमी महसूस होगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अन्य टीमों के खिलाफ अच्छा रहा है पर वह हमारे खिलाफ असफल रहे हैं।बाजिद ने कहा कि सूर्यकुमार पाक के खिलाफ रन नहीं बना पाये हैं।अन्होंने कह, सूर्यकुमार ने तकरीबन हर किसी के खिलाफ रन बनाए हैं परन्तु वक एक बार भी हमारे खिलाफ चल नहीं पाये हैं। अब उसका कारण जो भी रहा हो पर वह प्रभावी रहीं रहे हैं।वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके

विराट और रोहित गैरमौजूदगी को लेकर उन्होंने कहा, देखिए, ये दोनो खिलाड़ी शीर्ष स्तर के हैं।पाक में उनके बराबर का कोई खिलाड़ी नहीं है।विराट और रोहित खेल में तेजी लाते हैं जिसकी कमी आ अहसास भारतीय टीम को जरुर होगा। साथ ही ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के नहीं होने से भी भारतीय टीम को नुकसान होगा।उन्होंने कहा, लोग विराट और रोहित के बारे में तो बात करते हैं पर जडेजा ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम की कठिन समय में सहायता करते हैं।भारतीय टीम के पास स्पिनर अक्षर पटेल हैं पर जडेजा के होने से आपको एक बल्लेबाज, एक गेंदबाज और एक बेतरीन क्षेत्ररक्षक भी मिलता है जो खेल को नियंत्रित करता है।वह विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दो क्षेत्ररक्षकों में शामिल रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगी।वहीं भारत आर पाक के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होगा।

बुची बाबू टूर्नामेंट की तीसरी पारी में पृथ्वी ने लगाया अर्धशतक

चेन्नई।बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन यहां जारी बुची बाबू टूर्नामेंट में मिला-जुला रहा है।अब तक पृथ्वी ने इस टूर्नामेंट में खेली तीन पारियों में एक शतक एक अर्धशतक लगाया है पर एक पारी में वह एक रन ही बना पाये।अपने इस प्रदर्शन से साफ है कि पृथ्वी फार्म हासिल करने के करीब हैं।पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ कठिन हालातों में 111 रनों की आक्रामक पारी खेली पर दूसरी पारी में वह केवल एक ही रन बना पाए और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए, क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम ने यह मुकाबला 35 रनों से अपने नाम कर लिया।वहीं टीएनसीए प्रेसिडेंट्स इलेवन के खिलाफ खेले गए एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 384 रन बनाये थे।इसके जवाब में महाराष्ट्र की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे पृथ्वी ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को आगे बढ़ाया।पृथ्वी ने 57 गेंदों में 47 रन बनाये और पहली ही गेंद पर तीन रन लेकर अपना अर्धशतक बनाया।पृथ्वी ने 96 गेंदों में 66 रन भी बनाये।

शाकिब अल हसन के टी20 में 500 विकेट पूरे, इन खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

एंटीगुआ ।शाकिब अल-हसन कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स पर एंटीगुआ एंड बारबुडा की जीत के साथ टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए।बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि हासिल करने के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (660 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (631) और सुनील नरेन (590) और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर (554) के साथ संयुक्त रूप से अपना नाम दर्ज कराया है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में कम स्कोर वाले मैच में उन्होंने केवल 6 गेंदों में 11 रन देकर 3 विकेट लिए और यह रिकॉर्ड बनाया।पैट्रियट्स ने फाल्कन्स के सामने जीत के लिए 134 रनों का लक्ष्य रखा, क्योंकि उनके अंतिम छह बल्लेबाजों ने केवल 22 रन बनाए।फाल्कन्स ने दो गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें करीमा गोर 47 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर आउट हुईं।गेंदबाजी के साथ ही शाकिब ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 18 गेंदों में 25 रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए।इस जीत के साथ फाल्कन्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपने से नीचे की टीमों की तुलना में कुछ ज्यादा मैच खेले हैं।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।'

रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है।'

रोहित ने कहा, 'जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा काम पर्दे के पीछे से शुरू होता है। जैसा कि मैंने कहा, तैयारी में। आप मैदान पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं।'

रोहित ने कहा कि उनके लिए भी यह

कोई अलग बात नहीं रही और समय के साथ उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास को अधिक समय देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जब मैंने मुंबई के लिए खेलना शुरू किया और फिर भारत के लिए खेलने लगा। मेरा ध्यान और समय इस बात पर केंद्रित था कि मैं मैच से पहले कैसे तैयारी करता हूं।'

नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

न्यूयॉर्क ।नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के पहले दौर में उत्साही किशोर लर्नर टिएन को हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जगह बना ली है।आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में रविवार रात खेले गये पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 19 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को दो घंटे 25 मिनट में 6-1, 7-6(3), 6-2 से हराया। विंबलडन के बाद पहली बार खेल रहे 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की और 24 मिनट के शुरुआती सेट में केवल एक गेम गंवाया।हालांकि रात्रि सत्र में पदार्पण कर रहे टिएन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर देते हुए दमदार बेसलाइन खेल और घरेलू दर्शकों के समर्थन से वापसी की और दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट भी हासिल किया।मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि दूसरे सेट में संयम बनाए रखना और टाईब्रेकर में जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद जरूरी था।इसके बाद मुझे बेहतर महसूस होने लगा।मुझे पता है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकता हूं, लेकिन इस साल के अभियान की शुरुआत करने का यह एक शानदार तरीका है।' इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम में पहले दौर में दबदबे का जोकोविच का शानदार रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया है।2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से उन्होंने किसी भी बड़े टूर्नामेंट के पहले दौर का मैच नहीं गंवाया है।उनकी लगातार 75 जीत है।

महिला विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर ।अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी।इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है।टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी।पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी।इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं।बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था।इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं।आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं।एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है।महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है।इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।।

अमेरिकी ओपन : जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क ।विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं।इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते।अजारेंका ने अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे।विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का

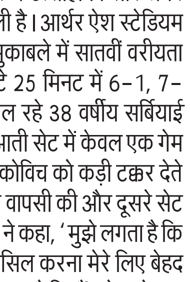

मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया।पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता।वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली।इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की।एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी।पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

पुजारा से पहले भी कई दिग्गजों को नहीं मिली थी सम्मानजनक विदाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानजनक विदायी नहीं मिल पायी है। अब इसमें एक नाम चेतेश्वर पुजारा का भी जुड़ गया है। पुजारा ने रविवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं इससे पहले आर अश्विन ने भी अचानक की खेल को अलविदा कह दिया था। जिन खिलाड़ियों को विदायी मैच नहीं मिले उनमें पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं हालांकि इन सभी के बड़े कद और भारतीय जिन्हें स्टेडियम में दर्शकों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी निश्चित तौर पर सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।

पुजारा टेस्ट के विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। टीम इंडिया के लिए खेलने की प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने मोटी कमाई वाली आईपीएल को भी महत्व नहीं दिया। उन्हें टेस्ट में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण का मिश्रिण कहा जाता था। दिग्गजों का मानना है कि पुजारा को खेल के मैदान से अपने पसंदीदा खेल को अलविदा कहने का मौका मिलना चाहिए था। वहीं तीनों प्रारुपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को भी साल 2020 में विदायी नहीं मिली थी और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं 2011 वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने तो साल 2019 में विदाई मैच की मांग तक की थी पर बीसीसीआई ने उसे ठुकरा दिया था। टीम चयन में लगातार उपेक्षा के बाद युवराज ने खेल को अलविदा कह दिया था। सहवाग ने साल 2013 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 2 साल तक इंतजार किया कि उन्हें मैदान में क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका मिल जाए पर उन्हें सम्मानजनक विदाई नहीं मिली। वहीं वीवीएस लक्ष्मण ने साल 2012 में कुछ दिन पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं जहीर खान, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर का भी कोई विदायी मैच नहीं मिला था।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं।

पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप

अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा - तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।

पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गई हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्ता सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

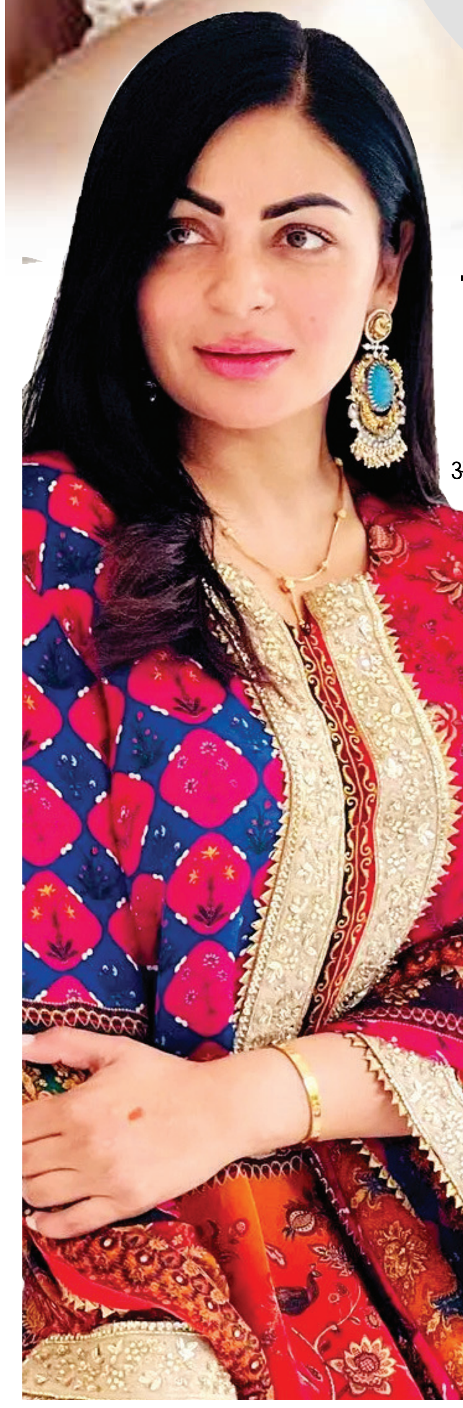

नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज़्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।

पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?

ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?

कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?

एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?

मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?

मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।

मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

आप नक्सलवाद से भी जुड़े रहे, तो उसके कारण आपको इंडस्ट्री द्वारा अपनाए जाने में किसी तरह की दिक्कत पेश आई?

नहीं, नहीं उनको तो बाद में पता चला मेरे नक्सली होने का। अब उस बारे में बात नहीं करना चाहता। मगर मेरे रंग को लेकर मुझसे सबसे ज्यादा तकलीफ हुई, फिर मेरा वही रंग बाद में सेक्सी-डस्की बंगाली बाबू हो गया। लेकिन रंग के कारण फिल्म में कास्ट हो जाने के बाद भी निकाल दिया गया। क्या-क्या बोलूं? ये खत्म ही नहीं होगा।

भोजन का स्वाद और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं ये वास्तु टिप्स

वास्तुशास्त्र में मानव कल्याण के लिए बहुत सारे नियम निर्धारित किए गए हैं। जो सुखमय जीवन प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। भोजन से संबंधित भी वास्तु विद्वानों ने कुछ निर्देश दिए हैं, जिनका पालन करने से बहुत सारे दुष्प्रभावों को सदा के लिए दूर कर रोग और शोक से बचा जा सकता है। भोजन के उपरांत सौ कदम टहलने से शरीर स्वस्थ और निरोगी बना रहता है लेकिन दौड़ने से विकार पैदा होते हैं। भोजन करके एक ही स्थान पर बैठे रहने से पेट बढ़ जाता है। शरीर में भारीपन और सुस्ती बनी रहती है। जो लोग भोजन करके तुरंत नींद के आगोश में चले जाते हैं उन्हें बहुत सारे रोग होने की आशंकाएं बढ़ जाती है।

वास्तु के अनुसार भोजन का स्वाद और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं ये टिप्स

- सारा परिवार मिलकर भोजन करे तो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों बढ़ जाते हैं।
- पूर्व और उत्तर दिशा की ओर मुंह करके भोजन ग्रहण करना चाहिए। इस उपाय से हमारे शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा पूर्ण रूप से प्राप्त होती है।
- दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके भोजन ग्रहण करना अशुभ माना गया है।
- पश्चिम दिशा की ओर मुंह करके भोजन करने से रोगों की वृद्धि होती है।
- भोजन के पूर्व दोनों हाथ, दोनों पैर और मुख को अच्छी तरह से धो लेना चाहिए। इसके बाद ही भोजन करना चाहिए।
- भीगे हुए पैरों के साथ भोजन ग्रहण करना बहुत शुभ माना जाता है। भीगे हुए पैर शरीर के तापमान को नियंत्रित करते हैं, इससे पाचनतंत्र ठीक रहता है और भोजन आसानी से पचता है।

गिरी हुई आत्माएं ही संसार में कष्ट भोगती हैं

अपनी बहन इलाइजा के साथ एक किशोर बालक घूमने निकला। रास्ते में एक किसान की लड़की मिली। वह सिर पर अमरूदों का टोकरा रखे हुए उन्हें बेचने बाजार जा रही थी। इलाइजा ने भूल से उसे टक्कर मार दी, जिससे सब अमरूद वहीं गिर कर गंदे हो गए। कुछ फूट गए, कुछ में कीचड़ लग गया। गरीब लड़की रो पड़ी। ''अब मैं अपने माता-पिता को क्या खिलाऊंगी जाकर, उन्हें कई दिन तक भूखा रहना पड़ेगा।'' इस तरह अपनी दीनता व्यक्त करती हुई, वह अमरूद वाली लड़की खड़ी होकर रो रही थी। इलाइजा ने कहा, ''भैया चलो भाग चलें, कोई आएगा तो हमें मार पड़ेगी और दंड भी देना पड़ेगा। अभी तो यहां कोई देखता भी नहीं।'' ''बहन देख ऐसा मत कह, जब लोग ऐसा मान लेते हैं कि यहां कोई नहीं देख रहा, तभी तो पाप होते हैं। जहां मनुष्य स्वयं उपस्थित है, वहां एकांत कैसा? उसके अंदर बैठी हुई आत्मा ही गिर गई तो फिर ईश्वर भले ही दंड न दे, वह आप ही मर जाता है। गिरी हुई आत्माएं ही संसार में कष्ट भोगती हैं, इसे तू नहीं जानती, मैं जानता हूं।'' इतना कह कर उस बालक ने अपनी जेब में रखे सभी तीन आने पैसे उस ग्रामीण कन्या को दिए और उससे कहा, ''बहन तू मेरे साथ चल। हमने गलती की है तो उसकी सजा भी हमें सहर्ष स्वीकार करनी चाहिए, तुम्हारे फलों का मूल्य घर चलकर चुका दूंगा।''तीनों घर पहुंचे, बालक ने सारी बात मां को सुनाई। मां ने एक तमाचा इलाइजा को जड़ा, दूसरा उस लड़के को और गुस्से से बोली, ''तुम लोग नाहक घूमने क्यों गए? घर खर्च के लिए पैसे नहीं, अब यह दंड कौन भुगते?'' बच्चे ने कहा, ''माताजी! देख मेरे जेब खर्च के पैसे तू इस लड़की को दे दे। मेरा दोपहर का विद्यालय का नाश्ता बंद रहेगा, मुझे उसमें रत्तीभर की भी आपत्ति नहीं है। अपनी गलती के लिए प्रायश्चित भी तो मुझे ही करना चाहिए।'' मां ने उसके डेढ़ महीने के जेब खर्च के पैसे उस लड़की को दे दिए। लड़की प्रसन्न होकर घर चली गई। डेढ़ महीने तक विद्यालय में उस लड़के को कुछ भी नाश्ता नहीं मिला, इसमें उसने जरा भी अप्रसन्नता प्रकट नहीं की। अपनी मानसिक त्रुटियों पर इतनी गंभीरता से विजय पाने वाला यही बालक आगे चलकर विश्वविजेता नैपोलियन बोनापार्ट के नाम से विश्वविख्यात हुआ।

व्यक्ति की पहचान बुरे दौर से...

समय और परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं होती है। हर व्यक्ति के जीवन में कभी अच्छा समय आता है, तो कभी बुरे दौर से उसे गुजरना पड़ता है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति की पहचान उसके बुरे दौर में ही होती है। ऐसा कहने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि जीवन के अच्छे दौर में तो सामान्य से सामान्य व्यक्ति भी सही फैसला करने में सक्षम होता है लेकिन जब स्थिति प्रतिकूल हो, तो उस समय व्यक्ति की सही प्रतिभा का आकलन किया जाता है। धैर्यवान व्यक्ति हमेशा विपरित स्थिति में विचलित नही होते है। आइए जाने की प्रतिकुल स्थिति में कैसे धैर्य और संयम के साथ काम लें। यह बात मान लेने में जरा भी संकोच नहीं होना चाहिए कि आज हम सब का बाह्य जीवन बड़ा ही अस्त-व्यस्त, अव्यवस्थित एवं अवांछनीय दशा में चल रहा है। यही कारण है कि जीवन क्षेत्रों में बहुधा असफलता का ही सामना करना पड़ रहा है। उन्नति और प्रगति के नाम पर हम कुछ कदम भी आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। व्यावहारिक जीवन की अव्यवस्था एवं अस्त-व्यस्तता हमारी हर साधना को निष्फल बनाती चली जा रही है। हम आध्यात्मिक साधना करते, पूरे समय प्रयत्न भी करते, परिश्रम एवं प्रसार से भी मुंह नहीं मोड़ते, तब भी देखते यही हैं जहां के तहां पड़े हुए हैं, जरा भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

धैर्य और साहस के साथ बढ़ें

जीवन का कोई क्षेत्र भी क्यों न हो, उसमें सफलता प्राप्त करने के लिये क्रमिक प्रयत्न करना होता है। एक साथ ऐसी छलाँग लगाकर कोई भी सफलता के उच्च शिखर पर नहीं पहुँच सकता। प्रत्येक बात की एक विधि और एक क्रम होता है। उसी के अनुसार चलने से सफलता संभव हो सकती है। क्रम का उल्लंघन करने से लाभ के स्थान पर हानि ही होती है। शक्ति का अपव्यय होता है, निराशा की वेदना सहन करनी पड़ती है और उत्साहों में प्रशमन आता है, जीवन गति अस्त-व्यस्त होकर बोझिल बन जाती है।

पहले ठहरें , फिर प्रतिक्रिया दें

उदाहरण के तौर पर अगर कोई भी व्यक्ति आपको किसी कार्य को करने के लिए उकसाता है और आप उस उकसावे में आकर उसके मुताबिक निर्णय ले लेते हैं, तो यह आपकी कमजोरी को प्रदर्शित करता है और साथ हीं आपके लिए कठिनाइयां पैदा करता है। ऐसे में धैर्यशील व्यक्ति किसी के उकसावे को समझने की कोशिश करता है, थोड़ा ठहरता है और उसके बाद प्रतिक्रिया करता है। ऐसी प्रतिक्रियाओं के सही होने की संभावना अधिकतम होती है। उदाहरण के तौर पर कई महापुरुषों के जीवन से संबंधित घटनाओं को देख सकते हैं। जितने भी वैज्ञानिक और आविष्कारक हुए हैं, उन्होंने सालों तक अपने अनुसंधान की सफलता का इंतजार किया है। उन्होंने कई असफल प्रयोगों का धैर्य के साथ आजमाया और हर असफलता के बाद फिर से उसे आगे बढ़ाया लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया।

विपरित परिस्थिति में ना खोए धैर्य

अगर धैर्य खो देते तो वे कभी आविष्कार नहीं कर पाते। हमें महात्मा गांधी के जीवन की कई घटनाओं से इसका प्रत्यक्ष उदाहरण मिल सकता है। जब पहली बार उन्हें दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद की नीति के कारण ट्रेन से उतारा गया था, तो उन्होंने तुरंत ही उसकी प्रतिक्रिया नहीं की। उन्होंने उस अधिकारी के साथ उलझना सही नहीं समझा बल्कि उस पूरी स्थिति को समझा और पाया कि इसके पीछे का कारण रंग भेद की नीति है और जब तक इस नीति के ऊपर प्रहार नहीं किया जाता है, ऐसी घटनाओं को रोका नहीं जा सकता है। उन्होंने इसके लिए योजना बनाई और फिर संघर्ष शुरू किया। हालांकि, उन्हें लम्बा संघर्ष करना पड़ा लेकिन उन्होंने धैर्य नहीं खोया और उसी धैर्य ने उन्हें सफलता दिलाई। कुछ इसी तरह के धैर्य का परिचय उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय भी दिया और कई आंदलनों की तथाकथित विफलताओं के बावजूद उन्होंने संयम नहीं खोया तथा संघर्ष करते रहे, जिसकी परिणति हमारे सामने है।

संयम रखना भी जरुरी है

धैर्य के साथ लिए गए निर्णय में कितनी शक्ति होती है, उसका एक उदाहरण विवेकानंद के साथ घटी एक घटना है। एक बार विवेकानंद के एक ईसाई दोस्त ने उनकी क्षमता को परखने की योजना बनाई। वे शायद उनकी बुद्धि की परीक्षा लेना चाहते थे। उन्होंने विवेकानंद को खाने पर आमंत्रित किया। जब वे उनके घर गए तो स्वामी जी को उस ईसाई दोस्त ने एक कमरे में बैठाया। उस कमरे में एक मेज पर कई धार्मिक पुस्तकें रखी हुई थी। उन पुस्तकों को एक दूसरे के ऊपर रखा गया था। विश्व के कई धर्मों की पुस्तकों में सबसे नीचे गीता और सबसे ऊपर बाइबिल रखा गया था। उस व्यक्ति को इस बात की उम्मीद थी कि ऐसा देखकर स्वामी जी भड़क जाएंगे और गुस्से में कुछ ऐसी टिप्पणी करेंगे, जिससे उनके संयम को चुनौती दी जा सके। उन्होंने स्वामी जी से पूछा कि पुस्तकों को रखने का यह तरीका कैसा लगा आपको। स्वामी विवेकानंद ने उसे गंभीरता से देखा और धैर्य के साथ उत्तर दिया कि नींव वास्तव में अच्छी है। उस व्यक्ति को इस उत्तर की उम्मीद नहीं थी लेकिन विवेकानंद की इस संयत टिप्पणी ने उसे लज्जित कर दिया।

धैर्य का मतलब कठिनाई का समाना

याद रखें, केवल धैर्य ही आपको अपनी पूरी मानसिक क्षमता का उपयोग करने में सक्षम बनाता है और जिसके कारण आप कठिन से कठिन चुनौतियों का सफलता पूर्वक सामना करने के योग्य बन जाते हैं। इसलिए धैर्य को बनाए रखने की प्रवृति का विकास करें। धैर्य रखने का सीधा मतलब अपने स्वभाव के शांत होने से है। जब आप शांत होकर स्थिरता के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने को उत्तेजित नहीं होने देते तो आप इतना मजबूत हो जाते हैं कि किसी भी कठिनाई का समाना आप कर सकते हैं।

'संयम व धैर्य' से बलवान

हर व्यक्ति को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए ऐसी शक्ति की आवश्यकता होती है जो उन्हें जगाए व संभाले और वह शक्ति मन की होती है। मन बिखरा रहेगा तो शक्तियां बंट जाएंगी। तीव्र इच्छा शक्ति ही मनुष्य को लक्ष्य की ओर ले जाती है। संयम व धैर्य ही मनुष्य को बलवान बनाता है। प्रार्थना सच्ची आत्मा से होनी चाहिए। प्रार्थना में ह्रदय व आत्मा बोलती है और परमात्मा सुनता है। पूरे शरीर को कान बना लो और इस तरह प्रार्थना करो कि ईश्वर तुम्हारी आवाज सुन सके। प्रभु से हमेशा रहस्मय रिश्ता बनाओ। ऐसी प्रार्थना करो कि ऐसा कोई क्षण न हो, जिससे महसूस न हो कि प्रभु उनके पास नहीं है। आवेश व तैश में की गई गलतियां जिंदगी भर रुलाती है। ऐसे समय में भगवान को याद करना चाहिए। भक्ति ऐसी होनी चाहिए, जिससे छाया भी परमात्मा का ही रूप लगे। नियंत्रण की चेष्टा सारे दिन करें, नित्य प्रति ध्यान लगाने की चेष्टा से मन को शांति मिलती है।

धैर्य की आस्था के लिए

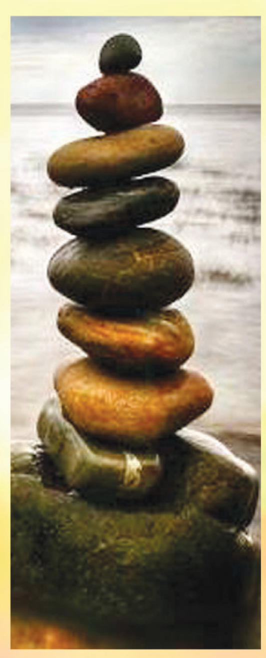

धैर्य के लिए विश्वास में सामान्य जीवन में हमारे साथी मनुष्यों में अपने आप में है ..., है। उदाहरण के लिए, जब एक बच्चे को बात करने के लिए, भले ही हम एक ध्वनि वे पहली बार में कह रहे हैं, समझ में नहीं आ सकता है सीख रहा है, हम धैर्य (विश्वास) है कि किसी दिन, जल्द ही, वे स्पष्ट रूप से बात करने के लिए और समझा जा सकेंगे। उसी तरह, जब हम एक परियोजना पर काम कर रहे हैं हम धैर्य (विश्वास) है कि यह बाहर काम करेंगे और है कि हम लक्ष्य को हम निर्धारित किया है को प्राप्त करने में सफल हो जाएगा। फिर भी कई बार खुद के साथ और दूसरों के साथ धैर्य खो देते हैं, हम विश्वास खो रहे हैं।

नकारात्मक विचारों से दूर रहें

आपके अंदर पनपने वाले विचार आपके अंदर संचालित होने वाली ऊर्जा को प्रभावित करता है। जिस तरह के विचार अपने अंदर लाएंगे वैसा ही प्रभाव आपके व्यक्तित्व पर पड़ेगा। अगर आपके अंदर नकारात्मक विचार आते हैं, तो कार्यक्षमता प्रभावित होगी, आलस्य छाया रहेगा और फिर अपने मकसद को पूरा करने में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग आप नहीं कर पाएंगे। इसलिए नकारात्मक प्रवृति वाले लोगों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले लोगों के साथ अपनी बातें साझा करें ताकि आपकी ऊर्जा को सही दिशा मिल सके।

समय का सदुपयोग करें

समय बहुत कीमती होता है और जो चला गया उसे कभी वापस नहीं लाया जा सकता है, इसलिए इसके उपयोग में हमेशा सावधानी रखें। अगर आप अपने संसाधनों का उपयोग करके कोई काम दूसरे से करा सकते हैं, तो उसे खुद करके थोड़ा संसाधन बचाने की कोशिश न करें, क्योंकि उसी समय आप उससे बड़ा काम कर सकते हैं। ऐसे हीं छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें, ताकि समय हाथ से न फिसल जाए।

अहंकार का कोई आस्तित्व नहीः ओशो

यह असंभव है। अहंकार का त्याग नहीं किया जा सकता क्योंकि अहंकार का कोई आस्तित्व नहीं है। अहंकार केवल एक विचार है- उसमें कोई सार नहीं है। यह कुछ नहीं है - यह सिर्फ शुद्ध कुछ भी नहीं है। तुम इस पर भरोसा करके इसे वास्तविकता दे देते हो। तुम भरोसा छोड़ सकते हो और वास्तविकता गायब हो जाती है, लुप्त हो जाती है। अहंकार एक तरह का अभाव है। अहंकार इसलिए है क्योंकि तुम स्वयं को नहीं जानते। जिस क्षण तुम स्वयं को जान लेते हो, कोई अहंकार नहीं पाओगे। अहंकार अंधकार के समान है; अंधकार का अपना कोई सकारात्मक आस्तित्व नहीं होता; यह बस प्रकाश का अभाव है। तुम अंधकार से लड़ नहीं सकते, या लड़ सकते हो? तुम अंधकार को कमरे के बाहर नहीं फेंक सकते, तुम उसे बाहर नहीं निकाल सकते, तुम उसे भीतर नहीं ला सकते। तुम अंधकार के साथ सीधे-सीधे कुछ नहीं कर सकते, इसके लिए तुम्हे प्रकाश के साथ कुछ करना होगा। यदि तुम प्रकाश करो तब अंधेरा नहीं रह जाएगा; यदि तुम प्रकाश बुझा दो, वहां अंधेरा है।

देखने की कोशिश करो

मैं तुमसे अहंकार का त्याग करने के लिए नहीं कहता। इसके विपरीत, मैं कहूंगा कि यह देखने की कोशिश करो कि अहंकार है कहां? इसकी गहराई में देखो; इसे पकड़ने कि कोशिश करो कि आखिर यह है कहां, या फिर यह वास्तविकता में है भी या नहीं। किसी भी चीज का त्याग करने से पहले उसकी उपस्थिति का पक्का कर लेना चाहिए।

केंद्र में प्रवेश करके देखो

इसका विरोध करने की कोई जरूरत नहीं। इसमें गहरी डुबकी लगाओ, भीतर प्रवेश करो। इसमें प्रवेश करने का अर्थ है अपने घर में जागरूकता ले आना, अंधकार में प्रकाश ले आना। सावधान रहो सतर्क रहो। अहंकार के ढंगो को देखो, यह कैसे काम करता है, आखिर कैसे यह संचालित करता है। और तुम हैरान हो जाओगे; जितने गहरे तुम इसमें जाते हो यह उतना ही दिखाई नहीं पड़ता। और जब तुम अपने भीतरतम के केंद्र में प्रवेश कर जाते हो, तुम कुछ बिल्कुल ही अलग बात पाओगे जो कि अहंकार नहीं है। जो कि निरहंकारिता है। यह स्वयं का भाव है, स्वयं की पराकाष्ठा है --यह भगवत्ता है। तुम अब एक अलग सत्ता के रूप में मिट गए; अब तुम कोई निर्जन द्वीप नहीं हो, तुम पूर्ण का हिस्सा हो।

अहंकार को गिरा दो,

मैं तुम्हे यह नहीं कह सकता, कि अहंकार को गिरा दो, क्योंकि इसका तो यह अर्थ हुआ कि मैंने तुम्हारे अहंकार की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया। और तुम उसे गिरा कैसे सकते हो--जब कि तुम ही वह हो। इस क्षण में तुम ही अहंकार हो। स्वयं को तो तुमने कहीं पीछे अतीत में छोड़ दिया है। तुम में और तुम्हारे आस्तित्व में एक बहुत बड़ा अंतर है। इस क्षण में तुम अपनी परिधि पर जी रहे हो। उस परिधि पर तुम जीने का नाटक कर रहे हो। यह नाटक करने वाला ही अहंकार है। अब इस अहंकार को कहना कि, गिर जाओ!, समर्पण कर दो!, विनम्र बनो निपट मूढ़ता है।

अहंकार बड़ा विरोधाभासी

यह बड़ा ही विरोधाभासी दिखाई पड़ेगा, किन्तु यह सत्य है--इससे पहले तुम्हारा अहंकार छूटे, तुम्हें इसे अपनाना होगा। एक पका हुआ फल ही धरती पर गिरता है। उसका पका हुआ होना ही पर्याप्त होता है। एक अधपका अहंकार छोड़ा नहीं जा सकता, नष्ट नहीं किया जा सकता। और यदि तुम एक अधपके अहंकार को नष्ट करने या गला देने के लिए संघर्ष करोगे तो तुम्हारा सारा प्रयास विफल हो जायेगा। इसे नष्ट करने की बजाय तुम इसे नए और सूक्ष्म तरीके से और अधिक मजबूत पाओगे।

अहंकार को मारो

अंधकार प्रकाश का अभाव है, अहंकार भी ऐसा ही है आत्म-ज्ञान का अभाव। तुम उसका त्याग नहीं कर सकते। तुम्हे बार-बार ये कहा गया है। अपने अहंकार को मारो -और यह वाक्य साफ तौर पर बेतुका है, क्योंकि जिस चीज का कोई आस्तित्व ही नहीं उसका त्याग भी नहीं किया जा सकता। और यदि तुम उसका त्याग करने की कोशिश भी करोगें, जो उपस्थित ही नहीं है, तो तुम एक नया अहंकार पैदा कर लोगे--विनम्र होने का अहंकार, निरहंकार होने का अहंकार, उस व्यक्ति का अहंकार जो सोचता है कि उसने अपने अहंकार का त्याग दे दिया। यह फिर से एक नए प्रकार का अंधकार होगा।